Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
बोकारो, गुरुवार
01.10.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 336
PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374

mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

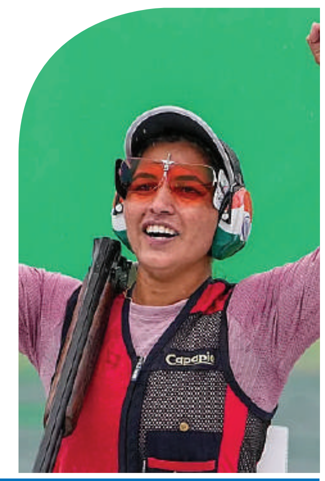

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

इंडी गठबंधन की बैठक में एसआईआर, ईवीएम और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने पर सहमति, 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में आंदोलन

एजेंसी, नई दिल्ली

विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन ने चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन का फैसला किया है। गठबंधन के घटक दल 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में मार्च निकालेंगे। 06 अक्टूबर को विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। गठबंधन ने ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग भी की।

यहां बुधवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडी गठबंधन की आठवीं बैठक करीब तीन घंटे तक चली। बैठक में एसआईआर, ईवीएम-वीवीपैट, मतदाता सूची और मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट), शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), राष्ट्रीय जनता दल, माकपा, भाकपा, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, भाकपा (माले), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस (एम), एमडीएमके, वीसीके, आरएसपी, केरल कांग्रेस (जे) और अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक सहित 20 विपक्षी राजनीतिक दल शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्रकार वार्ता में कहा कि गठबंधन के सभी दल इन मुद्दों पर मिलकर लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने चुनाव आयोग को कठपुतली बना दिया है और भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट चोरी कर रही है। चुनावों में लोगों का विश्वास बहाल करने के लिए ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान कराया जाना चाहिए।

खरगे ने कहा कि विपक्षी दल 2 से 8 अक्टूबर तक देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ मार्च' निकालेंगे। 6 अक्टूबर को सभी विपक्षी सांसद चुनाव आयोग तक मार्च करेंगे। साथ ही विपक्षी नेता अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति से मुलाकात का समय मांगेंगे। वे राष्ट्रपति को चुनाव प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े मुद्दों की जानकारी देंगे। इसके बाद अक्टूबर-नवंबर में पांच बड़ी रैलियां भी आयोजित की जाएंगी। इनके स्थान और तारीखों का फैसला बाद में होगा। दिल्ली में एक बड़ी रैली 1 नवंबर को आयोजित की जाएगी। खरगे ने विपक्षी दलों के लिए छह मांगें भी रखीं। इनमें भविष्य के चुनावों में एसआईआर से पहले की मतदाता सूची का इस्तेमाल, मतदाता सूची में हर बदलाव की पूरी पारदर्शिता, किसी नाम को हटाने से पहले सूचना और अपील का अधिकार, पात्र मतदाताओं को प्रशासनिक कारणों से बाहर किए जाने से सुरक्षा, ईवीएम के बजाय बैलेट से मतदान और युवाओं के लिए सरल मतदाता पंजीकरण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में बदलाव की पूरी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। एसआईआर से पहले की मतदाता सूची को भविष्य के चुनावों में इस्तेमाल करने की मांग भी उन्होंने रखी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम हटाने से पहले उसे सूचना दी जानी चाहिए। नाम हटाने का कारण बताया जाना चाहिए। उसे प्रभावी अपील का अवसर भी मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासनिक खामियों, दस्तावेजों की कमी या जानकारी के अभाव के कारण पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने से सुरक्षा की मांग की। खरगे ने दावा किया कि एसआईआर के तहत 13.3 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि नाम हटाए गए हैं तो यह भी बताया जाना चाहिए कि किसका नाम हटाया गया और क्यों हटाया गया। अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव आयोग जरूरी है। मुख्य चुनाव आयुक्त के दो सहयोगी चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में 14 बार असहमति दर्ज कराई है। उन्होंने इसे मुख्य चुनाव आयुक्त की कार्यप्रणाली पर सवाल बताया और उनके पद से हटने की मांग की। खरगे ने 2023 के मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल से संबंधित कानून का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस कानून में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की चयन समिति में मुख्य न्यायाधीश की जगह केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया है। सरकार ने चुनाव आयोग को प्रभावित करने की व्यवस्था तैयार की है। खरगे ने आरोप लगाया कि मतदाता पंजीकरण के फॉर्म-6 में बदलाव कर युवाओं के लिए पहली बार मतदाता बनने की प्रक्रिया कठिन की जा रही है। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं के पंजीकरण की प्रक्रिया सरल और सुगम होनी चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इंडी गठबंधन के सभी नेताओं ने लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता जताई है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि संबंधित व्यक्ति कितना बड़ा या प्रभावशाली है। भारतीय लोकतंत्र हर व्यक्ति से बड़ा है। विपक्षी दलों ने मिलकर देश की जनता तक यह बात पहुंचाने में सफलता हासिल की है कि चुनाव चोरी किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि युवाओं में इसे लेकर प्रतिरोध की भावना बढ़ रही है। विपक्षी दल मिलकर काम कर रहे हैं और आने वाले महीनों में देश में बड़े बदलाव लाने के लिए प्रयास करेंगे। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने दावा किया कि इंडी गठबंधन एकजुट है और सभी दल साथ हैं। उन्होंने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाए। ममता ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। ममता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव द्वारा उठाए गए 'वोट चोरी' के मुद्दे के बाद चुनाव प्रक्रिया पर सवाल और स्पष्ट हुए हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा और बिहार में भाजपा की जीत तथा पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया को लेकर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट समेत सभी स्तरों पर अपनी शिकायतें उठा चुके हैं। ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी की और ईवीएम से छेड़छाड़ की गई।

पंजाब में नशे के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी भाजपा : अमित शाह

- 31 दिसंबर 2029 के बाद नहीं रहेगा कोई भी नशे का कारोबारी : अमित शाह
- गृहमंत्री ने कहा- नशों के कारोबार को बढ़ावा देने वाले नहीं बना सकते पंजाब को नशा मुक्त

एजेंसी, चंडीगढ़

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को जालंधर में 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' के समापन अवसर पर आयोजित जनसभा में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव नशे के मुद्दे पर लड़ेगी। उन्होंने कहा कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है तो 31 दिसंबर 2029 तक राज्य को पूरी तरह नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। अमित शाह ने आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार पर पंजाब में नशे की समस्या को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग नशे के कारोबार को रोक नहीं सकते, वे पंजाब को नशामुक्त नहीं कर सकते। केंद्रीय गृहमंत्री ने दिल्ली के कथित शराब घोटाले का उल्लेख करते हुए भी आआपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार को बढ़ावा देने वालों से पंजाब को नशामुक्त करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। गृहमंत्री ने पंजाब के जवानों और किसानों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य के सैनिक देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और किसानों ने देश के अन्न भंडार को भरने में बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब सरकार ने किसानों को 26 फसलों पर एमएसपी देने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर किसानों से जुड़े मुद्दों का स्थायी समाधान करने की दिशा में काम किया जाएगा। अमित शाह ने युवाओं में नशे की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि नशे के कारण किसी होनहार युवा की असमय मौत बेहद दुखद है। उन्होंने युवाओं से भाजपा को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें नशे के दलदल से निकालने के साथ रोजगार के उचित अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में पंजाब सरकार ने एंटी-ड्रग्स से संबंधित एक भी बैठक नहीं की। जालंधर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) का कार्यालय खोलने के केंद्र के प्रस्ताव को राज्य सरकार ने ठुकरा दिया। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा को भी गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर इसे प्राथमिकता दी जाएगी। गृहमंत्री ने पंजाब सरकार पर कथित विज्ञापन आवंटन, भूमि और पोषण आहार से जुड़े मामलों को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से विज्ञापन पर खर्च, 25 लाख रोजगार देने के वादे और राज्य में 16 मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के दावे को लेकर सवाल किए। उन्होंने अवैध खनन से होने वाली आय को लेकर भी राज्य सरकार पर सवाल उठाया।

इंडी गठबंधन की बैठक से पहले बिखर गया विपक्ष : शिवराज

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंडी गठबंधन की बैठक को लेकर कांग्रेस और विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन राहुल गांधी को नेता मानने के लिए तैयार नहीं है। यहां तक कि कांग्रेस के नेता भी राहुल गांधी को अपना नेता मानने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में देश की जनता उन्हें नेता कैसे मानेगी।

शिवराज चौहान ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता को लेकर विपक्षी दलों में ही सहमति नहीं है। यही वजह है कि इंडी गठबंधन के सहयोगी दल बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी खुद कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कह रहे हैं कि उन्हें नेता माना जाए और उन पर विश्वास किया जाए। उन्होंने दावा किया कि बैठक से पहले ही इंडी गठबंधन बिखरा हुआ नजर आ रहा है। डीएमके बैठक में शामिल नहीं हो रही है। अखिलेश यादव भी बैठक में नहीं आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने पहले ही बैठक में शामिल होने से इनकार कर दिया है। वहीं, उद्धव ठाकरे बैठक में शारीरिक रूप से शामिल नहीं होंगे बल्कि वर्चुअली जुड़ेंगे। वोटर लिस्ट को लेकर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र की आत्मा है। अगर वोटर लिस्ट में गलत नाम जुड़ते हैं तो इससे लोकतंत्र प्रभावित होगा। उन्होंने सवाल किया कि जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है, उसका नाम वोटर लिस्ट से हटाने पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो देश का नागरिक नहीं है, उसका नाम मतदाता सूची में क्यों होना चाहिए। पवित्र लोकतंत्र के लिए वोटर लिस्ट का सही और शुद्ध होना जरूरी है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कुछ लोग चुनावी मैदान में जीत नहीं पाते हैं तो अपनी हार का ठीकरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फोड़ते हैं। उन्होंने सवाल किया कि अगर वोट चोरी हुई है तो अलग-अलग राज्यों में चुनाव के अलग-अलग परिणाम क्यों आते हैं। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की पार्टी को 37 लोकसभा सीटें कैसे मिलीं। उन्होंने कहा कि चुनाव हारने के बाद वोट चोरी का बहाना बनाया जाता है। शिवराज ने दावा किया कि देश की जनता अब इस तरह की राजनीति को समझ रही है और इसी वजह से कांग्रेस को पहले की तुलना में जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद

एजेंसी, इंफाल । मणिपुर के बिष्णुपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर बुधवार को भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद करने के साथ ही एक वाहन को गिरफ्तार किया है। जबकि, एक महिला के खिलाफ अश्लील एवं अपमानजनक टिप्पणी करने वाले को भी गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार, खोरदक इलाके और उसके आस-पास हथियार और अन्य सामान छिपाकर रखे जाने की जानकारी मिलने पर, बिष्णुपुर जिला पुलिस और सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने आज घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान केइबुल लमजाओ पुलिस स्टेशन के तहत फॉरेस्ट बीट ऑफिस के पास खोरदक पैटन से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया। बरामद सामानों में मुख्य रूप से एक एमपी-5 हथियार मैगज़ीन के साथ (देसी), दो लाथोड गन (देसी), चार 36 हैंड ग्रेनेड, एक ड्रोन बम (देसी), छह आईईडी, अलग-अलग हथियारों की पांच मैगज़ीन एवं अलग-अलग कैलिबर के कारतूस/राउंड और अन्य विविध सामान बरामद हुए। हालांकि, इस संबंध में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

दिल्ली दंगा: उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोपित उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस प्रतिभा सिंह की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय के आदेश से बंधा है और न्यायिक अनुशासन का पालन करना जरूरी है। इसके पहले कड़कड़डूमा कोर्ट ने 4 जुलाई को उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। एडिशनल सेशंस जज समीर बाजपेयी ने कहा था कि वो उच्चतम न्यायालय के 5 जनवरी के आदेश का पालन करने के लिए बाध्य हैं। कड़कड़डूमा कोर्ट ने कहा था कि उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं ट्रायल कोर्ट में भी सुनवाई योग्य नहीं हैं।

सुनवाई के दौरान उमर खालिद की ओर से पेश वकील त्रिदिप पेस ने कहा था कि उच्चतम न्यायालय ने अंद्राबी के मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं को खारिज करने पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था कि उच्चतम न्यायालय का वह आदेश जिसमें गवाहों के बयान दर्ज नहीं होने की स्थिति में एक साल के बाद जमानत याचिका दायर करने को कहा था, अब लागू नहीं होता। पांच जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। पांच जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने जिन पांच आरोपितों जमानत दी थी, उनमें गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, शादाब अहमद और मोहम्मद सलीम खान शामिल हैं। उसके बाद उच्चतम न्यायालय ने 22 मई को आरोपितों खालिद सैफी और तसलीम अहमद को छह महीने की अंतरिम जमानत दी। इस मामले के चार आरोपितों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। जिन आरोपितों को पहले जमानत मिल चुकी है उनमें सफूरा जरगर, आसिफ इकबाल तान्हा, देवांगन कलीता और नताशा नरवाल शामिल हैं। इस मामले में 18 आरोपितों के खिलाफ यूएपीए के तहत दर्ज मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है। इस मामले में जिन लोगों को आरोपित बनाया गया है उनमें सफूरा जरगर, ताहिर हुसैन, उमर खालिद, खालिद सैफी, इशरत जहां, मीरान हैदर, गुलफिशा, शफा उर रहमान, आसिफ इकबाल तान्हा, शादाब अहमद, तसलीम अहमद, सलीम मलिक, मोहम्मद सलीम खान, अतहर खान, शरजील इमाम, फैजान खान, नताशा नरवाल और देवांगन कलीता शामिल हैं।

प्रधानमंत्री आज संघ लोक सेवा आयोग के शताब्दी समारोह में होंगे शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को यहां भारत मंडपम में संघ लोक सेवा आयोग के शताब्दी समारोह में शामिल होंगे। वह सुबह 11 बजे समारोह को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री संघ लोक सेवा आयोग की शताब्दी के उपलक्ष्य में स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री 'भारत में संघ लोक सेवा आयोग और राज्य लोक सेवा आयोगों की नीतियों को आकार देने वाले 100 महत्वपूर्ण निर्णय' पुस्तक का भी विमोचन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, यह कार्यक्रम वर्षभर चले शताब्दी समारोहों का समापन होगा। संघ लोक सेवा आयोग की स्थापना वर्ष 1926 में हुई थी। स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्षभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों की शुरुआत पिछले वर्ष 01 अक्टूबर को हुई थी। समारोह में देशभर से राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्ष और सदस्य, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद, संघ लोक सेवा आयोग के अधिकारी और अन्य संबंधित लोग शामिल होंगे। संघ लोक सेवा आयोग की ओर से 30 सितंबर और 01 अक्टूबर को दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर बस और ट्रक की टक्कर, 5 लोगों की मौत

सुरत से राजस्थान जा रही थी साई दर्शन ट्रैवल्स की बस, हादसे में 5 लोग घायल

एजेंसी, सूरत/आणंद

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर आणंद और नडियाद के बीच बुधवार तड़के साई दर्शन ट्रैवल्स की बस और ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में बस में सवार पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल बताए गए हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, साई दर्शन ट्रैवल्स की निजी लग्जरी बस सूरत से राजस्थान जा रही थी। बुधवार तड़के करीब 3:30 से 4 बजे के बीच बस आणंद से नडियाद की ओर जा रही थी, तभी उसकी ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के समय अधिकांश यात्री सो रहे थे। अचानक हुए धमाके से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग बस के भीतर फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस तथा 108 एंबुलेंस को सूचना दी गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। मृतकों के शवों को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सूरत निवासी घायल धनेश जादव ने बताया कि वह सूरत से बस में सवार हुए थे। उन्होंने कहा कि सुबह अचानक जोरदार धमाका हुआ। उस समय बस में लगभग सभी यात्री सो रहे थे। हादसे के बाद बस के अंदर और आसपास चीख-पुकार मच गई।

मृतक के रिश्तेदार निमेषभाई ने बताया कि उन्होंने अपने रिश्तेदार को रात करीब नौ बजे सूरत से बस में बैठाया था। रात करीब सवा तीन बजे उन्हें हादसे की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में उनके बहनोई की मौत हो गई। परिवार ने सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की है।

बारिश और बाढ़ से नेपाल-चीन जमीनी व्यापार पूरी तरह ठप, त्योहारों से पहले सप्लाई चेन प्रभावित

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल में लगातार तीन दिनों की बारिश और प्राकृतिक आपदाओं के कारण नेपाल और चीन के बीच व्यापार के तीनों प्रमुख उत्तरी सीमा नाकों पर आवागमन बाधित होने से नेपाल का चीन के साथ जमीनी व्यापार पूरी तरह ठप हो गया है। त्योहार में अब करीब दो सप्ताह ही बाकी हैं, ऐसे में सीमा नाकों के बंद होने से बाजार में सामान की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

नेपाल-चीन के बीच तातोपानी-खासा, रसुवागढ़ी और कोराला सीमा नाके बंद हैं। सीमा नाकों तक पहुंचने वाली सड़कों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचने के कारण इन मार्गों से बड़े पैमाने पर माल ढुलाई संभव नहीं हो पा रही है। सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों में ही नेपाल ने चीन से 76.40 अरब नेपाली रुपये से अधिक का सामान आयात किया था। ऐसे में तीनों प्रमुख व्यापारिक मार्गों के बाधित होने से बड़े पैमाने पर व्यापार प्रभावित हुआ है। पहले तातोपानी और रसुवागढ़ी बंद हुए ने पहले ही तातोपानी-खासा नाका बंद कर दिया था। इसके बाद 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ से रसुवागढ़ी नाका भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दो प्रमुख नाकों के बंद होने के बाद मुस्तांग का कोराला नाका नेपाल-चीन व्यापार के वैकल्पिक मार्ग के रूप में सामने आया था। लेकिन अब कालीगंडकी नदी में आई बाढ़ ने कोराला तक पहुंचने वाला सड़क मार्ग भी काट दिया है। बाढ़ के पानी ने कालीगंडकी कॉरिडोर और मध्यपहाड़ी राजमार्ग पर कई महत्वपूर्ण पुलों के पहुंच मार्ग बहा दिए हैं। कोराला सीमा नाका और सीमा शुल्क कार्यालय सुरक्षित हैं, लेकिन बेनी-जॉमसोम सड़क पर पुलों को हुए नुकसान के कारण मालवाहक वाहनों की आवाजाही रुक गई है। तातोपानी और रसुवागढ़ी बंद होने के बाद कोराला नाके पर व्यापार का दबाव काफी बढ़ गया था। 10 से 25 सितंबर के बीच सिर्फ 15 दिनों में 434 कंटेनर और 641 इलेक्ट्रिक वाहन कोराला के रास्ते नेपाल में दाखिल हुए। भाद्र के अंतिम सप्ताह तक मुस्तांग सीमा शुल्क कार्यालय ने चालू वित्त वर्ष में 2.31 अरब नेपाली रुपये से अधिक राजस्व एकत्र कर लिया था।

क्रिकेटर रिंकू सिंह ने किए महाकाल के दर्शन

एजेंसी, उज्जैन । मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार तड़के हुई भस्म आरती में भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह शामिल हुए। पहली बार भस्म आरती में पहुंचे रिंकू सिंह करीब दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर बाबा महाकाल के दर्शन करते रहे। इस दौरान वे हाथ जोड़कर भगवान का ध्यान और महाकाल का जाप करते नजर आए। आरती के बाद उन्होंने मंदिर की देहरी से बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया और पुजारियों के माध्यम से जल अर्पित किया। रिंकू सिंह सुबह करीब 4 बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। भस्म आरती की पूरी प्रक्रिया के दौरान वे नंदी हॉल में बैठे रहे। भस्म आरती में भगवान महाकाल के दर्शन कर वे काफी देर तक भक्ति में लीन नजर आए। मंदिर समिति की ओर से उनका सम्मान भी किया गया। दर्शन के बाद रिंकू सिंह ने मीडिया से कहा कि "यहां आकर बहुत अच्छा लगा। बहुत अच्छे से दर्शन हुए। पहली बार भस्म आरती में शामिल हुआ। महाकाल जी के दर्शन कर धन्य हो गया।" बुधवार को अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर बाबा महाकाल का गणेश स्वरूप में विशेष श्रृंगार किया गया।

झारखंड में सिपाही भर्ती की तैयारी तेज, जिलों से मांगा रिक्तियों का ब्योरा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : झारखंड में सिपाही नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की तैयारी तेज हो गई है। पुलिस मुख्यालय ने जिला पुलिस और विभिन्न पुलिस इकाइयों में सिपाही संवर्ग के रिक्त पदों का विस्तृत और प्रमाणिक ब्योरा मांगा है। यह कार्रवाई गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देश के बाद शुरू की गई है।

निर्देश के अनुसार, पहले चरण में संबंधित जिले या पुलिस इकाई के कुल रिक्त पदों के 50 प्रतिशत पर नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। इसके लिए सभी जिलों और इकाइयों को रोस्टर क्लियरेंस के आधार पर आरक्षण कोटिवार रिक्तियों का निर्धारण कर रिपोर्ट भेजने को कहा गया है। रिक्तियों की गणना में नियमित पदों के साथ बैकलॉग पदों को भी शामिल करना होगा।

पुलिस मुख्यालय के अनुसार, पूर्व में सिपाही नियुक्ति के लिए मांगे गए रिक्ति विवरण में कुछ जिलों और पुलिस इकाइयों की ओर से त्रुटिपूर्ण जानकारी भेजी गई थी। इसे देखते हुए अब दोबारा सही और प्रमाणिक आंकड़े उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है, ताकि नियुक्ति प्रक्रिया में आरक्षण और रोस्टर से जुड़ी कोई विसंगति न रहे।

रोस्टर क्लियरेंस के बाद नियमित और बैकलॉग रिक्तियों का अलग-अलग ब्योरा तैयार करना होगा। आरक्षण रोस्टर के अनुसार कोटिवार पदों का निर्धारण कर संबंधित जिला उपायुक्त से रोस्टर का सत्यापन कराना होगा। इसके बाद पूरी रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को भेजी जाएगी। नियुक्ति प्रक्रिया में झारखंड राज्य के सिपाही संयुक्त भर्ती परीक्षा नियमावली, 2025 और सरकार तथा कार्मिक विभाग के आरक्षण व रोस्टर संबंधी निर्देशों का पालन करना होगा।

पुलिस मुख्यालय ने सभी जिला पुलिस अधीक्षकों और इकाई प्रमुखों को 15 दिनों के भीतर रिक्तियों का पूरा विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट मिलने के बाद जिलावार स्वीकृत पदों, वर्तमान रिक्तियों, बैकलॉग और आरक्षण कोटिवार पदों की समीक्षा के आधार पर नियुक्ति की आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी।

चंद्रपुरा में दिनदहाड़े चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चंद्रपुरा स्थित डीवीसी कॉलोनी में 29 सितंबर को दिनदहाड़े हुई चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिरसाबस्ती निवासी रोहित कुमार (26), पिता अर्जुन यादव और विजय कुमार (22), पिता संजू बाउरी के रूप में हुई है। दोनों को कमला माता मंदिर पहाड़ी से गिरफ्तार किया गया। उनके पास से चोरी के कुछ सामान और नकद राशि बरामद की गई है।

मामले में चंद्रपुरा थाना कांड संख्या 112/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(3)/305 के तहत जांच शुरू की गई थी। घटना के शीघ्र उद्भेदन के लिए गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ा। पुलिस के अनुसार रोहित कुमार के दाहिने पॉकेट से 3,000 रुपये और विजय कुमार के पैंट के दाहिने पॉकेट से 2,500 रुपये बरामद हुए। इसके अलावा दो जोड़ी चांदी जैसी पायल और तीन चांदी जैसे सिक्के भी जब्त किए गए।

पुलिस के अनुसार रोहित कुमार के खिलाफ चंद्रपुरा थाना में 2024 में चोरी और सेंधमारी से संबंधित दो मामले दर्ज हैं। वहीं विजय कुमार के खिलाफ भी चंद्रपुरा थाना में 2024 में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज है। पुलिस इस कांड में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

छापामारी दल में चंद्रपुरा थाना प्रभारी श्रीनिवास कुमार सिंह, दुग्धा थाना प्रभारी अमन कुमार, चंद्रपुरा थाना के पुलिस अवर निरीक्षक कुन्दन कुमार पासवान, प्रवीण महतो और चंद्रपुरा थाना रिजर्व गार्ड शामिल रहे।

एक प्रशिक्षण, कई जिंदगियां: पुलिस जवानों को सिखाए जीवन बचाने के गुर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : पुलिस केंद्र, बोकारो में 30 सितंबर को सिविल डिफेंस और फर्स्ट एड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। उपायुक्त ने इसे जीवनरक्षक प्रशिक्षण बताते हुए कहा कि ऐसी जानकारी पुलिसकर्मियों के साथ आम नागरिकों के लिए भी जरूरी है।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि सड़क दुर्घटना या किसी आपदा की स्थिति में अस्पताल पहुंचने से पहले घायल की जान बचाने में प्राथमिक उपचार की अहम भूमिका होती है। पुलिसकर्मी अक्सर घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचते हैं, इसलिए उन्हें आपात स्थिति में त्वरित और सही तरीके से मदद करने में सक्षम होना चाहिए। अब तक करीब 300 पुलिस पदाधिकारी और कर्मी प्रशिक्षण ले चुके हैं। जिले में पदस्थापित और प्रतिनियुक्त सभी पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण तक यह कार्यक्रम जारी रहेगा।

पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने कहा कि सड़क दुर्घटना और प्राकृतिक आपदा जैसी परिस्थितियों में शुरुआती मदद कई बार जीवन बचाने में निर्णायक होती है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों से प्रशिक्षण में सीखी तकनीकों का जरूरत पड़ने पर प्रभावी इस्तेमाल करने को कहा। प्रशिक्षण के दौरान गोल्डन रूल ऑफ फर्स्ट एड के तहत घटनास्थल की सुरक्षा, घायल की स्थिति जांचने, मदद बुलाने, सीपीआर देने, रक्तस्राव रोकने और घायल को सुरक्षित तरीके से अस्पताल पहुंचाने की जानकारी दी गई। डीआरएससीएबी प्रक्रिया के साथ स्ट्रेचर की वैकल्पिक व्यवस्था बनाने का व्यावहारिक

प्रशिक्षण भी दिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने सभी थानों की पेट्रोलिंग गाड़ियों में फर्स्ट एड किट रखने के साथ अस्थायी स्ट्रेचर बनाने के लिए एक दरी और पांच मीटर रस्सा रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के दौरान किसी नागरिक की जान बचाने वाले पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा और उनकी सेवा पुस्तिका में भी इसका उल्लेख किया जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान राज्य प्रशिक्षक सिविल डिफेंस डॉ. एस.पी. वर्मा, प्रशिक्षक डॉ. निशांत कुमार, डॉ. पूजा और डॉ. आकाश ने जवानों को प्राथमिक उपचार की तकनीकें समझाईं। कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय पवन कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह समेत पुलिस पदाधिकारी, जवान और सिविल डिफेंस के प्रशिक्षक मौजूद थे।

बोकारो पुलिस ने अपहरण मामले में फरार आरोपी विजय यादव को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : गोमिया थाना (कथारा ओपी) क्षेत्र में जान से मारने की नीयत से अपहरण के मामले में फरार चल रहे आरोपी विजय कुमार यादव उर्फ विजय यादव को पुलिस ने 30 सितंबर 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तारी गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

मामले में अनल कुमार, पिता महेश रजवार, निवासी महली बांध, थाना गोमिया (कथारा ओपी), ने 11 मई 2026 को लिखित शिकायत दी थी। इसके आधार पर गोमिया थाना (कथारा ओपी) कांड संख्या 63/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत जांच शुरू की गई थी। अनुसंधान के दौरान कमेश्वर यादव, पिता स्व. बिमल महतो और कन्हैया यादव, पिता कामेश्वर यादव, दोनों निवासी खेतको बखरी टोला, थाना पेटरवार, को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।

गिरफ्तार विजय कुमार यादव उर्फ विजय यादव, पिता कामेश्वर यादव, निवासी खेतको बखरी टोला, थाना पेटरवार, का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ पेटरवार थाना में वर्ष 2020 और 2013 में मारपीट, चोरी, अवैध रूप से रोकने तथा जानलेवा हमला समेत विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज हैं। इसके अलावा गोमिया थाना (कथारा ओपी) का कांड संख्या 63/2026 भी उसके खिलाफ दर्ज है।

कार्रवाई में करा ओपी प्रभारी राहुल कुमार राम, पुलिस अवर निरीक्षक रवि चौरसिया और कथारा ओपी रिजर्व गार्ड, जिला बोकारो के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

बागबेड़ा में गांजा और देसी कट्टा बरामद, एक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा || बृजराज सिंह

जमशेदपुर : बागबेड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गांजा की खरीद-बिक्री और हथियार रखने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 1.428 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ, एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन, गांजा पैक करने वाले प्लास्टिक पाउच और 10,435 रुपये नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 30 सितंबर 2026 की रात करीब 12:30 बजे वरीय पुलिस अधीक्षक, पूर्वी सिंहभूम को सूचना मिली थी कि बागबेड़ा थाना क्षेत्र स्थित लक्ष्मी मेडिकल के पास रनिंग रूम इलाके में एक व्यक्ति पुड़िया में गांजा की खरीद-बिक्री कर रहा है और अपने पास हथियार भी रखे हुए है। सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक विधि व्यवस्था सुमित कुमार के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।

टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर गुप्तेश्वर गिरी उर्फ लेदा (लगभग 28 वर्ष), निवासी संजयनगर रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी, बागबेड़ा को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से हथियार और मादक पदार्थ समेत अन्य सामान बरामद किए गए।

पुलिस ने इस मामले में बागबेड़ा थाना कांड संख्या 88/26, दिनांक 30 सितंबर 2026, के तहत आर्म्स एक्ट एवं एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, गांजा और देशी कट्टा की आपूर्ति करने वाले अन्य लोगों की तलाश में छापेमारी जारी है।

आरोपी का आपराधिक इतिहास

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ परसुडीह, बागबेड़ा, टेल्को और बर्मामाइंस थानों में पहले से कई मामले दर्ज हैं। इनमें आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास, मारपीट, धमकी और अन्य धाराओं से जुड़े मामले शामिल हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2018 से 2026 तक उसके खिलाफ कुल आठ मामलों का उल्लेख किया गया है।

छापामारी टीम

कार्रवाई में पुलिस उपाधीक्षक विधि व्यवस्था सुमित कुमार, बागबेड़ा थाना प्रभारी उमेश ठाकुर, पुलिस अवर निरीक्षक अरुण कुमार, जेवियर होरो, सहायक अवर निरीक्षक संतोष कुमार सहित टेंगो मोबाइल और बागबेड़ा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

कांग्रेस नेता के बेटे का अपहरण, ओरमांझी से घायल बरामद

रांची : कोतवाली थाना क्षेत्र से कांग्रेस नेता सुरेंद्र सिंह के बेटे किशन सिंह के अपहरण का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए किशन सिंह को ओरमांझी से घायल अवस्था में बरामद कर लिया।

बताया जा रहा है कि उसे हरमू रोड के गाड़ीखाना इलाके से अगवा किया गया था। जानकारी के अनुसार, अपहरण के दौरान किशन सिंह के साथ मारपीट और लूटपाट भी की गई, जिससे वह घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और उसे ओरमांझी से बरामद किया। फिलहाल ओरमांझी और कोतवाली थाना की पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस घायल किशन सिंह का बयान दर्ज कर रही है। उसके बयान और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।।

एंबुलेंस में गांजा की तस्करी! 83 पैकेट बरामद, पुलिस ने वाहन किया जब्त

सिमडेगा : कोलेबिरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक एंबुलेंस से गांजा के करीब 83 पैकेट बरामद किए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि एंबुलेंस की आड़ में गांजा की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध एंबुलेंस पर नजर रखी और उसे रोककर तलाशी ली।

तलाशी के दौरान एंबुलेंस के अंदर से गांजा के 83 पैकेट मिले। पुलिस ने गांजा जब्त करने के साथ एंबुलेंस को भी कब्जे में ले लिया है। बरामद गांजा का कुल वजन और अनुमानित कीमत का आकलन किया जा रहा है।

पुलिस मामले की जांच करते हुए यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। साथ ही तस्करी में शामिल लोगों और एंबुलेंस के इस्तेमाल से जुड़े पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

साइबर अपराधियों को सिम उपलब्ध कराने के आरोप में दो POS एजेंट गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : साइबर अपराधियों को सिम उपलब्ध कराने के मामले में चास पुलिस ने दो पीओएस एजेंटों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों एजेंटों ने नियमों की अनदेखी कर बड़ी संख्या में सिम कार्ड जारी किए थे, जिनका इस्तेमाल साइबर अपराध में किए जाने की बात सामने आई है। मामले में चास थाना कांड संख्या 39/2026 दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आया कि पीओएस एजेंट प्रदीप दास ने जुलाई से अगस्त के बीच 140 से अधिक सिम कार्ड जारी किए। वहीं दूसरे पीओएस एजेंट मुकेश गोप द्वारा 42 सिम कार्ड साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराए जाने की जानकारी मिली। पुलिस का कहना है कि सिम जारी करने के दौरान पहचान संबंधी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया और कुछ सिम फर्जी तरीके से सक्रिय किए गए।

मामले की जांच के लिए वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने तकनीकी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर दोनों आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रदीप दास (27), निवासी डाबरियाडीह डाब टोला, चन्दनकियारी तथा मुकेश गोप (20), निवासी गढ़िया, चन्दनकियारी के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। इनमें सैमसंग गैलेक्सी ए17 5जी और रियलमी 12एक्स 5जी मोबाइल शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, जब्त मोबाइल और सिम की तकनीकी जांच की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले सिम कार्ड उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। मामले में सिम के इस्तेमाल, संबंधित बैंक खातों और आरोपियों के संपर्क में रहे अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि साइबर अपराधियों को सिम उपलब्ध कराने वाले अन्य लोगों की पहचान होने पर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

'हिजाब, बुर्का या मास्क पहनकर बाहर निकलने पर संदिग्ध माने जाएंगे'

सरकार के नाम पर भ्रामक पोस्ट, फेसबुक पेज के खिलाफ FIR

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : झारखंड सरकार के नाम पर सोशल मीडिया पर कथित भ्रामक पोस्ट प्रसारित करने के मामले में रांची साइबर क्राइम थाना में एफआईआर दर्ज की गई है। मामला 'हिडेन बॉयोग्राफी' नामक फेसबुक पेज से जुड़ा है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की उप निदेशक उर्वशी पांडेय की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात पेज संचालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

एफआईआर के अनुसार, 28 सितंबर 2026 को फेसबुक पर एक पोस्ट प्रसारित की गई, जिसमें दावा किया गया था कि हिजाब, बुर्का या मास्क पहनकर बाहर निकलने वाले लोगों को संदिग्ध मानने का नियम झारखंड में भी लागू किया गया है। पोस्ट में बिहार का उल्लेख करते हुए लोगों से कथित फैसले के समर्थन को लेकर राय भी मांगी गई थी। शिकायतकर्ता ने इसे झारखंड सरकार के नाम पर भ्रामक सूचना बताते हुए कार्रवाई की मांग की है।

रांची साइबर क्राइम थाना में कांड संख्या 240/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1), 197, 299, 353(2) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(C) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच की जिम्मेदारी पुलिस निरीक्षक दीपक कुमार साव को सौंपी गई है। पुलिस को शिकायत के साथ संबंधित फेसबुक पोस्ट का लिंक भी उपलब्ध कराया गया है। पोस्ट के URL और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस पेज संचालक की पहचान और पोस्ट के स्रोत की जांच कर रही है।

चतरा में नकली अंग्रेजी शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़, 50 लाख की शराब जब्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चतरा : दशहरा से पहले उत्पाद विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने वशिष्ठनगर थाना क्षेत्र के औरवा-होसिल जंगल में संचालित नकली अंग्रेजी शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान करीब 50 लाख रुपये मूल्य की नकली शराब और इसके निर्माण में इस्तेमाल होने वाली बड़ी मात्रा में सामग्री बरामद की गई। टीम ने अवैध फैक्ट्री को ध्वस्त कर दिया।

उत्पाद अधीक्षक प्रेम प्रकाश उरांव ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दिलीप यादव उर्फ करण यादव के घर में नकली अंग्रेजी शराब तैयार किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद संयुक्त टीम बनाकर छापेमारी की गई। जांच में सामने आया कि स्पिरिट में कैरेमल और एसेंस मिलाकर शराब तैयार की जाती थी। इसके बाद इसे रॉयल स्टेज, रॉयल चैलेंज और आइकॉनिक वाइट जैसे ब्रांडों की बोतलों में भरकर नकली लेबल और होलोग्राम लगाए जाते थे। तैयार शराब को दशहरा सहित आगामी त्योहारों के दौरान बिहार और अन्य राज्यों में खपाने की तैयारी थी।

उत्पाद विभाग के अनुसार, मौके से 391 पेटी में 9,888 बोतलें बरामद हुईं, जिनमें करीब 3,500 लीटर नकली शराब थी। इसके अलावा 39 गैलन में करीब 1,600 लीटर स्पिरिट, करीब 2,000 लीटर तैयार रंगीन शराब और 40 लीटर कैरेमल मिला। बड़ी संख्या में ब्रांडेड लेबल, होलोग्राम, ढक्कन, एडहैसिव और खाली बोतलें भी बरामद की गईं। बोतलों की पंचिंग के लिए इस्तेमाल होने वाली तीन मशीनें भी जब्त की गई हैं।

अधिकारी ने बताया कि छापेमारी टीम के पहुंचते ही आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले में दिलीप यादव, अरुण कुमार तिवारी और मिथिलेश कुमार यादव समेत अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उत्पाद विभाग ने बताया कि त्योहारों को देखते हुए जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। कार्रवाई में उत्पाद अवर निरीक्षक अभिषेक आनंद, अनूप प्रकाश और पुलिस के जवान शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

जिला स्तरीय वॉलीबॉल में कार्मेल बोकारो थर्मल की टीम बनी उपविजेता

बोकारो थर्मल : स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया झारखंड के तत्वावधान में बुधवार को बोकारो में आयोजित जिलास्तरीय अंडर-17 वॉलीबॉल प्रतियोगिता में कार्मेल हाई स्कूल, बोकारो थर्मल का जलवा छाया रहा। विद्यालय की बालक और बालिका दोनों ही टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता के दौरान कार्मेल हाई स्कूल के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन और बेहतरीन तालमेल का परिचय दिया। कड़े और रोमांचक मुकाबलों में प्रतिद्वंद्वी टीमों को मात देकर दोनों टीमों ने फाइनल तक का सफर तय किया और उपविजेता का खिताब अपने नाम किया। खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए विद्यालय की खेल प्रशिक्षु मोनिका कर्मकार एवं शिक्षक विश्वनाथ के कुशल मार्गदर्शन में तैयार किया गया था। टीमों की इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर प्रेमलता लॉरेंस ने खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षक और शिक्षकों को बधाई देते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को निखारने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए निरंतर अवसर और हरसंभव मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा।

पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज, 32 टीमें दिखाएंगी अपनी प्रतिभा

तुपकाडीह (बोकारो): तुपकाडीह क्षेत्र की पांच पंचायतों के ग्रामीण फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए खेल का महाकुंभ बुधवार से शुरू हो गया। तांतरी दक्षिणी पंचायत अंतर्गत अंबेडकर नगर स्थित तुपकाडीह 10+2 श्रमिक हाई स्कूल के खेल मैदान में पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आगाज हुआ। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र की लगभग 32 टीमें भाग ले रही हैं। उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि तांतरी दक्षिणी पंचायत की मुखिया शांति देवी, तांतरी उत्तरी पंचायत के मुखिया गिरेंद्र मिश्रा, अंबेडकर क्लब के अध्यक्ष अनिल दिगार, पंचायत समिति सदस्य ललित नारायण और राजाराम सोरेन उपस्थित रहे। मैच का विधिवत शुभारंभ क्लब अध्यक्ष अनिल दिगार द्वारा किक मारकर किया गया। इससे पूर्व रेफरी ने सभी अतिथियों का खिलाड़ियों से परिचय कराया। समारोह को संबोधित करते हुए मुखिया शांति देवी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी प्रतिभागी खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन प्रस्तुत करें। वहीं तांतरी उत्तरी मुखिया गिरेंद्र मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में इस प्रकार के बड़े आयोजन उभरते खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होते हैं, जहां उन्हें अपनी छुपी हुई प्रतिभा और हुनर दिखाने का बेहतरीन अवसर मिलता है। इस अवसर पर अमित दिगार, सुमित, मोहन, बुधन, आरएस, राहुल, अमर सहित क्लब समिति के तमाम सदस्यों एवं दर्जनों खेल प्रेमी ग्रामीण उपस्थित थे।

तेज रफ्तार ट्रक ने वेल्डिंग मिस्त्री को कुचला, इलाज के दौरान मौत के बाद सड़क जाम

तुपकाडीह (बोकारो): तुपकाडीह स्थित सिनेमा हॉल के समीप बुधवार दोपहर एक अनियंत्रित कोयला लदे ट्रक ने स्थानीय वेल्डिंग मिस्त्री को कुचल दिया। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल मिस्त्री को स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों और आक्रोशित ग्रामीणों ने मुव मुआवजे व कार्रवाई की मांग को लेकर जैनामोड़-फुसरो मुख्य मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। मृतक की पहचान तुपकाडीह निवासी 40 वर्षीय हिदायतुल्लाह अंसारी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, हिदायतुल्लाह बुधवार दोपहर नमाज अदा करने के बाद अपने घर लौट रहे थे, तभी सिनेमा हॉल के पास उफनती रफ्तार से आ रहे कोयला लदे ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे को अंजाम देने के बाद भाग रहे ट्रक का दो स्थानीय युवकों ने बाइक से पीछा किया और कुछ दूरी पर उसे घेरकर पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के समय गाड़ी खलासी चला रहा था, जिसे ग्रामीणों ने पकड़ लिया जबकि मुख्य चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। सड़क जाम होने के कारण जैनामोड़-फुसरो मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बिहार व बंगाल जाने-आने वाली अंतरराज्यीय बसों के साथ-साथ कई स्कूली बसें और भारी वाहन घंटों जाम में फंसे रहे, जिससे यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही जरीडीह थाना पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और उग्र ग्रामीणों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित करने और यातायात बहाल कराने के प्रयास में जुट गई।

नशे में खिड़की के शीशे पर मारा मुक्का, हाथ की नस कटने से युवक की मौत

बोकारो : चीराचास थाना क्षेत्र अंतर्गत सुल्तान नगर में मंगलवार देर रात एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां 25 वर्षीय युवक सैराज अंसारी की हाथ की नस कट जाने से अत्यधिक खून बहने के कारण मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, युवक ने पारिवारिक या मानसिक तनाव में आकर अपने ही घर की खिड़की के शीशे पर जोर से मुक्का मार दिया था, जिससे शीशा टूटने के कारण उसके हाथ की मुख्य नस गहराई से कट गई। घटना के समय परिजन घर के बाहर थे। स्वजनों के अनुसार, शीशे पर मुक्का मारने और नस कटने के बाद सैराज ने किसी को इसकी सूचना नहीं दी और चुपचाप अपने कमरे में ही पड़ा रहा। काफी देर बाद जब परिजन घर लौटे और कमरे के किवाड़ के पास अत्यधिक खून फैला देखा, तो वे घबराकर अंदर दाखिल हुए। कमरे में सैराज अचेत और खून से लथपथ पड़ा हुआ था। आनन-फानन में परिजन उसे तत्काल एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि सैराज अंसारी लंबे समय से नशे का आदी था और उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं रहती थी। वह पूर्व में भी आत्मघाती कदम उठाने की कोशिश कर चुका था। परिजनों ने कुछ महीने पहले ही उसे इलाज के लिए रांची स्थित एक नशामुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था, जहां से वह हाल ही में लौटकर आया था। घटना की सूचना मिलने पर चीराचास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की बारीकी से पड़ताल की। शुरुआती जांच और परिस्थितियों के आधार पर पुलिस भी इसे प्रथम दृष्टया हादसा व आत्महत्या की श्रेणी का मामला मान रही है। चीराचास पुलिस ने अस्वाभाविक मृत्यु दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया और तत्पश्चात उसे अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौंप दिया। इस असमय मौत की घटना से सुल्तान नगर मोहल्ले में गहरा शोक और मातम व्याप्त है।

AICTE के DICE कार्यक्रम के तहत GGSESTC में पीएम श्री स्कूलों के 100 विद्यार्थियों ने किया इनोवेशन सेंटर का भ्रमण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस (GGSESTC), इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट कॉलेज, कांड्रा, चास, बोकारो में बुधवार को AICTE, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित DICE (Developing Innovation Culture and Entrepreneurship) कार्यक्रम के अंतर्गत Field Visit Activity-2 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बोकारो जिले के दो पीएम श्री विद्यालयों—प्लस टू राजकीय पीएम श्री हाई स्कूल, सतनपुर तथा प्लस टू राजकीय पीएम श्री हाई स्कूल, हरनाद , कसमार—के स्टूडेंट काउंसिल से 50-50 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थी अपने विद्यालय के शिक्षक एवं प्राचार्य के नेतृत्व में कॉलेज पहुंचे। सतनपुर विद्यालय की ओर से वरीय शिक्षक श्री पवन कुमार तिवारी तथा हरनाद विद्यालय की ओर से प्राचार्य श्री जयप्रकाश रजक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सतनपुर विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में श्री शशिभूषण प्रसाद, अध्यक्ष, झारखंड उद्यमी संघ ने विद्यार्थियों को नवाचार एवं उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। वहीं हरनाद विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए श्रीमती अपूर्वा कुमारी, वरीय बैंकिंग पदाधिकारी, UBI बैंक, कांड्रा शाखा ने संसाधन व्यक्ति के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने संस्थान के Innovation, Incubation and Enterprise Centre का भ्रमण किया तथा नवाचार, उद्यमिता, स्टार्टअप और नए व्यवसायिक विचारों से संबंधित गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा 25 से अधिक नवीन विचारों एवं आइडिया का प्रस्तुतीकरण किया गया। विद्यार्थियों ने अपने विचारों को प्रस्तुत करते हुए उनकी उपयोगिता, संभावनाओं और समाज में उनके प्रभाव पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं के लिए संस्थान की ओर से प्रवास, अल्पाहार एवं भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई। विद्यार्थियों एवं उनके साथ आए शिक्षकों के लिए पूरे कार्यक्रम के दौरान आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार ने कहा कि AICTE, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित DICE कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में नवाचार एवं उद्यमिता की संस्कृति को विकसित करना है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही नए विचारों को पहचानने, उन्हें विकसित करने और भविष्य में उद्यमिता से जोड़ने का अवसर मिलना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रोफेसर गौतम कुमार, कार्यक्रम समन्वयक; श्रीमती सरिता कुमारी, प्राध्यापक, गणित विभाग; प्रोफेसर शहनाज फरीन; प्रोफेसर रोहित वर्मा; प्रोफेसर सुमित कुमार पांडे तथा आईआईसी कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर पंकज राय का विशेष योगदान रहा। बीबीए की छात्रा साहिबा अकरम ने मंच का बखूबी संचालन किया। कार्यक्रम आरम्भ राष्ट्र गीत वंदे मातरम्, राष्ट्रीय गान और सरस्वती वंदना से हुआ। कार्यक्रम की सफलता पर संस्था के अध्यक्ष श्री तरसेम सिंह एवं सचिव श्री सुरेंद्र पाल सिंह ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आयोजन टीम को बधाई दी। वहीं AICTE की ओर से क्षेत्रीय समन्वयक श्री अभिनाश कुमार ने भी GGSESTC की टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्थान ने कम समय में ही DICE कार्यक्रम की Activity-1 एवं Activity-2 को सफलतापूर्वक पूरा कर एक उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में नवाचार, उद्यमिता एवं नए विचारों को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें समस्या पहचानने, समाधान सोचने और अपने विचारों को उद्यम के रूप में विकसित करने के लिए प्रेरित करना रहा।

भाषण व पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रों ने दी सत्यनिष्ठा की सीख

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा आगामी 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026' तथा वर्तमान में जारी तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के तहत शहर के विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला चलाई जा रही है। इस वर्ष की मुख्य थीम "सत्यनिष्ठा से समृद्धि" पर आधारित इस अभियान के तहत सेक्टर-9ई एवं सेक्टर-2सी स्थित डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूलों में भाषण, चित्रांकन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया।

डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-9ई में आयोजित अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 11-ए की सुभी चौधरी ने प्रथम, कक्षा 10-ए की मानसी कुमारी ने द्वितीय तथा कक्षा 11-ए के अनुराग कश्यप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि यशोदा कुमारी (कक्षा 9-बी) को सांत्वना पुरस्कार मिला। इसी विद्यालय की हिंदी भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 12-ए की परी कुमारी प्रथम, शिप्रा द्वितीय व शबनम कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं, जबकि श्रेया को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

दूसरी ओर, डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-2सी में आयोजित हिंदी भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 11-सी की पलक गुप्ता ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12-सी की जानवी कुमारी ने द्वितीय और नंदनी कुमारी ने तृतीय स्थान हासिल किया, वहीं सपना राय (कक्षा 11-बी) सांत्वना पुरस्कार के लिए चुनी गईं। इसके अलावा आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कला के माध्यम से समाज में ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों के महत्व को उभारा। अधिकारियों ने बताया कि दोनों विद्यालयों के विजेता प्रतिभागियों को 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के मुख्य समापन समारोह में औपचारिक रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। बीएसएल की इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में नैतिक आचरण और नागरिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना है।

सेवानिवृत्त इस्पातकर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई, लंबे सेवाकाल के योगदान को किया गया याद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र के मुख्य प्रेक्षागृह में बुधवार को सितंबर माह में सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के सम्मान में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस माह संयंत्र से कुल 36 कार्मिक सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिनमें 08 अधिशासी (अधिकारी) एवं 28 गैर-अधिशासी कर्मचारी शामिल हैं। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी निष्ठा, समर्पण और दीर्घकालिक सेवाओं के लिए बधाई देते हुए उनके सुखद, स्वस्थ एवं समृद्ध भविष्य की मंगलकामना की।

कार्यक्रम के दौरान सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे प्रत्येक कर्मी के सेवा-काल व उपलब्धियों का संक्षिप्त ब्योरा प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा सभी कर्मियों को स्मृति चिन्ह, उपहार एवं सेवा प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारियों सहित सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इसी क्रम में बोकारो स्टील प्लांट की मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएं) श्रीमती अनिमा कुशवाहा एवं मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (गुणवत्ता) श्री मनोहर लाल के सम्मान में भी एक विशेष विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी, विभिन्न अधिशासी निदेशक तथा विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। सभी वरीय अधिकारियों ने संयंत्र के तकनीकी व औद्योगिक विकास में श्रीमती कुशवाहा और श्री मनोहर लाल के उल्लेखनीय योगदान की भूरि-भूरि सराहना की और उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

तीन दिवसीय सरायकेला छऊ संगीत कार्यशाला एवं छऊ चौपाल का सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ समापन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : एसएनए छऊ केंद्र, चंदनकियारी में आयोजित तीन दिवसीय सरायकेला छऊ संगीत कार्यशाला एवं छऊ चौपाल कार्यक्रम बुधवार को विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतिम दिन सरायकेला के जाने-माने छऊ एक्सपोनेंट एवं संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित तपन पटनायक जी ने सरायकेला छऊ के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान-प्रदर्शन प्रस्तुत किया। उन्होंने सरायकेला छऊ की परंपरा, संगीत, वादन तथा नृत्य शैली से जुड़े अपने अनुभवों को प्रतिभागियों एवं उपस्थित दर्शकों के साथ साझा किया। उनके व्याख्यान-प्रदर्शन से उपस्थित कलाकारों एवं विद्यार्थियों को सरायकेला छऊ की बारीकियों को समझने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ। वहीं त्रिनेत्र आर्ट सेंटर द्वारा संचालित सरायकेला संगीत विषयक त्रिदिवसीय कार्यशाला का भी आज अंतिम दिवस रहा। कार्यशाला में सरकारी विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा सरायकेला संगीत के प्रति अपनी गहरी रुचि एवं जिज्ञासा प्रदर्शित की। छात्राओं ने पूरे मनोयोग से संगीत संबंधी प्रशिक्षण एवं जानकारी प्राप्त की।

संध्या में आयोजित छऊ चौपाल के दूसरे एवं अंतिम दिवस का शुभारंभ सरायकेला के प्रसिद्ध छऊ गुरु मनोरंजन साहू जी एवं उनके दल द्वारा आकर्षक छऊ नृत्य प्रस्तुति के साथ हुआ। इसके पश्चात मयूरभंज, ओडिशा के छऊ गुरु सृष्टिधर मोहंता जी एवं उनके दल तथा पुरुलिया, पश्चिम बंगाल के कृष्णा कुमार महतो जी एवं उनके दल द्वारा मनमोहक छऊ नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं। तीनों छऊ शैलियों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और कार्यक्रम स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समस्त गतिविधियां केंद्र के समन्वयक डॉ संजय कुमार चौधरी जी के निर्देशन में सम्पन्न हुईं। उन्होंने कार्यशाला एवं छऊ चौपाल के माध्यम से छऊ की विभिन्न शैलियों के संरक्षण, संवर्धन तथा कलाकारों और नई पीढ़ी के बीच संवाद को बढ़ावा देने की दिशा में इस प्रकार के आयोजनों के महत्व पर बल दिया। बोकारो जिला की खेल पदाधिकारी हेमलता बून ने भी कल शाम इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कीं। उन्होंने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से लोक संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में एसएनए छऊ केंद्र, चंदनकियारी के कर्मियों दिलीप कुमार जेना, विजय कुमार एवं आशुतोष कुमार सहित अन्य सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। तीन दिवसीय यह आयोजन सरायकेला छऊ संगीत, छऊ नृत्य की विभिन्न शैलियों तथा कलाकारों के बीच संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सफल रहा।

नगर विकास समिति ने चास अपर नगर आयुक्त को मांग पत्र सौंपा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: नगर विकास समिति का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष अभय कुमार मुन्ना के नेतृत्व में बुधवार को चास नगर निगम के अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार से मिला और 11 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। समिति ने श्रृंगारी जोड़ियां व गरगा नदी सहित तालाबों-नालों को अतिक्रमणमुक्त कराने, एनजीटी नियमों के तहत सीवरेज के गंदे पानी के बहाव पर रोक लगाने और होल्डिंग टैक्स वसूली में निजी एजेंसियों की मनमर्जी खत्म कर स्थायी कर्मियों को जिम्मेदारी देने की मांग उठाई। इसके अलावा, बिछाई गई पाइपलाइनों को चालू करने, जर्जर सड़कों की मरम्मत, सब्जी मंडियों को व्यवस्थित करने, खुले में मांस-मदिरा बिक्री पर रोक, कचरा निस्तारण प्लांट, ट्रांसपोर्ट नगर का निर्माण, जोधाडीह मोड़ पर फ्लाईओवर और जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए सिंगल विंडो सिस्टम जैसी मांगें रखी गईं।

अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार ने जल्द बैठक कर बिंदुवार समाधान का आश्वासन दिया। वहीं अध्यक्ष अभय कुमार मुन्ना ने महापौर कार्यालय द्वारा ज्ञापन पत्र न लेने पर रोष जताते हुए समाधान न होने पर अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी दी। मौके पर संरक्षक बालकृष्ण मुरारी, डॉ. एस. कुमार, महासचिव अतीश कुमार सिंह, शिवकुमार श्रीवास्तव, लालमुनि देवी, जितेंद्र कुमार सिंह, रानी माली, रिंकू कुमारी और नरोत्तम झा उपस्थित थे।

डीवीसी के स्वच्छता अभियान के तहत बच्चों ने नुक्कड़ नाटक से दिया जागरूकता का संदेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित स्थानीय थाना चौक पर डीवीसी प्रबंधन द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को जमा दो विद्यालय के स्कूली बच्चों द्वारा एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस दौरान स्कूली विद्यार्थियों ने अभिनय के माध्यम से स्वच्छता अपनाने, पानी की बर्बादी रोकने और पेयजल व जल स्रोतों की साफ-सफाई बनाए रखने का महत्वपूर्ण संदेश दिया। इस अवसर पर डीवीसी एचआर के प्रबंधक सुनील कुमार, उमैर सिद्दीकी, शशिभूषण प्रसाद, स्कूल के प्राचार्य धनंजय कुमार, शिक्षक रमेश कुमार, विनोद भाटिया और शिवचरण सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। विद्यार्थियों की इस प्रस्तुति और डीवीसी द्वारा आयोजित इस नुक्कड़ नाटक की स्थानीय कॉलोनीवासियों एवं ग्रामीणों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

सेक्टर-12 के असुरक्षित घोषित 1,242 आवास खाली कर वैकल्पिक क्वार्टरों में शिफ्ट होने की अपील

एनआईटी पटना के सर्वे में खतरनाक पाए गए थे 149 ब्लॉक, प्राथमिकता के आधार पर हो रही मरम्मत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) प्रबंधन ने टाउनशिप के सेक्टर-12 स्थित जर्जर व जर्जरप्राय हो चुके आवासों में रह रहे वैध आवासधारियों से सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए तत्काल नए आवंटित वैकल्पिक क्वार्टरों में शिफ्ट होने की पुरजोर अपील की है। एनआईटी पटना के संरचनात्मक विशेषज्ञों द्वारा कराए गए स्ट्रक्चरल सेफ्टी सर्वे में सेक्टर-12 के 149 ब्लॉकों के कुल 1,242 आवासों को 'असुरक्षित' घोषित किया गया था। विशेषज्ञों की रिपोर्ट के अनुसार ये आवास ऐसी स्थिति में पहुंच चुके हैं, जहां महज सामान्य रूटीन मरम्मत से खतरे को टाला नहीं जा सकता, इसलिए इन्हें खाली कराया जाना अनिवार्य है। संयंत्र प्रबंधन ने बताया कि चिन्हित 1,242 जर्जर आवासों में रहने वाले सभी श्रेणी के वैध आवंटियों को चरणबद्ध तरीके से वैकल्पिक आवास आवंटित किए जा चुके हैं। पूर्व में सार्वजनिक सूचनाओं और व्यक्तिगत नोटिस के माध्यम से भी कर्मियों व निवासियों को सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए शिफ्ट होने का आग्रह किया गया था, लेकिन अभी तक इसके अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। इसे देखते हुए प्रबंधन ने एक बार फिर सभी प्रभावित वैध आवासधारियों से अपील की है कि वे संवाद के जरिए अपने संशयों का निराकरण करें और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द नए आवासों में प्रवेश करें।

मरम्मत कराकर हैंडओवर किए जा रहे हैं नए वैकल्पिक आवास- प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि जिन भी वैध कर्मियों को नए वैकल्पिक आवास आवंटित किए जा रहे हैं, बीएसएल का नगर सेवा विभाग प्राथमिकता के आधार पर उनकी समुचित मरम्मत और जीर्णोद्धार करा रहा है। आवश्यक रिपेयरिंग का काम पूरा होने के बाद ही आवास कर्मियों को हैंडओवर किए जा रहे हैं। वर्तमान में कई नव-आवंटित क्वार्टरों का मरम्मत कार्य पूरी तरह संपन्न हो चुका है और वे पूरी तरह रहने योग्य एवं रेडी-टू-पॉसेशन की स्थिति में हैं। बीएसएल नगर सेवा विभाग ने प्रभावित कर्मचारियों और निवासियों से भावुक अपील करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचने के लिए सुरक्षा से समझौता न करें। प्रबंधन उचित फोरम पर संवाद के माध्यम से सभी व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर है, इसलिए सभी प्रभावित वैध आवासधारी इस सुरक्षा अभियान में बीएसएल का सहयोग करें और यथाशीघ्र अपने नए सुरक्षित ठिकानों में स्थानांतरित हो जाएं।

संक्षिप्त समाचार

ज्ञान भारती विद्यालय नगरी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

डुमरीः जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह के निर्देश पर माननीय झालसा राँची के आदेशानुसार बुधवार को ज्ञान भारती विधालय नगरी मे, जागरूकता-सह-साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में पीएलवी केदार प्रसाद महतो ने छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति, शिक्षा का अधिकार, बाल श्रम निषेध एवं निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोई भी असमर्थ व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकार से संपर्क कर निःशुल्क कानूनी सलाह प्राप्त कर सकता है। मौके पर प्रधानाध्यापक अजय कुमार रजक, शिक्षा देवनन्दन प्रसाद, सुनील साव, कोकिल साव, आस्था प्रिया,छात्र गौरव कुमार, अंश कुमार रजक , डेगलाल कुमार, प्रतीक कुमार, पीयूष कुमार, रौनक कुमार, समर टुडू, अंकुश कुमार, कृष्णा कुमार, अमन कुमार, प्रिंस कुमार, गुंजन कुमारी, रोशनी कुमारी, खुशी कुमारी, जयंती कुमारी, गीता कुमारी, दिव्या कुमारी, पायल कुमारी, आदर्श कुमार पांडेय, आकांक्षा सोरेन,कृतिका कुमारी,अंशिका कुमारी,पुजा कुमारी सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

बदहाल सड़क बनी काल, नवजात की मौत से ग्रामीणों में आक्रोश

डुमरीः प्रखंड अंतर्गत नगरी-बलथरिया पंचायत सीमा में नगरी से बराडीह जाने वाली आरईओ मुख्य सड़क से सीएम स्कूल बलथरिया तक जाने वाला मार्ग वर्षों से अत्यंत जर्जर और बदहाल स्थिति में है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण पूरे मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया था। स्थिति इतनी दयनीय है कि खराब रास्ते के कारण एंबुलेंस व अन्य आपातकालीन वाहन समय पर गांव नहीं पहुंच पाते हैं।ग्रामीणों के अनुसार इसी बदहाल मार्ग के कारण समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाने से हाल ही में एक नवजात शिशु को अपनी जान गंवानी पड़ी, जिससे पूरे क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है।ग्रामीणों का आरोप है कि इस महत्वपूर्ण मार्ग की दुर्दशा पर न तो स्थानीय विधायक-सांसद का ध्यान है और न ही प्रशासनिक अधिकारी कोई ठोस सुध ले रहे हैं। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की निरंतर उपेक्षा से विवश होकर ग्रामीणों ने स्वयं समाधान निकालने का दृढ़ संकल्प लिया। गांव के प्रबुद्ध नागरिकों एवं युवाओं ने आपसी समन्वय स्थापित कर श्रमदान एवं मूलदान (आर्थिक सहयोग) एकत्रित किया और कुदाल-टगारी लेकर सड़क की मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया। मरम्मत कार्य में परमेश्वर नायक, केदार प्रसाद महतो (पीएलवी), सुरेश कुमार, सुनील साव, जितेन्द्र साव, घनश्याम साव, उमेश महतो, दीपक महतो, विशाल कुमार, मोहन साव सहित दर्जनों बलथरिया वासी शामिल रहे।

पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर जेयूजे करेगा आंदोलन

चांडिल : पुराना आईबी परिसर में बुधवार को झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (जेयूजे) का जिला स्तरीय सम्मेलन प्रदेश अध्यक्ष रजत कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में हुआ। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए सम्मेलन में पत्रकारों की सुरक्षा, कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों, पत्रकार कल्याण और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा हुई। पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। रजत कुमार गुप्ता ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर संगठन लगातार आवाज उठाता रहेगा। उन्होंने पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने के लिए बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार किए जाने और दिसंबर में राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन करने की बात कही। प्रदेश महासचिव सतीश शाहदेव ने पत्रकारों को झूठे मुकदमों में फंसाए जाने की शिकायतों का उल्लेख करते हुए संगठन की एकजुटता पर जोर दिया। प्रदेश संगठन मंत्री शिव कुमार अग्रवाल ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का आह्वान किया। सम्मेलन में प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज मिश्रा, कयूम खान, प्रदेश सचिव रमेश सिंह, जावेद अख्तर, विनय राज, कार्यकारिणी सदस्य कौसर अली, सुधीर गोराई, दिलीप कुमार, मुबीन अख्तर, श्रीकांत महतो, संजय शर्मा, संजय गोराई, दिकपाल कुमार, बेनुधर महतो, कमलेश महतो, फूलचंद पारित, सागर गोप, दीनबंधु पांडा, कामदेव कुमार और दिनेश मुदी समेत अन्य उपस्थित थे।

बड़की डुंडी में बृहद झूमर कार्यक्रम-2026 का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। बड़की डुंडी मैदान में बुधवार को बृहद झूमर कार्यक्रम-2026 का आयोजन किया गया।

इसमें बतौर मुख्य अतिथि मांडू विधायक तिवारी महतो, विशिष्ट अतिथि कुजू रेंजर बटेश्वर पासवान,

सीसीएल करमा परियोजना पदाधिकारी रामेश्वर मुंडा, जिप सदस्य तापेश्वर महतो, मुखिया रामसेवक कुमार महतो व पंसस रीना कुमारी, सम्मानित अतिथ शोभा महतो, भोलेश्वर महतो, बीरू महतो, पिंकी कुमारी, कोलेश्वर रविदास, प्रीति कुमारी, मनोज सोरेन, सुमित्रा कुमारी, उपमुखिया गोपाल कुमार महतो, पूनम देवी व सावित्री देवी उपस्थित हुए। झूमर प्रतियोगिता में कुल दस टीम ने भाग लिया। इस दौरान सभी टीमों ने एक से बढ़कर एक अपनी प्रस्तुति से उपस्थित अतिथियों व ग्रामीणों का खूब मनोरंजन किया। निर्णायक मंडली के लुटेश्वर महतो, चुरन महतो व चिंतामणि महतो के सफल संचालन के बदौलत बेहतर प्रदर्शन करने वाले एक से पांच तक के टीम को खस्सी देकर सम्मानित किया गया। शेष अन्य पांच टीम को सांत्वना पुरस्कार के रूप में नकद राशि दी गई।

कार्यक्रम का संचालन कृष्ण कुमार महतो ने किया। मौके पर प्रधानाध्यापक सुनील कुमार, सुनीला कुमारी, बिहारीलाल महतो, सहदेव महतो, नेवलाल महतो, बुटन साव, बालगोविंद महतो, प्रदीप कुमार, झालेश्वर महतो, सुनील महतो, दीपक कुमार, पंचित महतो समेत अन्य कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

चंद्रपुरा गोलीकांड में घायल रोहित सिन्हा की मौत, मृतकों की संख्या तीन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चंद्रपुरा डीवीसी कॉलोनी के पश्चिमपल्ली स्थित क्वार्टर में 17 सितंबर को हुई गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल रोहित सिन्हा की बुधवार अलसुबह रांची के मेदांता अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। रोहित की मौत के साथ ही गोलीकांड में मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। घटना के दौरान रोहित के पिता नरेश सिन्हा और मां रेणु देवी की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, गंभीर रूप से घायल रोहित को बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया था। करीब 13 दिनों से उसका मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा था। बताया गया कि गोलीबारी में रोहित के शरीर में कई गोलियां लगी थीं। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने कुछ गोलियां निकाल दी थीं, लेकिन उसकी स्थिति गंभीर बनी रही। बुधवार को उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। रोहित की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से क्षेत्र में मातम का माहौल है।

सेक्टर-12 के क्वार्टरों को लेकर आमने-सामने प्रबंधन और आवास बचाओ संघर्ष समिति

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः सेक्टर-12 के क्वार्टरों की जर्जर स्थिति और उन्हें ध्वस्त किए जाने के कथित प्रयास को लेकर आवास बचाओ संघर्ष समिति ने आंदोलन शुरू कर दिया है। समिति के बैनर तले बीएसएल प्लांट के ईडी एचआर राजश्री बनर्जी के आवास के पास "डेरा डालो-घेरा डालो" कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय धरना दिया गया। इस दौरान दर्जनों आंदोलनकारियों ने तख्तियां लेकर प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। समिति के सदस्यों का आरोप है कि प्रबंधन सेक्टर-12 को उजाड़ने की तैयारी कर रहा है, जबकि वहां रहने वाले लोगों को बुनियादी सुविधाएं तक ठीक से नहीं मिल रही हैं। उनका कहना है कि क्वार्टर लंबे समय से जर्जर हैं, लेकिन समय पर मरम्मत नहीं करायी जा रही है। समिति ने मांगों पर जल्द पहल नहीं होने पर आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी है। इधर, बीएसएल प्रबंधन का कहना है कि क्षतिग्रस्त आवासों की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें खाली कराने के लिए कई बार नोटिस दिया गया है। प्रबंधन के अनुसार, कर्मचारियों को आवास खाली करने में सुविधा के लिए सेल की ओर से दो दिन का अवकाश और घरेलू सामान के स्थानांतरण के लिए श्रमिक उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है। प्रबंधन का कहना है कि जिन ब्लॉकों की मरम्मत संभव है, उनकी मरम्मत करायी जा रही है। वहीं, पूरी तरह क्षतिग्रस्त आवासों को खाली कराकर कर्मचारियों को वैकल्पिक आवास देने का विकल्प भी उपलब्ध कराया गया है। इसके बावजूद कुछ लोग क्षतिग्रस्त क्वार्टरों में रह रहे हैं। प्रबंधन ने लोगों से सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सहयोग करने की अपील की है।

ईडी आवास घेराव में महिला कांस्टेबल ने पूर्व अधिकारी की पत्नी को मारा थप्पड़

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बीएसएल के ईडी आवास के घेराव के दौरान बुधवार को महिला कांस्टेबल और बीएसएल के पूर्व अधिकारी की पत्नी के बीच धक्का-मुक्की के बाद विवाद हो गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि महिला कांस्टेबल ने पूर्व अधिकारी की पत्नी को थप्पड़ मारा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें कांस्टेबल को महिला को थप्पड़ मारते हुए देखा जा सकता है। घटना के बाद मौके पर कुछ देर तनाव की स्थिति रही। बीएसएल प्रबंधन के सेक्टर-12 स्थित आवास खाली कराने के आदेश के विरोध में आवास बचाओ संघर्ष मोर्चा, बीएसएल के पूर्व कर्मचारी और लाइसेंसी आवासधारी बुधवार को ईडी आवास का घेराव कर रहे थे। प्रदर्शन को देखते हुए ईडी आवास के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। दो स्तर की सुरक्षा व्यवस्था के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। बीएसएल प्रबंधन ने सेक्टर-12 के कई आवासों को पूर्व कर्मचारियों और अन्य पात्र लोगों को निर्धारित नियमों के तहत आवंटित किया था। आवासों की जर्जर स्थिति को देखते हुए प्रबंधन ने उन्हें असुरक्षित घोषित कर खाली कराने का निर्देश दिया है। प्रभावित आवासधारियों को सेक्टर-11 और सेक्टर-8 में वैकल्पिक आवास देने की बात प्रबंधन की ओर से कही गई है। हालांकि, आवासधारियों का कहना है कि प्रस्तावित वैकल्पिक आवासों की स्थिति सेक्टर-12 के मौजूदा आवासों से भी खराब है। इसी फैसले के विरोध में आवासधारी आंदोलन कर रहे हैं।

बीएसएल ने लगाया मेगा मेडिकल कैंप, कुंडौरी के 852 ग्रामीणों का निःशुल्क इलाज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

- बोकारो जनरल अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी सेवाएं; निःशुल्क दवाइयों के साथ मिला स्वास्थ्य परामर्श

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग द्वारा ग्रामीण स्वास्थ्य कल्याण योजना के तहत बुधवार को ग्राम कुन्दौरी स्थित सरदार पटेल विद्यालय में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस मेगा मेडिकल कैंप का मुख्य उद्देश्य सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों को उनके घर के समीप ही विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श और प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। दिनभर चले इस शिविर में 852 से अधिक ग्रामीणों तथा स्कूली छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच की गई एवं चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं।

स्वास्थ्य शिविर में बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के विभिन्न विभागों के अनुभवी व विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। इनमें चर्म रोग, नेत्र रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, दंत रोग, सामान्य चिकित्सा (जनरल मेडिसिन), ईएनटी (कान, नाक, गला), शिशु रोग तथा शल्य चिकित्सा (सर्जरी) विभाग के डॉक्टर शामिल थे। डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच करने के साथ-साथ उन्हें मौसमी बीमारियों से बचाव, व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित पोषण तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के व्यावहारिक उपाय भी बताए।

इस आयोजन को तकनीकी एवं चिकित्सकीय सहयोग प्रदान करने में पीरामल स्वास्थ्य की मोबाइल मेडिकल यूनिट टीम का विशेष योगदान रहा। शिविर के सुगम संचालन में बीएसएल सीएसआर विभाग के महाप्रबंधक, सहायक प्रबंधक सहित पूरी विभागीय टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई।

सुदूर इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुदृढ़ करने की दिशा में बीएसएल की यह पहल स्थानीय समुदाय के प्रति उसकी सामाजिक प्रतिबद्धता और जनकल्याणकारी सीएसआर दृष्टिकोण को एक बार फिर रेखांकित करती है।

लोकसभा अध्यक्ष से मिले पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। हजारीबाग के पहले भाजपा सांसद सह झारखंड प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष डॉ यदुनाथ पांडेय ने दिल्ली प्रवास के क्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान झारखंड के पूर्व एवं वर्तमान सांसदों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुलाकात के दौरान संसदीय कार्यप्रणाली, सांसदों की भूमिका और क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ पांडेय ने लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष पूर्व एवं वर्तमान सांसदों से संबंधित मामलों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि सांसद लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और उनके संसदीय दायित्वों तथा जनहित से जुड़े विषयों को प्रभावी मंच मिलना जरूरी है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने भी चर्चा के दौरान उठाए गए विषयों को गंभीरता से सुना और आवश्यक पहल का भरोसा दिया। मुलाकात को राजनीतिक एवं संसदीय दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस दौरान झारखंड से जुड़े कई विषयों पर आगे भी समन्वय बनाए रखने पर सहमति बनी। साथ ही झारखंड में राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। मुलाकात के क्रम में प्रदेश से जुड़े संसदीय मामलों को लेकर आगे भी समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया।

झारखंड आंदोलनकारियों ने एनएच 23 जाम किया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोलाः झारखंड आंदोलनकारियों के आह्वान पर बुधवार को झारखंड बंद के दौरान गोला के डीवीसी चौक पर आंदोलनकारियों ने सड़क जाम कर दिया. सड़क जाम होने से रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गयी. भारी वाहनों के अलावा सवारी और अन्य वाहनों का परिचालन भी प्रभावित हुआ. जाम में सवारी वाहनों के फंसने से यात्रियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा. आंदोलनकारी डीवीसी चौक पहुंचे और सड़क पर बैठकर अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया.

26 वर्षों से मांगें पूरी नहीं होने का आरोप- मौके पर जिला अध्यक्ष कार्तिक महथा ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी पिछले 26 वर्षों से झारखंड सरकार से मान-सम्मान और पेंशन समेत अन्य मांगें कर रहे हैं. उनका आरोप है कि सरकार उनकी मांगों को लगातार अनसुना कर रही है. उन्होंने कहा कि अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलनकारियों को सड़क पर उतरना पड़ रहा है. आंदोलनकारियों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

प्रशासन ने जाम हटाने का किया प्रयास- सड़क जाम की सूचना मिलने के बाद सीओ सीताराम महतो एवं थाना प्रभारी अभिषेक कुमार मौके पर पहुंचे. अधिकारियों ने आंदोलनकारियों को समझा-बुझाकर जाम को समाप्त करवाया।, लेकिन आंदोलनकारी अपनी मांगों पर कायम रहे। सड़क के कारण रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग पर वाहनों का आवागमन प्रभावित रहा।

झारखंड आंदोलनकारियों के आक्रोश ने बोकारो में सात घंटे थामी पहिए की रफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

- आईटीआई मोड़ पर भीषण चक्का जाम व प्रदर्शन, प्रशासन के आश्वासन पर स्थगित

बोकारो : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में अपनी बहुप्रतीक्षित मांगों को लेकर बुधवार को बोकारो जिले में झारखंड बंद का व्यापक असर देखा गया। मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजदेव माहथा के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारियों ने सुबह 5:30 बजे से ही चास स्थित आईटीआई मोड़ व सिद्धू-कान्हू चौक के समीप सड़क पर उतरकर ऐतिहासिक चक्का जाम किया। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बावजूद आंदोलनकारी अपनी मांगों के समर्थन में डटे रहे, जिससे मुख्य मार्ग पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह ठप्प हो गया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र व राज्य सरकार के समक्ष अपनी मांगों को जोर-शोर से उठाया। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों में पहचान के लिए जेल जाने की बाध्यता' को तुरंत समाप्त करना, प्रत्येक आंदोलनकारी को प्रति माह 50,000 रुपये सम्मान पेंशन देना, उनके आश्रितों को सरकारी नौकरियों में सीधी नियुक्ति प्रदान करना और पूरे परिवार के लिए सामूहिक स्वास्थ्य बीमा की सुविधा उपलब्ध कराना शामिल है। इसके अलावा सभी आंदोलनकारियों को एक-एक पक्का मकान देने, प्रखंड मुख्यालयों में उनके नाम का शिलापट लगाने तथा बोकारो व पूरे राज्य से युवाओं के पलायन को रोककर स्थानीय स्तर पर रोजगार मुहैया कराने की मांग भी उठाई गई।

सुबह से जारी सड़क जाम के कारण यातायात व्यवस्था ठप्प रही। दोपहर में मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से वार्ता की और आमजनों की असुविधा का हवाला देते हुए आंदोलन वापस लेने का आग्रह किया। इसके बाद दोपहर 1:05 बजे मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजदेव माहथा ने जितिया एकादशी व्रत, राष्ट्रीय चुनाव आयोग द्वारा संचालित मतदाता सूची पुनरीक्षण के महत्वपूर्ण कार्यों और आगामी दुर्गा पूजा को ध्यान में रखते हुए चक्का जाम को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की घोषणा की। इसके तुरंत बाद सड़कों पर वाहनों का परिचालन पुनः सामान्य हो सका। इस जाम के कारण स्कूल बसों की आवाजाही भी प्रभावित हुई, जिससे अभिभावकों को काफी परेशानी हुई। स्कूल आकर उन्हें बच्चों को लेना पड़ा।

कार्यक्रम में मोर्चा के केंद्रीय संयुक्त सचिव हाबुलाल गोराईं, संरक्षक साधन माहथा, जिला उपाध्यक्ष लखन खवास, मंतोष पाठक, नारायण सिंह चौधरी, मनोज राय, अरुण बरन सिन्हा, जिला महासचिव खगेन्द्र नाथ वर्मा, जुबील अहमद, अमिर शेख, करम चांद गोप, देव दास पाल, संजय प्रमाणिक, पंचानन महतो, बानेश्वर महतो, नंद राज महतो, बनमाली दत्ता, प्रखंड सचिव संजय लाल महतो, बंशी ठाकुर, बिमल चंद्र महतो, मथन महतो, अनिल कुमार सिंह, कार्तिक महतो, महानगर अध्यक्ष ज्योति लाल महतो, सचिव राम पद महतो, भागीरथ महतो, फिरोज अहमद, काली पद महतो, राणा राज महतो, रेखा देवी, सावित्री देवी, कल्याणी देवी, चंपा देवी, फेंकनी देवी, कल्याणी सिंह चौधरी, चंडी झ सहित सैकड़ों आंदोलनकारी उपस्थित थे।

कोयला चोरी और खनिज संसाधनों के मुद्दे पर आदित्य साहू ने सरकार को घेरा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

- कहा—अवैध कारोबार पर रोक के लिए रामगढ़ समेत खनन क्षेत्रों में CISF की तैनाती जरूरी

रामगढ़। ला मैरिटल होटल में जिला अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह के अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आदित्य प्रसाद साहू ने झारखंड में कोयला चोरी, अवैध खनन, खनिज राजस्व और डीएमएफटी फंड के इस्तेमाल को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य के खनिज संसाधनों का लाभ जनता को मिलना चाहिए और अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगनी चाहिए।

डॉ. साहू ने आरोप लगाया कि राज्य में कोयला चोरी का कारोबार लंबे समय से चल रहा है, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि धनबाद में CISF की तैनाती के बाद अवैध कोयला कारोबार पर प्रभाव पड़ा है तथा वैध कोयला कारोबार के लिए DO लेने वाले कारोबारियों की संख्या में वृद्धि हुई है। आम्रपाली क्षेत्र में भी CISF की तैनाती का उल्लेख करते हुए उन्होंने रामगढ़, हजारीबाग, चतरा, लातेहार और दुमका जैसे खनन क्षेत्रों में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती की मांग किए जाने की बात कही। डीएमएफटी फंड के इस्तेमाल पर उठाए सवाल प्रदेश अध्यक्ष ने डीएमएफटी फंड के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि खनन प्रभावित क्षेत्रों और गरीबों के विकास के लिए निर्धारित इस राशि का उचित उपयोग नहीं हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से डीएमएफटी मद की राशि के खर्च का सार्वजनिक और पारदर्शी विवरण उपलब्ध कराने की मांग की।

खदानों की नीलामी पर सरकार को घेरा- डॉ. साहू ने झारखंड में खदानों की नीलामी और उनके संचालन को लेकर भी राज्य सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने पड़ोसी राज्य ओडिशा का उदाहरण देते हुए दावा किया कि वहां खनिज ब्लॉकों की नीलामी से लगभग 87 हजार करोड़ रुपये का नीलामी प्रीमियम प्राप्त हुआ, जबकि झारखंड में पिछले छह वर्षों में केवल चार खदानों की नीलामी हुई और इनमें से किसी में भी उत्पादन शुरू नहीं हो सका। इसी तरह के आंकड़े हालिया सार्वजनिक रिपोर्टों में भी भाजपा नेताओं के बयानों के हवाले से सामने आए हैं।

उन्होंने कहा कि खनिज संपदा वाले झारखंड में पारदर्शी नीलामी, खदानों का समय पर संचालन और अवैध खनन पर रोक से राज्य के राजस्व तथा रोजगार दोनों को बढ़ावा मिल सकता है।

सड़क पर उतरने की चेतावनी- डॉ. साहू ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता अवैध कोयला कारोबार और खनिज संसाधनों से जुड़े मामलों को लेकर जनता के बीच जाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया और कहा कि खनिज संपदा का उपयोग राज्य के विकास और आम लोगों के हित में होना चाहिए। प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, सांसद मनीष जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, जिला महामंत्री राजू चतुर्वेदी सहित जिला के पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

बजरंग दल ने गरबा में प्रवेश से पहले पहचान पत्र जांचने की मांग,सिर्फ हिंदूओं को मिले प्रवेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

- नियमों की अनदेखी पर विरोध की चेतावनी, 8 अक्टूबर को रामगढ़ में दुर्गा वाहिनी का पथ संचलन

रामगढ़। आगामी नवरात्रि और गरबा कार्यक्रमों को लेकर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की जिला स्तरीय बैठक बुधवार को रामगढ़ स्थित होटल ला मैरिटल में हुई। बैठक में विहिप प्रांत संगठन मंत्री चितरंजन कुमार,दुर्गा वाहिनी की प्रांत संयोजिका किर्ती गौरव और विहिप जिला मंत्री छोटू वर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में गरबा आयोजनों में प्रवेश व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर संगठन की ओर से कई मांगें रखी गईं। विहिप जिला मंत्री छोटू वर्मा ने आयोजकों से प्रवेश से पहले वैध फोटो पहचान पत्र या आधिकारिक प्रवेश पास की जांच करने की मांग की। उन्होंने नवरात्रि के धार्मिक महत्व को देखते हुए प्रतिभागियों से तिलक लगाकर गरबा में शामिल होने की अपील की। बजरंग दल जिला संयोजक महेंद्र ठाकुर ने कहा कि गरबा कार्यक्रमों में कार्यरत कलाकार, फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर, लाइट-साउंड ऑपरेटर, खानपान कर्मी, पार्किंग कर्मचारी और बाउंसरों का सत्यापन कराया जाना चाहिए। संगठन ने महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर छेड़छाड़, अनुचित फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी की मांग की। बैठक में संगठन ने गरबा आयोजकों से नियमों का पालन करने की अपील की और कहा कि उल्लंघन की स्थिति में पुलिस-प्रशासन को सूचना दी जाए। कार्यकर्ताओं से भी कानून अपने हाथ में नहीं लेने की अपील की गई। दुर्गा वाहिनी की प्रांत संयोजिका किर्ती गौरव ने कहा कि नवरात्रि भक्ति और आस्था का पर्व है, इसलिए गरबा आयोजनों में धार्मिक मर्यादा और सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि 8 अक्टूबर को रामगढ़ जिले में दुर्गा वाहिनी की ओर से भव्य पथ संचलन निकाला जाएगा। मौके पर विहिप जिला सह मंत्री भागीरथ पोद्दार, सह मंत्री अमित कुमार, दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका अनामिका श्रीवास्तव, विनय शर्मा,अनिकेत कुमार, आशीष शर्मा, सनी महतो,डब्ल्यू साहू, रॉकी नायक,सनोज कुमार समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

रंगामाटिया में जंगली सूअरों का हमला, दो किसान घायल

चांडिल : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल प्रखंड की हेंसाकोचा पंचायत के रंगामाटिया गांव में जंगली सूअरों के झुंड ने खेत में धान की रखवाली कर रहे दो किसानों पर हमला कर दिया। घटना में सुखराम मुंडा और लडूराम मुंडा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, दोनों किसान खेत में गोड़ा धान की रखवाली करने गए थे। इसी दौरान धान खाने के लिए जंगली सूअरों का झुंड खेत में पहुंच गया। सूअरों को भगाने के प्रयास में दोनों किसान उनके पास पहुंच गए, तभी झुंड ने अचानक हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। धान की फसल तैयार होने के कारण किसान इन दिनों खेतों की लगातार रखवाली कर रहे हैं। जंगली जानवरों से फसल को होने वाले नुकसान के साथ अब किसानों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगली सूअरों से राहत दिलाने और प्रभावित किसानों की मदद करने की मांग की है।

14 सितंबर से लापता संतोष बेदिया, परिजनों ने तलाश में मांगी मदद

पेटरवार। पेटरवार प्रखंड के ओरदाना पंचायत निवासी गोकुल बेदिया के पुत्र संतोष बेदिया (26) बीते 14 सितंबर की रात करीब 10 बजे घर से निकलने के बाद से लापता हैं। परिजनों के अनुसार उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, जिसके कारण परिवार उनकी तलाश को लेकर चिंतित है। बताया गया कि पहले भी घर से निकलने के बाद दो-चार दिन में वापस लौट आते थे। परंतु 15 दिन बीत जाने के बावजूद इस बार वापस नहीं लौटे। उनकी लंबाई करीब 5 फीट 8 इंच, रंग सांवला और शरीर पतला है। पहचान के तौर पर उनके दाहिने हाथ पर हल्का निशान है।

सेवा पखवाड़ा के तहत माय भारत द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

रामगढ़। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत के तत्वावधान में सेवा पखवाड़ा के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रांची रोड स्थित सक्सेस प्लस+ कोचिंग क्लासेज के विद्यार्थियों द्वारा ध्रुव नगर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान माय के स्वयंसेवकों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए। इस अवसर पर उपस्थित युवाओं ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षिका सुमन सोनी ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित रखने में ही महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य की आधारशिला भी हैं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए वृक्षारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों का संरक्षण भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।माय भारत के माध्यम से युवाओं को सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी एवं राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के उद्देश्य से इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत युवाओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए समाज के अन्य लोगों को भी अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में माय भारत के युवा कार्यकर्ता नितेश कुमार मोदी, सुमन सोनी, लकीसा जैन,प्राची सिंह, आर्यन कुमार, मेघना कार,हर्ष कुमार,सिद्धि कुमारी, अर्नव कुमार, नवीस कुमार, निशांत कुमार आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा भावना को मजबूत करना रहा।

कुजू हाई स्कूल मैदान की सब्जी दुकान नया बाजार में लगाने का निर्देश

कुजू। कुजू पब्लिक हाई स्कूल मैदान में प्रत्येक दिन लगने वाले सब्जी दुकान को हटाने का निर्देश दिया गया है। इस संबंध में मांडू अंचलाधिकारी तृप्ति विजया कुजूर ने आम आदेश जारी किया है। जारी किए गए आम आदेश में कहा गया है कि 2 अक्टूबर से यह सब्जी दुकान कुजू चौक स्थित नया बाजार में पूर्ववत लगाई जाएगी। इसको लेकर किसानों, सब्जी विक्रेताओं , खरीददारों व आमजनों को चिह्नित स्थल पर दुकान लगाने व खरीददारी करना सुनिश्चित करने को कहा है। इसकी सूचना रामगढ़ डीसी, जिला शिक्षा अधीक्षक, कुजू ओपी प्रभारी, राजस्व कर्मचारी समेत को भी दी गई है।

चांडिल डैम से लौट रहे दो छात्र दुर्घटना में घायल, एक गंभीर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल में पल्सर बाइक अनियंत्रित होकर फिसलने से दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों परीक्षा देने के बाद चांडिल डैम घूमने गए थे। लौटने के दौरान तेज रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित हुई और दोनों सड़क पर गिर गए। घायलों की पहचान कुकरू निवासी राहुल कुमार गोप और करनीडीह चिलगु निवासी बासुदेव तंतुबाई के रूप में हुई है। दोनों एसबी कॉलेज, चांडिल में परीक्षा देने आए थे। परीक्षा समाप्त होने के बाद वे पल्सर बाइक से चांडिल डैम गए थे। वापस लौटने के दौरान हादसा हुआ। दुर्घटना में दोनों को गंभीर चोटें आईं। एक की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के बाद मदद के लिए चांडिल थाना प्रभारी को फोन किए जाने की बात सामने आई है, लेकिन फोन रिसीव नहीं होने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इस संबंध में पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार को हादसे की वजह बताया जा रहा है।

नेमरा में सांसद-विधायक की अनुपस्थिति पर भड़कीं सीएम की बहन रेखा सोरेन, कहा - “सिर्फ वोट चाहिए, विकास से कोई मतलब नहीं

राष्ट्रीय मुख्यधारा

- हेमंत सोरेन के गृह पंचायत की उपेक्षा पर भड़कीं बहन रेखा सोरेन, सांसद-विधायक को कहा - कभी झांकने भी नहीं आते

गोला: गोला पूर्वी की जिला पार्षद सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की बहन रेखा सोरेन ने हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और रामगढ़ विधायक ममता देवी पर जोरदार हमला बोला है। रेखा सोरेन ने कहा कि ऊपरबरगा पंचायत में जब भी कोई विकास योजना का शिलान्यास होता है, तो हजारीबाग सांसद और रामगढ़ विधायक दोनों गायब रहते हैं।

सीएम की बहन रेखा सोरेन ने कहा - सांसद मनीष जायसवाल और रामगढ़ विधायक ममता देवी को ऊपरबरगा पंचायत (नेमरा) की जनता से कोई मतलब नहीं है। वे कभी नेमरा की योजनाओं में नहीं आते। उन्हें सिर्फ वोट चाहिए, विकास से कोई लेना-देना नहीं। ऊपरबरगा पंचायत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का गृह पंचायत है, फिर भी ये दोनों कभी यहां झांकने तक नहीं आते। इससे पहले पीसीसी पथ के शिलान्यास में भी दोनों नदारद थे, आज फिर वही हाल है। यह सीएम के गृह क्षेत्र और यहां की जनता का अपमान है।” उन्होंने कहा कि सांसद-विधायक सिर्फ बड़े मंचों और फोटो खिंचवाने तक सीमित हैं, धरातल पर उनका कोई काम नहीं दिखता।

15 लाख की योजना का हुआ शिलान्यास - नेमरा में लगभग 15 लाख रुपये की लागत से बनने वाले शेड और गार्डवाल का शिलान्यास मुख्य अतिथि जिला पार्षद रेखा सोरेन ने किया। उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र की बेटी हैं और हर सुख-दुख में जनता के साथ खड़ी रहेंगी। ग्रामीणों ने भी कहा कि जब सांसद-विधायक नहीं आते, तब रेखा सोरेन ही विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही हैं। मौके पर मुखिया जीतलाल टुडू, पंसस पार्वती मुंडा, विजय किस्कू, नकुल बेसरा, विश्वनाथ बेसरा, कृष्णा घटवार सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

JPSC परीक्षा गड़बड़ी में बड़े खुलासे : 5 लाख रुपये लेकर बढ़वाए 80 अंक, 20-20 लाख में हुई सीडीपीओ परीक्षा में सेटिंग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : जेपीएससी की प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी और अभ्यर्थियों की सेटिंग के मामले में सीआईडी की जांच के आधार पर अदालत ने जेपीएससी सदस्य डॉ. अजीता भट्टाचार्य के तत्कालीन निजी सहायक ब्रज कुमार राम की जमानत याचिका खारिज कर दी। एजेसी-1 योगेश कुमार की अदालत ने 29 सितंबर को आदेश पारित करते हुए कहा कि केस डायरी में ब्रज कुमार राम की भूमिका से संबंधित कई डिजिटल, इलेक्ट्रॉनिक और वित्तीय साक्ष्यों का उल्लेख है। सीआईडी के अनुसार, ब्रज कुमार राम पर 11वीं से 13वीं जेपीएससी परीक्षा के इंटरव्यू में एक अभ्यर्थी के अंक 80 बढ़वाने के बदले पांच लाख रुपये लेने का आरोप है। जांच में आदित्य पांडेय के माध्यम से यह रकम मिलने और अभ्यर्थी मनीष कुमार के डीएसपी पद पर चयन का उल्लेख किया गया है। सीआईडी ने सीडीपीओ परीक्षा में चार अभ्यर्थियों की कथित सेटिंग के लिए प्रति अभ्यर्थी 20 लाख रुपये तय होने की बात भी अदालत में रखी है। केस डायरी में मुख्य आरोपी अभय कुमार तिवारी के कथित बयान का भी उल्लेख है। इसमें डीएसपी रॉबिन कुमार, शैलेश सिन्हा, मनीष कुमार, डिप्टी जेलर राजेश कुमार रजक और दिव्यांग कोटे के अभ्यर्थी गौतम कुमार रवि समेत पांच अभ्यर्थियों की कथित सेटिंग के लिए प्रति अभ्यर्थी 15 लाख रुपये लेने की बात कही गई है। जांच में जेपीएससी के तत्कालीन पदाधिकारियों तक रकम पहुंचाए जाने के आरोप का भी उल्लेख है। सीआईडी ने ब्रज कुमार राम पर बिनसिस टेक्नोलॉजी को जेपीएससी की परीक्षा से संबंधित काम दिलाने में मदद करने का भी आरोप लगाया है। जांच के अनुसार, ब्रज कुमार राम, बिनसिस टेक्नोलॉजी के निदेशक अरुण कुमार और सनंद प्रकाश के आइजोल जाने तथा वहां जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष एल. खियांग्ते से मुलाकात की कोशिश का भी केस डायरी में उल्लेख है। सीआईडी के मुताबिक, बाद में अध्यक्ष की पत्नी को 2.50 लाख रुपये नकद दिए जाने की जानकारी भी जांच में सामने आई है। जांच एजेंसी ने ब्रज कुमार राम के मोबाइल के विश्लेषण, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, व्हाट्सऐप संदेश और बैंक खातों से संबंधित साक्ष्यों का हवाला अदालत में दिया। सीआईडी के अनुसार, उनके संपर्क में अरुण कुमार, बिनसिस टेक्नोलॉजी, परीक्षा नियंत्रक श्वेता कुमारी गुप्ता और धर्मेंद्र कुमार समेत कई लोग थे। 14वीं जेपीएससी पीटी में सफल छह अभ्यर्थियों के मोबाइल और ओटीआर विवरण का भी उनके कॉल डिटेल से मिलान किए जाने की बात कही गई है। बचाव पक्ष ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि ब्रज कुमार राम को गलत तरीके से फंसाया गया है। उनका नाम प्राथमिकी में नहीं है और परीक्षा संचालन, मूल्यांकन या परिणाम तैयार करने में उनका कोई अधिकार नहीं था। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हवाला देते हुए जमानत और बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेजने की मांग भी की गई। अदालत ने उपलब्ध केस डायरी में दर्ज सह-आरोपियों के बयान, सीडीआर, डिजिटल सामग्री और वित्तीय लेनदेन से संबंधित जांच का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्रज कुमार राम की कथित भूमिका केवल जेपीएससी सदस्य के निजी सहायक होने तक सीमित नहीं दिखती। अदालत ने भर्ती परीक्षा में कथित हेराफेरी की गंभीरता को देखते हुए उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी।

सिल्ली मोड़ के समीप 100 सीएफटी अवैध गिट्टी लदा ट्रैक्टर जब्त

राष्ट्रीय मुख्यधारा

भास्कर न्यूज।गोला:)। बरलंगा थाना पुलिस ने सिल्ली मोड के समीप मंगलवार की शाम को अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक अवैध गिट्टी लदे ट्रैक्टर को पकड़ा है।पुलिस के अनुसार ट्रैक्टर पर करीब 100 सीएफटी गिट्टी लदी हुई थी। वाहन को रोककर चालक से गिट्टी के परिवहन से संबंधित आवश्यक कागजात और वैध दस्तावेज मांगे गए,लेकिन संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया।इसके बाद पुलिस ने गिट्टी को प्रथम दृष्टया अवैध मानते हुए ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। बरलंगा थाना पुलिस की ओर से जब्त वाहन एवं खनिज सामग्री को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जिला खनन पदाधिकारी के पास भेजा गया है।पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त लोगों के बीच हड़कंप मचा है।स्थानीय स्तर पर भी अवैध गिट्टी,बालू एवं अन्य खनिजों के परिवहन पर लगातार कार्रवाई की मांग उठती रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ जांच एवं कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। अवैध खनन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई से खनन करने वालो के बीच हड़कंप मचा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत बच्चों ने रंगों में उकेरा विकसित भारत का सपना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर पेटरवार में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत पूज्य तपस्वी श्री जग जीवन जी महाराज ज्योति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पेटरवार में ‘विकसित भारत’ विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, देशभक्ति और विकसित भारत के संकल्प के प्रति सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था।प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता को रंगों के माध्यम से कागज पर उकेरते हुए भारत के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर प्रस्तुत की। बच्चों ने स्वच्छ एवं हरित भारत, आधुनिक परिवहन, डिजिटल शिक्षा, स्मार्ट स्कूल, बेहतर आवास व्यवस्था और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को चित्रों के माध्यम से दर्शाया। वहीं ‘विकसित भारत—मेरा गर्व’, ‘हम सबका सपना—सुंदर भारत अपना’, ‘2047 का भारत’ और ‘जय हिंद—जय भारत’ जैसे संदेशों के जरिए अपने विचार व्यक्त किए। बाल वर्ग में आदित्य चंद्र ने प्रथम, दिव्या कुमारी ने द्वितीय तथा आरती कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। किशोर वर्ग में साक्षी कुमारी प्रथम, सुनील कुमार द्वितीय तथा प्रतीक्षा कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। मौके पर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव सह भाजपा जिला महामंत्री संजय सिन्हा, जिला परिषद सदस्य प्रहलाद महतो, संरक्षक शांतिलाल जैन, प्रधानाचार्य नवीन कुमार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अनिल स्वर्णकार, जिला कोषाध्यक्ष रवि शंकर जायसवाल सहित विद्यालय के सभी आचार्य एवं दीदी उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मकता की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

पेटरवार में किसान-वैज्ञानिक अंतर्मिलन, 50 कृषकों को दी गई फसल सुरक्षा की जानकारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। जिला कृषि कार्यालय, बोकारो एवं कृषि विज्ञान केंद्र , पेटरवार के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को केवीके परिसर में ‘फसल सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम योजना’ के तहत एक दिवसीय किसान-वैज्ञानिक अंतर्मिलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को फसलों में होने वाले कीट एवं व्याधियों से बचाव, वैज्ञानिक प्रबंधन तथा उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी देना था। तकनीकी सत्र में मुख्य प्रशिक्षक सह उप-परियोजना निदेशक (आत्मा), बोकारो, केवीके की वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. सुषमा सरोज सुरीन तथा पेटरवार के प्रभारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक (BTM) नवीन कुमार ने किसानों को विभिन्न कृषि तकनीकों की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने बुआई से पूर्व बीजोपचार के महत्व को समझाते हुए बताया कि इससे फसलों को शुरुआती अवस्था में रोग एवं कीटों के प्रकोप से बचाने में मदद मिलती है। किसानों को रासायनिक कीटनाशकों एवं उर्वरकों के अत्यधिक और अनावश्यक इस्तेमाल से होने वाले संभावित दुष्प्रभावों के प्रति भी जागरूक किया गया। इसके विकल्प के रूप में जैविक कीटनाशकों के निर्माण एवं उपयोग तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में पेटरवार एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से कुल 50 कृषकों ने भाग लिया। इसमें महिला कृषकों की भागीदारी भी रही। संवाद सत्र में किसानों ने फसलों में कीट प्रकोप, पौधों के सूखने और कम पैदावार जैसी समस्याएं वैज्ञानिकों के समक्ष रखीं। वैज्ञानिकों ने समस्याओं के समाधान के लिए कम लागत वाली व्यावहारिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर किसानों से वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने की अपील की गई, ताकि उत्पादन लागत कम करने के साथ फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादकता में सुधार किया जा सके।

उम्र बढ़ रही है, क्या हमारी संवेदना भी बढ़ रही है?

हर कोई लंबी उम्र चाहता है। अपने माता-पिता को ज्यादा समय तक अपने बीच देखना चाहता है और खुद भी स्वस्थ रहना चाहता है। चिकित्सा विज्ञान ने जीवन लंबा किया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हमने लंबी उम्र को सम्मान और सुरक्षा देने की तैयारी भी की है?

दुनिया तेजी से वृद्ध हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 2023 में 60 वर्ष से अधिक उम्र के करीब 1.1 अरब लोग थे। 2050 तक यह संख्या 2.1 अरब पहुंच सकती है। भारत में भी इस आयु वर्ग की आबादी 2021 के 10.1 प्रतिशत से बढ़कर 2050 तक करीब 20 प्रतिशत होने का अनुमान है। यूएनएफपीए के अनुसार तब भारत में लगभग 34.6 करोड़ लोग 60 वर्ष से अधिक उम्र के हो सकते हैं।

यानी जिस भारत की आज पहचान युवा देश की है, उसे अपने वृद्ध होते भविष्य की तैयारी भी करनी होगी। यह केवल अस्पतालों और दवाओं का सवाल नहीं है। पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, परिवहन, आवास और परिवार से लेकर शहरों की योजना तक पर नए सिरे से सोचना होगा।

सबसे बड़ी जरूरत सोच बदलने की है। उम्र बढ़ने के साथ किसी व्यक्ति की उपयोगिता खत्म नहीं होती। फिर भी 'अब इनसे क्या काम' जैसी सोच समाज में मौजूद है। यही सोच इंसान की कीमत को उसकी कमाई और कार्यक्षमता से जोड़ देती है। जिसने परिवार और समाज को अपना जीवन दिया, वह नौकरी खत्म होते ही अनुपयोगी कैसे हो सकता है? बुजुर्गों का अनुभव किसी समाज की पूंजी होता है।

अकेलापन वृद्धावस्था की दूसरी बड़ी चुनौती है। परिवार छोटे हुए, बच्चे रोजगार के लिए दूर गए और बातचीत का समय घटा। कई घरों में लोग साथ रहते हैं, लेकिन एक-दूसरे के लिए समय नहीं है। बुजुर्गों को इसलिए सिर्फ इलाज नहीं, संवाद और अपनापन भी चाहिए। परिवार के फैसलों में उनकी राय और रोजमर्रा की जिंदगी में उनकी भागीदारी उनके आत्मसम्मान से जुड़ी है।

आर्थिक असुरक्षा समस्या को और गहरा करती है। यूएनएफपीए की भारत एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 40 प्रतिशत से अधिक बुजुर्ग सबसे गरीब आर्थिक वर्ग में हैं और करीब 18.7 प्रतिशत के पास अपनी कोई आय नहीं है। इस उम्र में दवा और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर होना केवल परेशानी नहीं, आत्मसम्मान का संकट भी है। इसलिए सामाजिक सुरक्षा और नियमित आय की व्यवस्था को वृद्धावस्था नीति का केंद्र बनाना होगा।

वृद्ध महिलाओं की स्थिति पर विशेष ध्यान जरूरी है। विधवापन, आर्थिक निर्भरता और संपत्ति से जुड़े अधिकारों की कमजोरी उनकी मुश्किलें बढ़ा सकती है। इसलिए बुजुर्गों को एक समान वर्ग मानकर बनाई गई नीति पर्याप्त नहीं होगी।

डिजिटल बदलाव ने भी बुजुर्गों के सामने नई दीवार खड़ी कर दी है। बैंकिंग, अस्पताल और सरकारी सेवाएं मोबाइल पर आ गई हैं। युवाओं के लिए यह सुविधा है, लेकिन कई बुजुर्गों के लिए पासवर्ड, ओटीपी और ऐप उलझन हैं। डिजिटल भारत जरूरी है, पर ऐसा नहीं कि बुजुर्ग अपने ही काम के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाएं। उन्हें डिजिटल रूप से सक्षम बनाना भी सामाजिक सुरक्षा का हिस्सा है।

यह जिम्मेदारी केवल परिवार पर डाल देना भी उचित नहीं है। परिवार महत्वपूर्ण है, लेकिन बदलती जीवनशैली और रोजगार ने उसकी सीमाएं बढ़ा दी हैं। सरकार और समाज को वृद्ध चिकित्सा, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा, वृद्ध-अनुकूल परिवहन और सामुदायिक सहायता जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। अकेले रहने वाले बुजुर्गों के लिए स्थानीय स्तर पर सहायता तंत्र जरूरी है।

और बुजुर्गों को केवल सहायता पाने वाला वर्ग समझना भी भूल होगी। सेवानिवृत्ति नौकरी से होती है, अनुभव से नहीं। शिक्षक, किसान, कर्मचारी, अधिकारी या कारोबारी रहे लोग आज भी नई पीढ़ी को दिशा दे सकते हैं। जरूरत है कि समाज उनके अनुभव को उपयोगी भूमिका दे। आखिर वृद्धावस्था किसी दूसरे की समस्या नहीं है। वह हम सबके भविष्य का नाम है। आज हम अपने माता-पिता के लिए जिस समाज और व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, कल उसी की जरूरत हमें होगी।

हमने जिंदगी लंबी करने में प्रगति की है। अब परीक्षा यह है कि उस लंबी जिंदगी को सम्मानजनक कितना बना पाते हैं। किसी समाज की असली संवेदनशीलता इस बात से पता चलती है कि वहां बुजुर्ग कितने सुरक्षित, कितने सम्मानित और कितने अपनेपन के साथ जीते हैं। उम्र बढ़ना स्वाभाविक है; उसे बोझ बना देना समाज की विफलता है।

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक - जेफ्रीज ने व्यक्त किये हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भरकम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 GW हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी हैं। भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनीयरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल पुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 GW की सोलर क्षमता चालू है एवं 100 GW की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है। एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फार्मा, टेक्स्टायल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद (मसाला, आदि) स्टील, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे डाटा केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सोलर क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियों के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनी - एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ओफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैक ऑफिस में कार्य कर रहे 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ओफ न्यूयॉर्क, मेलोन ने पुणे एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आरटीफिशीयल इंटेलिजेन्स के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है। बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नॉलजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी टूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से ब्रेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स ब्रेन ड्रेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से अमेरिका में जाने वाले टैलेंट का अमेरिका में रहना अब मुश्किल हो रहा है। अमेरिका एवं अन्य यूरोपीयन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद की नीतियों के चलते इन देशों में जन्म दर भी लगातार कम हो रही है। इन देशों में समाज में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। विवाह जैसी अति पवित्र संस्था को पश्चिमी देशों ने केवल मौज मस्ती का माध्यम बना दिया गया है। केवल कामुकता के लिए विवाह नहीं किया जाता है जबकि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। भारतीय दर्शन में अपने कुल को आगे बढ़ाने के लिए विवाह को एक पवित्र संस्था माना गया है। जबकि, पश्चिमी देशों में आज विवाह को आवश्यक ही नहीं माना जा रहा है बल्कि वहां के नागरिक लिव इन रिलेशनशिप में भी रहने लगे हैं। इन देशों में तलाक की दर में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हो रही है। इन देशों में सामान्य जीवन यापन की लागत बहुत अधिक महंगी हो रही है। साथ ही, पश्चिमी दर्शन में पुनर्जन्म में विश्वास नहीं किया जाता है, जो कुछ भी भोगना है केवल इसी जन्म में सम्पन्न करना है। अतः इन देशों में अपनी पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए बच्चे पैदा करना आवश्यक नहीं समझा जा रहा है। इन देशों में समाज की जीवन शैली ही इस प्रकार की बन गई है कि केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित करें एवं अपनी काया को किसी प्रकार का कष्ट नहीं होना चाहिए, परिवार पर एवं समाज पर किसी नागरिक का ध्यान बहुत कम है। पश्चिमी देशों में नागरिक, "मैं और केवल मैं" किस प्रकार अधिक से अधिक सुखी रह सकता हूं, इस विषय पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। यह विशेषताएं पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में बहुत मुखर रूप से उभर का सामने आती है। बच्चे पैदा करने का निर्णय भी बचत एवं खर्च की दृष्टि को सामने रखकर लिया जा रहा है। चूंकि मैं अपने बच्चे पर होने वाले खर्च को वहन नहीं कर सकता हूं अतः मुझे बच्चे पैदा ही नहीं करना है। पश्चिमी देशों में सामान्य परिवार चलाने की लागतें बढ़ती जा रही है अतः परिवार में "डबल इनकम नो किड्ज़" (डिंक) का विचार भी जोर पकड़ता जा रहा है। इन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित आर्थिक नीतियों ने नागरिकों को दिमागी तौर पर दिवालिया बना दिया है। इन देशों में नागरिकों का पूरा ध्यान केवल भौतिकवादी विकास पर ही केंद्रित हो गया है। परिवार एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास समाप्त सा हो गया है।

"यदि आपके पास संकल्प है, तो कोई भी बाधा आपके मार्ग को नहीं रोक सकती।"
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस

"क्रोध को बिना हिंसा के जीतना ही अहिंसा की सच्ची परीक्षा है।"
- महात्मा गांधी

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः आश्विन माह महीने के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि रहेगी। इसके पश्चात षष्ठी तिथि प्रारंभ होगी। सुबह 06:02 बजे से रोहिणी नक्षत्र शुरू होगा, जिसे ज्योतिष में अत्यंत शुभ व फलदायी माना जाता है। अभिजित मुहूर्त (दिन का सबसे शुभ समय): दोपहर 11:46 से 12:34 बजे तक।

आज जन्म लिए बालक का फल...

बच्चे का जन्म वृषभ राशि में होगा। वृषभ का स्वामी ग्रह शुक्र है, जो सुंदरता, कला, समृद्धि और स्थिरता का कारक माना जाता है। रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि के प्रभाव से बच्चा स्वभाव से शांत, धैर्यवान और आकर्षक व्यक्तित्व का होगा।

मेष राशिः जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करने का प्लान बना सकते हैं।

वृष राशिः आपकी योजनाओं के अनुसार सभी काम पूरे होने से आपका मन काम में लगा रहेगा।

मिथुन राशिः व्यापार में किसी व्यक्ति से लाभ मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। भाई-बहनों से आपको पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

कर्क राशिः ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है।

सिंह राशिः पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान निकल सकता है, मन में प्रसन्नता रहेगी।

कन्या राशिः आज माता-पिता से किसी काम के लिए ली गई सलाह कारगर साबित होगी।

तुला राशि : कोई नई कहानी लिख सकते हैं, जिसे लोगों द्वारा खूब पसंद किया जाएगा।

वृश्चिक राशिः मेहनत और लगन आपके जूनियर आपसे कुछ नया सीखने की कोशिश करेंगे।

धनु राशिः जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत हो सकती है, जिससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे।

मकर राशिःकिसी अच्छे रेस्तरां में भी जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए।

कुंभ राशि : उलझन में रह सकते हैं। परिवार वालों के साथ मूवी जाने का प्लान बन सकता है।

मीन राशिःकिसी काम को करने का नया तरीका बिजनेस में फायदा करा सकता है।

कितना जायज हैं चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कांग्रेस के सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

आम जन की समस्याओं से विमुख विपक्ष इस बार चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मुखर हो उठा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एसआईआर प्रक्रिया को संस्थागत चोरी करार देते हुए आरोप लगाया कि चुनाव आयोग गरीबों के वोट काटने के लिए सत्ता पक्ष के साथ खुलकर मिला हुआ है।इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने देश के अलग-अलग हिस्सों और राज्यों में चुनाव आयोग के दफ्तरों के बाहर देशव्यापी प्रदर्शन व विरोध-प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

उधर चुनाव आयोग ने अपने ऊपर लगे इन तमाम आरोपों और आंतरिक कलह की खबरों को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि प्रशासनिक बैठकों में अलग-अलग नोट्स और सुझाव दर्ज होना एक सामान्य और नियमित प्रक्रिया है। आयोग के अनुसार, एसआईआर और अन्य सभी चुनावी फैसले पूरी सहमति व कानूनी प्रावधानों के तहत ही लिए गए हैं। आपको बता दें कि हाल ही में एक अंग्रेजी दैनिक की खबर में दावा किया गया था कि निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने देशभर में मतदाता सूची के एसआईआर के दौरान नाम जोड़े और हटाए जाने समेत कई मुद्दों पर आपत्तियां जताई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, संधू और जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित रूप से आपत्तियां दर्ज कीं। इनमें से चार आपत्तियां एक ही दिन में उन फैसलों और आदेशों को लेकर दर्ज की गईं, जिनकी जानकारी उन्हें नहीं थी। विवाद के बीच, निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा, आयोग के सभी आधिकारिक आदेश, निर्णय पूर्ण कानूनी मान्यता प्राप्त हैं। किसी भी संस्थान में अलग-अलग विचार और टिप्पणियां विचार-विमर्श का सामान्य हिस्सा हैं। तीनों आयुक्त ही नहीं, बल्कि आयोग का प्रत्येक अधिकारी चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए अपने सुझाव देने के लिए पूरी तरह अधिकृत है। यहां गौरतलब है कि मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर के तहत अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। इसकी शुरुआत जून 2025 में बिहार से हुई थी। इस दौरान चुनाव आयोग ने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी कराए जिनमें बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल शामिल हैं। असम में विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूचियों का एसआईआर नहीं कराया गया। एसआईआर को सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती दी गई है। एसआईआर

को सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती दी गई है। आपको पता रहे कि कांग्रेस ने इस विवाद को ज्ञानेशगेट करार दिया जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के विभिन्न धड़ों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के महाभियोग और एसआईआर से पहले मौजूद मतदाता सूची के आधार पर पश्चिम बंगाल में नए विधानसभा चुनाव कराने की मांग की। सत्तारूढ़ भाजपा ने चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों को कमतर बताते हुए इसे शुद्ध लोकतंत्र का प्रतिबिंब बताया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस और चुनाव आयोग ने वोट चोरी कर देशद्रोह किया है और न्याय होकर रहेगा। गांधी ने कहा कि वोट चोरी भारतीय जनता के खिलाफ अपराध और हमारे संविधान पर सीधा हमला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सवाल किया कि क्या राज्यसभा के सभापति अब 24 अप्रैल को 73 विपक्षी सांसदों द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर दिए गए नोटिस पर फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र को अभी तक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित नहीं किया गया है। इधर इस मुद्दे पर भाजपा का भी वर्जन आया है। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि आधिकारिक विचार-विमर्श के दौरान चुनाव आयुक्तों द्वारा अलग-अलग मत व्यक्त किए जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट शुद्ध लोकतंत्र को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव आयुक्त आपस में संवाद और विचारों का आदान प्रदान नहीं करते तो विपक्षी दल उन पर सरकार की हां में हां मिलाने का आरोप लगाते। निर्वाचन आयोग के कामकाज को नियंत्रित करने वाला कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि उसके फैसले सर्वसम्मति से या बहुमत से होने चाहिएं। टीएन शेषन मामले (1995) में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने सामूहिक निर्णय लेने की व्यवस्था का समर्थन किया था। अदालत ने स्पष्ट किया था कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त न तो सम्राट हैं और न ही अन्य निर्वाचन आयुक्तों से ऊपर कोई प्राधिकारी। वह आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं, लेकिन सभी सदस्यों के पास निर्णय लेने के समान अधिकार होते हैं। चुनाव आयुक्तों में असहमति को लेकर इतना हंगामा लोकतांत्रिक दृष्टि से ठीक नहीं, क्योंकि लोकतंत्र में असहमति का विशेष महत्व है। संसद में सांसद एक-दूसरे के विचारों से असहमत होते हैं। इसी तरह विधानसभाओं और नगर निगमों से लेकर पंचायतों तक में विभिन्न मुद्दों पर हर माननीय की अपनी राय होती है। देश के सर्वोच्च न्यायालय में माननीय न्यायधीशों की अपनी अलग-अलग राय होती है। मुख्य चुनाव आयुक्त से संबंधित कानून को लेकर दो जजों की पीठ में मतभेद का समाचार सुर्खियों में है। राजनीतिक दलों में विचारों को लेकर मतभेद के समाचार तो आये दिन समाचार पत्रों की सुर्खियां बनते हैं, इसके बाद जब निर्णय बहुमत से या सर्वसम्मति से लिया जाता है तो असहमति वाला पक्ष पर्दे के पीछे चला जाता है। चुनाव आयुक्तों में असहमति एक स्वाभाविक व लोकतांत्रिक बात है। कानून की दृष्टि से भी हर आयुक्त को अपने विचार प्रकट करने का अधिकार है, लेकिन फैसला बहुमत या सर्वसम्मति से जो होता है वही मान्य होता है। चुनाव आयुक्तों के आपसी मतभेद तब तक ही महत्व रखते हैं जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता है। निर्णय चाहे बहुमत से आये या सर्वसम्मति से मान्य तो वो ही होगा। विरोध के लिए विरोध लोकतंत्र के हित में नहीं। यह बात उन सबको समझनी चाहिए जो लोकतांत्रिक प्रणाली में विश्वास रखते हैं। जाहिर है कि विपक्ष चुनाव आयोग को घेरने के लिए तमाम तिकड़म लगा रहा है संभव है कि यह अख़बारी रिपोर्ट भी एक सुनियोजित ताने बाने का हिस्सा हो जिस तरह मामले को सनसनीखेज बना कर पेश किया गया है और हाथों हाथ नेता प्रतिपक्ष चुनाव आयुक्त पर आरोप लगा कर राजनीतिक दाव पेच लगा रहे हैं वह खुद में संदेह भरा है। बहरहाल सरकार और चुनाव आयोग को इस सब पर प्रखर होकर अपना पक्ष रखना होगा वहीं चुनाव आयुक्तों के बीच अंदरूनी के खेमेबाजी को भी निगरानी की जरूरत है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पितरो की शांति के लिए करें श्राद्ध!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

सनातन धर्म मे श्राद्ध अपने दिवंगत पूर्वजो का भावपूर्ण स्मरण कर उनके प्रति श्रद्धा भाव अभिव्यक्त करते हुए उनका तर्पण करने का महान अवसर है।जिससे पितरो को असीम शांति प्राप्त हो सके।श्राद्ध पक्ष में पितरो की दिवंगत तिथि को सुबह उठकर स्नान कर देव स्थान व पितृ स्थान को गाय के गोबर से लिपकर व गंगाजल से पवित्र कर लेना चाहिए। महिलाएं शुद्ध होकर पितरों की याद में पितरों की रुचि का भोजन बनाये। इसके बाद ब्राहम्ण को घर पर बुलाकर या मंदिर में पितरों की पूजा और तर्पण का अनुष्ठान कराएं या फिर स्वयं करें। पितरों के समक्ष अग्नि में गाय का दूध, दही, घी और खीर अर्पित करें। उसके बाद पितरों के लिए बनाए गए भोजन के चार ग्रास निकालें जिसमें एक हिस्सा गाय, एक कुत्ते, एक कौए और एक अतिथि के लिए रखें। गाय, कुत्ते और कौए को भोजन डालने के बाद ब्राहम्ण को आदरपूर्वक भोजन कराएं, उन्हें वस्त्र और दक्षिणा दें। ब्राहम्ण के रूप में आपका दामाद या ध्याना भी हो सकता है। यदि कोई व्यक्ति किसी कारणों से बड़ा श्राद्ध नहीं कर सकता तो उसे पूर्ण श्रद्धा के साथ अपने सामर्थ्य अनुसार उपलब्ध अन्न, साग-पात-फल और दक्षिणा किसी ब्राह्मण को आदर भाव से समर्पित करनी चाहिए। श्राद्ध पक्ष में ।।ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।।मन्त्र का वाचन करना चाहिए। जिस दिन श्राद्ध हो उस दिन श्राद्ध की शुरूआत और समापन में ।।देवताभ्यः पितृभ्यश्च महायोगिभ्यन एव च। नमः स्वाहायै स्व धायै नित्ययमेव भवन्तु त।।का वाचन करे। आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से पितृ पक्ष श्राद्ध आरंभ होता है। पितर 2 प्रकार के होते हैं एक दिव्य पितर और दूसरे पूर्वज पितर। दिव्य पितर ब्रह्मा के पुत्र मनु से उत्पन्न हुए ऋषि हैं। पितरों में सबसे प्रमुख अर्यमा हैं जिनके बारे में गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि पितरों में प्रधान अर्यमा वे स्वयं हैं।दूसरे प्रकार के पितर पूर्वज होते हैं। पितृपक्ष में अपने इन्हीं पितरों को लोग याद करते हैं और इनके नाम से पिंडदान, श्राद्ध और ब्राह्मण भोजन करवाते हैं। कठोपनिषद्, गरुड़ पुराण, मार्कण्डेय पुराण के अनुसार पितर अपने परिजनों के पास पितृपक्ष श्राद्ध के समय आते हैं और अन्न जल एवं आदर की अपेक्षा करते हैं। जिन परिवार के लोग पितृ पक्ष के दौरान पितरों के नाम से अन्न जल दान नहीं करते। श्राद्ध कर्म नहीं करते हैं। उनके पितर भूखे-प्यासे धरती से लौट जाते हैं। इससे परिवार के लोगों को पितृ दोष लगता है। इसे पितृ शाप भी कहते हैं। इससे संतान प्राप्ति में बाधा आती है। परिवार में रोग और कष्ट बढ जाता है।

व्यसन जीवन की ख़ुशियों को निगलने वाला मौन संकट

कांतिलाल मांडोत

व्यसन मानव जीवन के लिए ऐसी बुराई है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति की सोच, स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक प्रतिष्ठा को अपने घेरे में ले लेती है। शुरुआत अक्सर शौक, मित्रों के आग्रह या आधुनिक जीवनशैली के आकर्षण के रूप में होती है, लेकिन समय के साथ यही आदत व्यक्ति को अपने नियंत्रण में ले लेती है। जिस नशे को मनुष्य अपनी स्वतंत्रता समझता है, वही बाद में उसकी निर्भरता बन जाता है। व्यसन व्यक्ति की इच्छाशक्ति को कमजोर करता है और उसे विवेकपूर्ण निर्णय लेने की क्षमता से दूर कर देता है।

शराब और अन्य नशे केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहते। इनका असर व्यक्ति के व्यवहार पर पड़ता है और परिवार की शांति भी प्रभावित होती है। घर की आय का एक हिस्सा यदि नशे में खर्च होने लगे तो बच्चों की शिक्षा, परिवार की आवश्यकताओं और भविष्य की योजनाओं पर सीधा असर पड़ता है। धीरे-धीरे आर्थिक परेशानी बढ़ती है और कई परिवार कर्ज तथा तनाव के चक्र में फंस जाते हैं। नशे की आदत व्यक्ति को अपने दायित्वों से विमुख कर सकती है और परिवार के सदस्यों के बीच विश्वास तथा अपनापन कमजोर पड़ सकता है। आज शराब का सेवन केवल किसी एक सामाजिक वर्ग तक सीमित नहीं माना जा सकता। आधुनिकता और दिखावे की प्रवृत्ति ने इसे कई स्थानों पर सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ दिया है। कुछ लोग खुशी के अवसर पर शराब को उत्सव का हिस्सा मानते हैं तो कुछ तनाव और परेशानी से बचने के लिए इसका सहारा लेते हैं। लेकिन किसी भी परिस्थिति में नशा समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। खुशी मनाने के लिए शराब आवश्यक नहीं है और तनाव दूर करने के लिए भी इसका सहारा अंततः नई परेशानियां पैदा कर सकता है। नशे का सबसे गंभीर प्रभाव व्यक्ति की विवेक शक्ति पर पड़ता है। नशे की स्थिति में सही और गलत के बीच अंतर करना कठिन हो सकता है। क्रोध, आवेश और असंयम बढ़ सकता है तथा ऐसे निर्णय लिए जा सकते हैं जिनका नुकसान बाद में लंबे समय तक भुगतना पड़ता है। कई बार व्यक्ति नशे की हालत में अपने परिवार, मित्रों और समाज के प्रति ऐसा व्यवहार कर बैठता है, जिसका उसे सामान्य स्थिति में पछतावा होता है। इसलिए व्यसन को केवल व्यक्तिगत आदत मानना पर्याप्त नहीं है। इसका प्रभाव सामाजिक जीवन तक पहुंचता है। भारतीय चिंतन परंपरा में संयम को सदैव जीवन का महत्वपूर्ण आधार माना गया है। जैन दर्शन में आत्मसंयम, अहिंसा और त्याग को विशेष महत्व दिया गया है। संयम का अर्थ केवल किसी एक बुराई से दूर रहना नहीं, बल्कि अपनी इच्छाओं और प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखना भी है। जब मनुष्य अपनी इच्छाओं का स्वामी रहता है तो जीवन संतुलित रहता है, लेकिन जब इच्छाएं ही मनुष्य को नियंत्रित करने लगती हैं तो पतन की शुरुआत हो जाती है। व्यसन इसी मानसिक गुलामी का एक रूप है। नशे की आदत का असर स्वास्थ्य पर भी गंभीर रूप से पड़ सकता है। लंबे समय तक शराब का सेवन शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित कर सकता है और अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। व्यक्ति की कार्यक्षमता घटती है, मानसिक एकाग्रता प्रभावित हो सकती है और जीवनशैली असंतुलित होने लगती है। युवावस्था में नशे की शुरुआत विशेष चिंता का विषय है, क्योंकि यही समय शिक्षा, कौशल निर्माण और भविष्य की दिशा तय करने का होता है। यदि इस दौर में युवा नशे की गिरफ्त में आ जाएं तो उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का सकारात्मक उपयोग बाधित हो सकता है। व्यसन से मुक्ति केवल कानून या सरकारी व्यवस्था के भरोसे संभव नहीं है। समाज को भी इसमें अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। परिवार बच्चों और युवाओं से खुलकर संवाद करें तथा उन्हें नशे के नुकसान के बारे में समझाएं। विद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं को भी जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना चाहिए। धार्मिक और सामाजिक संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे लोगों में आत्मसंयम, सदाचार और जिम्मेदारी की भावना विकसित कर सकते हैं। समाज यदि सामूहिक रूप से नशे के विरुद्ध संकल्प ले तो परिवर्तन अधिक प्रभावी हो सकता है। अनेक स्थानों पर सामाजिक संगठनों और समुदायों ने लोगों को शराब छोड़ने के लिए प्रेरित किया है। ऐसे प्रयास तभी सफल होते हैं जब उनका आधार भय नहीं बल्कि जागरूकता, आत्मसम्मान और सामूहिक जिम्मेदारी हो। व्यक्ति को यह समझना होगा कि नशा छोड़ना कमजोरी नहीं, बल्कि अपने जीवन पर दोबारा नियंत्रण स्थापित करने का साहस है। युवाओं को विशेष रूप से विज्ञापन, दिखावे और साथियों के दबाव से सावधान रहने की जरूरत है। आधुनिक जीवन में मनोरंजन के अनेक स्वस्थ विकल्प उपलब्ध हैं।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मध्य रेल चलाएगा 13 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें, दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पर यात्रियों को मिलेगी सुविधा

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल ने दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ जैसे त्योहारों पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए 13 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। ये ट्रेनें 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक चलेंगी। इनमें आनंद विहार-पाटलिपुत्र (04096/04095), पोत्तनूर-बरौनी (06021/06022), आनंद विहार-जोगबनी (04008/04007), आनंद विहार-मुजफ्फरपुर (04028/04027), योगनगरी ऋषिकेश-मुजफ्फरपुर (04314/04313), नई दिल्ली-सुपौल (04072/04071) और दिल्ली-कामाख्या (04076/04075) जैसी प्रमुख ट्रेनें शामिल हैं। ये ट्रेनें नई दिल्ली, आनंद विहार, चंडीगढ़, फिरोजपुर कैंट, एरणाकुलम, पोत्तनूर, जोगबनी, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, सुपौल, दरभंगा और कामाख्या जैसे शहरों के लिए चलेंगी। इसके अलावा, चंडीगढ़-पटना (04512/04511), फिरोजपुर कैंट-पटना (04616/04615), एरणाकुलम-पटना (06085/06086), दिल्ली-सीतामढ़ी (04010/04009) और शकूरबस्ती-दरभंगा (04098/04097) के बीच भी स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। 04014/04013 आनंद विहार-लौकहा बाजार स्पेशल ट्रेन भी शामिल है। कई ट्रेनें हाजीपुर, सोनपुर, पाटलिपुत्र, शाहपुर पटोरी और बरौनी जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी।

सरकारी स्कूल की छात्रा से मारपीट, केस दर्ज, वैशाली में गिरफ्तारी के लिए बनाई गई विशेष टीम

हाजीपुर। वैशाली के महनार थाना क्षेत्र के सरकारी स्कूल की छात्रा से मारपीट के मामले में FIR दर्ज की गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह घटना 28 सितंबर की है, जिसमें कांड संख्या 497/26 दर्ज हुआ है। जांच के दौरान पीड़िता का बयान दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, बयान में मारपीट की बात सामने आई, पर छेड़छाड़ का कोई तथ्य नहीं मिला। पीड़िता और आरोपी एक-दूसरे को

पहले से जानते हैं। पुलिस को जानकारी मिली है कि कुछ दिन पहले दोनों परिवारों के बीच विवाद हुआ था। SDPO महनार और थाना पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई ठिकानों पर छापेमारी की। आरोपी फरार मिला, पर उसकी मोटरसाइकिल जब्त कर ली गई। आरोपियों को पकड़ने के लिए SDPO महनार के नेतृत्व में महनार थाना और अन्य स्थानीय थानों के पुलिस अधिकारियों की विशेष टीम बनाई गई है। टीम लगातार छापेमारी कर रही है।

पुरानी रंजिश में युवक को पैर में मारी गोली, घर पर ही निकाली गोली, 2 लोगों पर आरोप

हाजीपुर। हाजीपुर के महनार थाना क्षेत्र के मच्छर गाछी में मंगलवार सुबह पुरानी रंजिश में एक युवक को गोली मार दी गई। गोली लहरीचक निवासी सरयुग राय के बेटे कृष्णा कुमार के पैर में लगी है। घटना के बाद परिजनों ने स्थानीय डॉक्टर की मदद से घर पर ही गोली निकलवाई। कृष्णा कुमार ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 4 बजे दो बदमाशों ने उसे गोली मारी और फरार हो गए। परिजनों ने पुराने विवाद को लेकर अखिलेश कुमार और अविनाश कुमार पर गोली मारने का आरोप लगाया है। घटना के बाद प्राथमिक उपचार के लिए कृष्णा को महनार पीएचसी ले जाया गया। वहां से डॉक्टरों ने उसे

हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायल पक्ष का आरोप है कि घटना की सूचना देने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। वहीं, महनार थानाध्यक्ष अखिलेश्वर पाठक ने बताया कि पुलिस को घटना की जानकारी नहीं मिली थी। उन्होंने यह भी कहा कि महनार अस्पताल में घायल का इलाज नहीं हुआ है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस अपने स्तर पर मामले की जांच कर रही है।

फोरलेन निर्माण से जलजमाव की समस्या, ग्रामीणों की शिकायत पर एसडीओ ने किया निरीक्षण

पटना। पटना जिले के अथमलगोला में करजान-ताजपुर फोरलेन सड़क (चेनेज नंबर 0+330) बन रही है। इसके निर्माण से इलाके में जलजमाव की गंभीर समस्या हो गई है। ग्रामीणों की शिकायत पर अनुमंडलाधिकारी कृष्णा जोशी ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने पुल निर्माण कंपनी और पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों से बात की। साथ ही, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से भी स्थिति की जानकारी ली और समाधान पर विचार किया। धौकल राय के टोला, तीनपैया, मीता सिंह के टोला और लहरिया टोला के ग्रामीणों का कहना है कि फोरलेन बनने से प्राकृतिक जल निकासी बंद हो गई है। बारिश और बाढ़ में घरों, खेतों और सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे जनजीवन मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने साफ कहा कि अगर जल्द स्थायी समाधान नहीं निकला और पर्याप्त अंडरपास/बॉक्स कलवर्ट नहीं बने, तो वे आंदोलन करेंगे। पुल निर्माण कंपनी ने तीन दिन में समस्या का समाधान निकालने का भरोसा दिया है। इससे ग्रामीणों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है।

इंडियन आर्मी की 14वीं बिहार बटालियन की स्वर्ण जयंती रैली, बिहार रेजीमेंटल सेंटर से अगले पड़ाव के लिए निकली

पटना। पटना के दानापुर स्थित 14वीं बिहार बटालियन के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में निकाली जा रही स्वर्ण जयंती बाइक रैली बुधवार को दानापुर छावनी से अगले पड़ाव के लिए रवाना हुई। 'प्रोजेक्ट शौर्य संबंध' के तहत आयोजित रैली को ब्रिगेडियर राकेश कुमार बोरा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में 12 राइडरों का दल शामिल है, जो करीब 1,840 किलोमीटर की यात्रा पूरी करेगा। इसका उद्देश्य बटालियन की गौरवशाली परंपराओं को लोगों तक पहुंचाने के साथ युवाओं को सेना की सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए प्रेरित करना है।

24 सितंबर को कोलकाता से शुरू हुई थी रैली: स्वर्ण जयंती रैली की शुरुआत 24 सितंबर को कोलकाता के फोर्ट विलियम से हुई थी। इसके बाद राइडर ओडिशा और झारखंड से होते हुए 28 सितंबर की शाम दानापुर पहुंचे। दानापुर छावनी में रैली का स्वागत किया गया। इसके बाद 29 सितंबर को रैली दल ने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से मुलाकात की।

पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से सुने अनुभव: राइडरों ने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से बातचीत कर उनके सैन्य जीवन और सेवा के अनुभव सुने। इस दौरान राष्ट्र के प्रति उनके योगदान के लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया। 'प्रोजेक्ट शौर्य संबंध' के तहत आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान पीढ़ी और पूर्व सैनिकों के बीच जुड़ाव को मजबूत करना भी है।

गया और धनबाद होते हुए आगे बढ़ेगी रैली: दानापुर से रवाना होने के बाद रैली गया और धनबाद होते हुए आगे बढ़ेगी। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर सेना से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रैली का समापन वापस कोलकाता पहुंचने के बाद होगा। आयोजन के जरिए युवाओं को सेना की परंपराओं, अनुशासन और राष्ट्र सेवा की भावना से जोड़ने का संदेश दिया जा रहा है।

बीच सड़क महिला पर चाकू से वार आरोपी बोला- ब्लैकमेल करती थी

एजेंसी, पटना

पटना में बीच सड़क एक महिला पर एक शख्स ने उस पर 10 बार चाकू से वार किया। वो महिला को चाकू से गोदता रहा और वहां खड़ी भीड़ चुपचाप सब देखती रही। भीड़ने बढ़ने पर आरोपी वहां से आराम से निकल गया। महिला पर चाकू से हमले का सीसीटीवी फुटेज भी आया है। महिला को स्थानीय लोगों ने गंभीर हालत में एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया है। आरोपी की पहचान 37 साल के राजकुमार के तौर पर हुई है।

आरोपी का कहना है कि महिला से उसका संबंध था। महिला उसे बार-बार मिलने के लिए बुलाती थी। वो खुद शादी शुदा है और महिला की हरकतों से उसकी बदनामी हो रही थी। इस वजह से उसने महिला पर हमला किया। घटना सोमवार की न्यू एतवारपुर-कुरथौल इलाके की है। वहीं महिला का आरोप है कि आरोपी की वजह से ही उसका पति

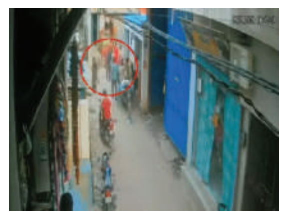

और बच्चे उससे दूर गए। महिला के घायल होने की सूचना पुलिस ने उसके पति को दी। इस पर पति ने पुलिस से कहा कि अब उसका पत्नी से कोई संबंध नहीं है। घायल महिला के दो बच्चे हैं। पति का आरोप है कि उसकी पत्नी का कई लोगों से संबंध है। ऐसे में वो बच्चों को उसके साथ नहीं रख सकता। इसलिए वो दोनों बच्चों के साथ जहानाबाद में रहता है। पुलिस ने महिला के अन्य लोगों से संबंध होने से जुड़ी जानकारी मिली है।

महिला के इलाके में ही रहता है आरोपी: महिला पिछले 1 साल से अकेल रहती थी। आरोपी राजकुमार भी न्यू एतवारपुर इलाके

घायल ने कहा- इसकी वजह से पति-बच्चे मुझसे दूर हो गए

का ही रहने वाला है। दोनों की जान पहचान करीब 1 साल से थी। राजकुमार का दावा है कि उसके और महिला के संबंध के बारे में उसके घर वाले जान गए थे। वो उससे दूर जाना चाहता था, लेकिन महिला बार-बार उससे मिलने की कोशिश कर रही थी। समझाने के बाद भी महिला उससे मिलने की जिद्द करती थी।6 महीने पहले महिला न्यू एतवारपुर से गांधी मैदान इलाके में रहने चली गई। आरोपी का कहान है कि दूरी होने के बाद भी लगातार महिला फोन कर मिलने शादी की दबाव बना रही थी।

महिला से बदला लेने का बनाया प्लान: आरोपी ने पुलिस को बताया है कि वो महिला की हरकतों से परेशान हो चुका था। वो गुस्से में था। सोमवर को महिला गांधी मैदान से न्यू एतवारपुर इलाके में कपड़ा सिलाने के लिए पहुंची थी। आरोपी को इस बात की जानकारी पहले से थी। आरोपी के मुताबिक जैसे ही महिला उसकी गली से कुछ दूरी पर पहुंची उसने मुर्गा काटने वाले चाकू से महिला पर वार करना शुरू कर दिया।

महिला ने प्राथमिकी दर्ज कराई, कहा- परेशान करता था: महिला ने राजकुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि राजकुमार लगातार उसे परेशान किया करता था। वो न्यू एतवारपुर से गांधी मैदान इलाके में चली आई थी। उसके बाद भी राजकुमार उसका पीछा नहीं छोड़ रहा था। इसकी वजह से पति और बच्चे मुझसे दूर चले गए। पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। पुलिस का कहना है कि घटना को लेकर आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

बिहार के जवान ने सीआईएसएफ कैंप में फायरिंग की, 4 मौतें

एजेंसी, पटना

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स यानी CISF कैंप में बिहार के जवान ने अपने साथियों पर गोली चला दी। इसमें 4 जवानों की मौत हो गई। घटना मंगलवार शाम 7.30 बजे की है। मरने वालों में असिस्टेंट कमांडेंट अंकित कुमार पांडे, एसआई लक्ष्मण सिंह, कॉन्स्टेबल रफीक अहमद और कॉन्स्टेबल संदीप कुमार शामिल हैं।

ये जवान हिमाचल प्रदेश की सीमा से सटे बसोहली के पावर प्रोजेक्ट की सुरक्षा में तैनात थे। CISF कर्मियों के बीच बहस के बाद बिहार के जवान ने अभिदेश कुमार सिंह फायरिंग कर दी, जिसमें 4 जवानों की मौत हो गई। कठुआ पुलिस ने आरोपी जवान को गिरफ्तार कर लिया है।

अवधेश कुमार सिंह की पत्नी पूजा देवी भी CISF में लेडी हेड कॉन्स्टेबल है। दरअसल अवधेश और उसकी पत्नी लेडी हेड कॉन्स्टेबल पूजा देवी दोनों एक ही प्रोजेक्ट साइट पर तैनात हैं और उनकी ड्यूटी अलग-अलग शिफ्ट में लगती थी। अवधेश के बौखलाहट के पीछे बच्चे के हैंडओवर को लेकर

एक मामूली विवाद था।

घटना की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, बहस इस बात पर शुरू हुई थी कि यह जोड़ा अक्सर अपने छोटे बच्चे को काम की जगह पर ले आता था। जांच अधिकारी ने कहा कि यह पति-पत्नी एक ही साइट पर अलग-अलग शिफ्ट में काम करते थे। जब एक साथी ड्यूटी पर आता था, तो वह बच्चे को साथ लाता था ताकि उसे घर लौट रहे दूसरे साथी को सौंप सके। दोनों को बच्चे को प्रोजेक्ट साइट पर न लाने के लिए कहा गया था। विवाद पत्नी पूजा और उसके बच्चे को क्वार्टर गार्ड में आने को लेकर शुरू हुआ। बताया जा रहा है कि जब अभिदेश कुमार सिंह ड्यूटी पर होते थे, उस दौरान लेडी हेड कॉन्स्टेबल पूजा देवी अपने बच्चे के साथ क्वार्टर गार्ड में आती थीं।

आयुष्मान योजना में वित्तीय गड़बड़ी आईजीआईएमएस ने प्रभारी को हटाया

एजेंसी, पटना

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) ने आयुष्मान भारत योजना में कथित वित्तीय अनियमितताओं के बाद व्यवस्था में बदलाव किया है। संस्थान ने आयुष्मान योजना की निगरानी के लिए नई समिति का गठन किया है। अब हर शुक्रवार शाम 4 बजे योजना की साप्ताहिक समीक्षा होगी। वहीं, आयुष्मान के मुख्य नोडल अधिकारी डॉ. जीऊत राम केसरी को भी पद से हटा दिया गया है।

यह बदलाव तब हुआ जब प्रधान महालेखाकार (CAG) ने 13 करोड़ 89 लाख 47 हजार 358 रुपए की राजस्व हानि पर सवाल उठाए थे। CAG ने 28 नवंबर 2025 को IGIMS को पत्र भेजकर इस पर जवाब मांगा था। नई समिति आयुष्मान योजना के बेहतर संचालन, लंबित क्लेम की निगरानी और मरीजों को समय पर सुविधा देने का काम करेगी। इसकी अध्यक्षता

IGIMS के निदेशक करेंगे।

इसी बीच IGIMS में करीब 45 लाख रुपए की वित्तीय अनियमितता/गबन का एक अलग मामला भी सामने आया। संस्थान की ओर से इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है और जांच की कार्रवाई चल रही है। प्रारंभिक जांच में आउटसोर्सिंग एजेंसी से जुड़े कुछ कर्मियों की भूमिका की बात सामने आने का दावा किया गया है। आरोप है कि अस्पताल के हॉस्पिटल इंफार्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम (HIMS) में मरीजों से संबंधित रिकॉर्ड का इस्तेमाल कर आयुष्मान योजना के तहत अनियमित तरीके से क्लेम किया गया।

कुर्जी में 7 लाख, गर्दनीबाग में 5 लाख की चेन झपटी, बाइक सवार लड़की ने की छिनतई

एजेंसी, पटना

पटना के कुर्जी मोड़ के पास बुधवार सुबह बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति के गले से करीब 7 लाख रुपए कीमत की सोने की चेन झपट ली। वारदात सुबह करीब 7:50 बजे की बताई जा रही है। पीड़ित की पहचान कुर्जी मोड़ निवासी पंकज कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद बाइक सवार दोनों आरोपी फरार हो गए। पुलिस आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगालकर उनकी पहचान में जुटी है।

पार्षद कार्यालय जाने के दौरान वारदात: पंकज कुमार ने पुलिस को बताया कि वह बुधवार सुबह करीब 7:40 बजे घर से पार्षद कार्यालय जाने के लिए निकले थे। कुर्जी मोड़ के पास पहुंचते ही एक बाइक पर सवार दो लोग उनके पास आए। बाइक एक युवक चला रहा था, जबकि उसके पीछे एक लड़की बैठी थी। आरोप है कि बाइक सवारों ने मौका देखकर पंकज कुमार के करीब बाइक की और पीछे बैठी लड़की ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली।

शोर मचाने तक फरार हो चुके थे

आरोपी: चेन झपटने के बाद दोनों बाइक सवार तेजी से मौके से फरार हो गए। पंकज कुमार ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी, लेकिन तब तक आरोपी काफी दूर निकल चुके थे। पीड़ित के मुताबिक, छिने गए चेन की कीमत करीब 7 लाख रुपए है।

गर्दनीबाग में 5 लाख की चेन झपटी: इसके अलावा राजधानी के गर्दनीबाग इलाके में भी सुबह के वक्त चेन स्नेचिंग की वारदात हुई है। बाइक सवार बदमाशों ने 5 लाख की चेन झपट ली है। पीड़ित राकेश सिंह ने बताया कि वे पेशे से ठीकेदार हैं। आज सुबह मॉर्निंग वॉक कर के लौट रहे थे। साधनापुरी पार्क के पास वे सब्जी खरीदने लगे। इसी बीच एक बाइक पर सवार दो बदमाश आए और चेन झपट ली।' उन्होंने बताया, बाइक के पीछे महिला बैठी थी, उसी ने चेन झपटी। मैंने और आसपास के लोगों ने उन्हें पकड़ने की कोशिश भी की, लेकिन वे बहुत तेजी से फरार हो गए।'

CCTV फुटेज से पहचान की कोशिश: घटना की जानकारी मिलने के बाद दोनों घटनास्थल पर पटना पुलिस पहुंची और पीड़ितों से पूरी जानकारी ली। पुलिस आसपास के दुकानों और रास्तों पर लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। बाइक के आने-जाने वाले रास्ते की CCTV फुटेज भी देखी जा रही है, ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके।

नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर निर्देश, जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस की याचिका पर सुनवाई

एजेंसी, हाजीपुर

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नाबालिगों की सुरक्षा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जरूरी कानूनी नियम बनाने पर विचार करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे प्रावधान किए जाने चाहिए, जिससे सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नाबालिगों से संबंधित भारतीय कानूनों का पालन करने के लिए बाध्य हों। यह मामला हाजीपुर में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिका में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा और उनके शोषण से जुड़े खतरों को रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था की मांग की गई थी।

प्लेटफॉर्म से अनुबंध के लिए 18 वर्ष की उम्र का पालन: मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने मामले की सुनवाई की। पीठ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ अनुबंध के संदर्भ में 18 वर्ष की न्यूनतम आयु सीमा से जुड़े प्रावधानों के पालन पर जोर दिया। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने केंद्र सरकार से इस व्यवस्था

को इंटरमीडियरी नियमों में शामिल करने की दिशा में कदम उठाने को कहा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि केंद्र सरकार इस मुद्दे की जांच करेगी और जरूरत के अनुसार आवश्यक कदम उठाएगी।

बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने की मांग: याचिकाकर्ता संस्था की ओर से बच्चों को ऑनलाइन यौन शोषण, ट्रैफिकिंग, सेक्सटॉर्शन और साइबर बुलिंग जैसे खतरों से बचाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जवाबदेही तय करने की मांग की गई थी। स्व.कन्हाई शुक्ला सामाजिक

♦ केंद्र से भारतीय कानूनों के पालन के लिए जरूरी नियम बनाने को कहा

सेवा संस्थान के सचिव डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को बच्चों की सुरक्षा से जुड़े भारतीय कानूनों का पालन करना जरूरी होना चाहिए। उनके मुताबिक, सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच नाबालिगों को ऑनलाइन शोषण और साइबर अपराधों से बचाने के लिए प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था जरूरी है।

क्या है याचिका का आधार: जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा के लिए कानूनी और नियामकीय व्यवस्था मजबूत करने की मांग की थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से आवश्यक नियम बनाने और मौजूदा इंटरमीडियरी नियमों में जरूरी प्रावधान शामिल करने पर विचार करने को कहा है।

बहादुरपुर में आधुनिक आवासीय विकास का मार्ग प्रशस्त, एनबीसीसी के साथ होगा एमओयू

एजेंसी, पटना

नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि बिहार राज्य आवास बोर्ड की बहादुरपुर, सेक्टर-6, पटना स्थित जर्जर आवासीय कॉलोनी के स्व-वित्तपोषित पुनर्विकास (रिडेवलपमेंट) की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने तथा योजना से संबंधित आवश्यक निर्णय लेने हेतु बिहार राज्य आवास बोर्ड को प्राधिकृत करने की स्वीकृति मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदान की गई है।

उन्होंने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में बताया कि इसी प्रकार बहादुरपुर, सेक्टर-5 में टीवी टावर के निकट बिहार राज्य आवास बोर्ड की लगभग 8.5 एकड़ भूमि पर स्व-वित्तपोषित परियोजना के विकास का मार्ग भी प्रशस्त हुआ

है। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिएएनबीसीसी(इंडिया) लिमिटेड. के साथ एमओयू करने तथा योजना से संबंधित आवश्यक निर्णय लेने हेतु बिहार राज्य आवास बोर्ड को प्राधिकृत करने की स्वीकृति मंत्रिपरिषद द्वारा दी गई है।

नीतीश मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी के दूरदर्शी विज़न और सशक्त नेतृत्व में बिहार के शहरी क्षेत्रों के समग्र एवं आधुनिक विकास को नई दिशा मिल रही है। बहादुरपुर की आवासीय परियोजनाओं से जुड़े इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री जी तथा मंत्रिपरिषद के सभी सम्मानित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गंगा का जलस्तर बढ़ने से कई घाट डूबे, कृष्ण घाट पर खतरे के निशान से 3 फीट ऊपर जलस्तर, डीएम बोले-सड़क मरम्मत मिशन मोड में हो

एजेंसी, पटना

पटना में एक तरफ गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने से घाटों पर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। गंगा के कई घाटों पर पानी खतरे के निशान से करीब 2 मीटर ऊपर बह रहा है। जलस्तर बढ़ने से गंगा किनारे रहने वाले लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कई घाट जलमग्न हो गए हैं और आने-जाने के रास्ते भी पानी में डूब गए हैं। वहीं, दूसरी ओर बाढ़ और अत्यधिक बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत को लेकर जिला प्रशासन ने मिशन मोड में काम शुरू करने का निर्देश दिया है।

गंगा घाटों पर बढ़ा पानी, तर्पण-पिंडदान में भी परेशानी: गंगा का पानी बढ़ने के कारण पटना के कई घाट पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। इसके बावजूद लोग अपने पूर्वजों का तर्पण और पिंडदान करने के लिए घाटों तक पहुंच रहे हैं। घाटों पर पानी भर जाने के कारण लोगों को किनारे बैठकर ही पानी में तर्पण और पिंडदान करना पड़ रहा है। घाटों पर व्यवसाय करने वाले लोगों की परेशानी भी बढ़ गई है। पानी बढ़ने के कारण उन्हें अपने सामान के साथ पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण गंगा किनारे के इलाकों में स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

कृष्ण घाट का पाथवे पानी में डूबा: पटना के कृष्ण घाट पर भी गंगा के बढ़ते जलस्तर का असर साफ दिखाई दे रहा है। घाट के ऊपर करीब तीन फीट पानी चढ़ गया है। इसके कारण पाथवे पूरी तरह बंद हो गया है और लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है। वहीं गांधी घाट से मरीन ड्राइव की तरफ जाने वाला पाथवे भी पूरी तरह बंद हो गया है। पानी बढ़ने के कारण घाटों पर लोगों

के आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है।

ट्रांसफार्मर तक पहुंचा पानी, हादसे का खतरा: कृष्ण घाट पर पानी बढ़ने के साथ वहां लगे बिजली के ट्रांसफार्मर तक भी पानी पहुंचने लगा है। पानी ट्रांसफार्मर को लगभग छू रहा है। ऐसे में यहां सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने से घाटों पर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

बाढ़ और बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की मिशन मोड में होगी मरम्मत: इधर, बाढ़ और अत्यधिक बारिश के कारण पटना जिले में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत को लेकर जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने अधिकारियों को मिशन मोड में काम करने का निर्देश दिया है। डीएम ने ग्रामीण कार्य विभाग, पथ निर्माण विभाग, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम और सभी नगर निकायों सहित सड़क निर्माण और अनुरक्षण से जुड़े विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर सड़क मरम्मत कार्य की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने कहा कि अगले एक सप्ताह तक जिले में सड़क मरम्मत और अनुरक्षण के काम पर विशेष फोकस रखा जाए। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बाढ़ और अत्यधिक बारिश से जिन सड़कों को नुकसान पहुंचा है, उनकी सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत शुरू की जाए।

सड़क टूटने की सूचना मिलते ही शुरू हो कार्रवाई: डीएम ने सभी संबंधित विभागों को अपने-अपने क्षेत्र में ऐसा प्रभावी मैकेनिज्म तैयार करने का निर्देश दिया है, जिससे सड़क क्षतिग्रस्त होने की सूचना तत्काल मिल सके और बिना किसी देरी के मरम्मत शुरू कराई जा सके। उन्होंने सड़क क्षति की सूचना मिलने से लेकर निरीक्षण, मरम्मत और उसके बाद अनुश्रवण तक की पूरी प्रक्रिया को सक्रिय और जवाबदेह बनाने को कहा। अधिकारियों को नियमित रूप से अपने क्षेत्र की सड़कों का निरीक्षण करने का भी निर्देश दिया गया है।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवाहक
बोकारो, गुरुवार, 01 अक्टूबर, 2026

संक्षिप्त समाचार

युवा महोत्सव की तैयारी शुरू

लखनऊ। विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग-2026 के तहत 13 और 14 अक्तूबर को जनपद स्तरीय युवा महोत्सव होगा। यह आयोजन युवा कल्याण व प्रांतीय रक्षक दल विभाग की ओर से गोमतीनगर के लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में किया जाएगा। इसमें 15 से 29 वर्ष तक के युवा अपनी प्रतिभा दिखा सकेंगे। जिला युवा कल्याण व प्रांतीय विकास दल अधिकारी अनिल कुमार तिवारी ने प्रतियोगिताओं की जानकारी दी। उत्सव में लोकनृत्य समूह, लोकगीत समूह, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला और कविता लेखन प्रतियोगिताएं होंगी। नुक्कड़ नाटक में अधिकतम 10 प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे। इसमें लखनऊ निवासी या अध्ययनरत प्रतिभागी ही हिस्सा ले सकेंगे। एक प्रतिभागी केवल एक विधा में माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कर सकता है। जिला स्तर के विजेता नवंबर में राज्य स्तरीय युवा उत्सव में शामिल होंगे। राज्य स्तर के विजेताओं को 12 जनवरी 2027 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री से संवाद का अवसर मिलेगा।

सतर्कता और उत्कृष्ट संरक्षा कार्य के लिए शहर के छह रेलकर्मी सम्मानित

कानपुर, एजेंसी। रेल परिचालन में सतर्कता और उत्कृष्ट संरक्षा कार्य के लिए प्रयागराज मंडल के 20 रेल कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इनमें कानपुर से जुड़े छह रेलकर्मी शामिल हैं। मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभागार में कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। सम्मानित होने वालों में लोको पायलट सौरभ चंद्र शुक्ला, छवि लाल कुंवर, गुड्स ट्रेन मैनेजर न्यू कानपुर नैना कनौजिया, सहायक लोको पायलट काजल कुमारी, प्रवेश मीना, सहायक लोको पायलट कानपुर न्यू मनीष कुमार शामिल हैं। डीआरएम ने कर्मचारियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सतर्कता और जिम्मेदारी से अन्य रेलकर्मियों को भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सुरक्षित रेल परिचालन को सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बताया।

पुराने पेंशनर्स को आठवें वेतन आयोग में करें शामिल

कानपुर, एजेंसी। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से पेंशनरों ने मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन कर आठवें वेतन आयोग में शामिल किए जाने की मांग की। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित 12 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के अध्यक्ष बीएल गुलाबिया ने बताया कि सरकार वित्त विधेयक अधिनियम-2025 लाकर पुराने पेंशनरों को आठवें वेतन आयोग के लाभों से वंचित करना चाहती है। पुराने पेंशनरों को आठवें वेतन आयोग में शामिल करने, वरिष्ठ नागरिक आयोग के गठन, रेल किराये में छूट और दीन दयाल उपाध्याय कैशलेस योजना का लाभ देने की मांगें हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कुमार मिश्रा, आरपी श्रीवास्तव, बेचे लाल कुशवाहा, चंद्र हंस सिंह चौहान, सरदार इंद्रजीत सिंह गिल आदि मौजूद रहे।

सिंहवाहिनी चौक से आजाद चौक तक बनेगी स्मार्ट रोड

गोरखपुर , एजेंसी। सिंहवाहिनी चौक से आजाद चौक वाया दुर्गा मंदिर तक करीब 1,200 मीटर लंबी और 15 मीटर चौड़ी सड़क को मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (सीएम ग्रिड) के तहत स्मार्ट रोड के रूप में विकसित करने की तैयारी है।सांसद रवि किशन के प्रस्ताव पर अर्बन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एजेंसी (यूरिडा) की टीम ने सड़क का स्थलीय जायजा लिया। नगर निगम अब इस सड़क को स्मार्ट रोड के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजेगा। सड़क के साथ जलनिकासी, पैदल पथ, पथ प्रकाश समेत अन्य शहरी सुविधाएं विकसित करने की योजना है।रुस्तमपुर ढाला से आजाद चौक, बगहा बाबा मंदिर होते हुए मलौनी बांध तक करीब तीन किलोमीटर सड़क को लोक निर्माण विभाग 20.34 करोड़ रुपये से डबल लेन बना रहा है। नगर निगम के मुख्य अभियंता अमित शर्मा ने बताया कि सांसद रवि किशन ने रुस्तमपुर ढाला से आजाद चौक तक की सड़क को सीएम ग्रिड्स योजना में स्मार्ट रोड के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव दिया था।

अब हॉस्टल में ही मिलेगा भोजन, ड्यूटी में व्यस्त पीजी छात्राओं को राहत

गोरखपुर , एजेंसी। मरीजों की देखभाल में ड्यूटी का समय बढ़ने पर अब बीआरडी मेडिकल कॉलेज की पीजी छात्राओं को भोजन के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। सौ बेड वाले पीसी महिला छात्रावास में मेस शुरू कर दिया गया है। यहां रहने वाली पीजी छात्राओं को हॉस्टल में ही भोजन के साथ चाय-नाश्ता भी मिलेगा। ड्यूटी के चलते भोजन के निर्धारित समय पर नहीं पहुंच पाने पर उनका खाना सुरक्षित रखा जाएगा।पीजी छात्राएं अस्पताल के विभिन्न वार्डों में रेजीडेंट डॉक्टर के तौर पर ड्यूटी करती हैं। मरीजों की संख्या अधिक होने या इमरजेंसी में व्यस्तता के कारण कई बार उनकी ड्यूटी निर्धारित समय से आगे बढ़ जाती है। ऐसे में हॉस्टल से दूर स्थित कॉमन मेस तक पहुंचना मुश्किल होता था। आने-जाने में भी अतिरिक्त समय लगता था। कई बार कॉमन मेस बंद हो जाने के बाद छात्राओं को बाहर से भोजन करना पड़ता था। अब हॉस्टल में ही मेस की सुविधा मिलने से इस समस्या का समाधान होगा। ड्यूटी के कारण यदि कोई छात्रा भोजन के समय मेस नहीं पहुंच पाती है तो उसका भोजन सुरक्षित रखा जाएगा। ड्यूटी पूरी होने के बाद वह हॉस्टल लौटकर खाना खा सकेगी। इससे खासकर इमरजेंसी और देर तक चलने वाली ड्यूटी करने वाली छात्राओं को राहत मिलेगी। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए मरीजों की देखभाल प्राथमिकता होती है। कई बार काम के कारण भोजन का समय तय नहीं रह जाता। इसी को देखते हुए हॉस्टल में मेस की सुविधा शुरू की गई है, ताकि छात्राएं ड्यूटी के बाद भी सुरक्षित रखा भोजन कर सकें।

उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की 11 सीटों के चुनाव के लिए भाजपा ने खोले सभी पत्ते

स्नातक-शिक्षक सीटों पर छह और नाम घोषित, टूटा शर्मा गुट

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की 11 सीटों के चुनाव के लिए भाजपा ने अपने सभी प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। मंगलवार को पार्टी ने छह और नामों का एलान किया। इनमें तीन स्नातक और तीन शिक्षक सीटें शामिल हैं। इससे पहले मई में पांच सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए जा चुके थे। इस तरह भाजपा ने चुनावी मैदान में अपनी पूरी तस्वीर साफ कर दी है।

भाजपा केंद्रीय कार्यालय के प्रभारी तरुण चुघ की ओर जारी सूची के मुताबिक वाराणसी स्नातक सीट से केदार नाथ सिंह, मेरठ स्नातक सीट से दिनेश गोयल और इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीट से अशोक कुमार राठौर को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं, वाराणसी शिक्षक सीट से डॉ. प्रमोद मिश्रा, आगरा शिक्षक सीट से से इंजीनियर हरिकिशोर तिवारी और गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक सीट से ध्रुव त्रिपाठी प्रत्याशी बनाए गए हैं। जबकि मेरठ स्नातक से दिनेश गोयल मौजूदा एमएलसी हैं और पार्टी ने उन्हें फिर मैदान में उतारा है। ध्रुव कुमार त्रिपाठी और प्रमोद मिश्रा शिक्षक संघ शर्मा गुट के नेता रहे हैं। प्रमोद मिश्रा वर्तमान में इस संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष भी रहे हैं।

दूसरी सूची में शामिल केदारनाथ सिंह पूर्व एमएलसी हैं और पिछले चुनाव में ये सपा से हार गए थे। फिर भी भाजपा ने इस बार फिर मौका दिया है। जबकि कर्मचारी नेता रहे हरिकिशोर तिवारी को पहली बार मौका दिया गया है। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में भी पार्टी ने अपने पुराने संगठनात्मक आधार और सक्रिय

चेहरों को मैदान में उतारा है।

पहले घोषित हो चुके हैं ये पांच प्रत्याशी: भाजपा ने इससे पहले लखनऊ स्नातक से इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह, आगरा स्नातक से डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह, बरेली-मुरादाबाद शिक्षक से डॉ. हरि सिंह ढिल्लो, लखनऊ शिक्षक से उमेश द्विवेदी और मेरठ शिक्षक से श्रीचंद्र शर्मा को प्रत्याशी बनाया था।

इन पांचों को पार्टी ने दोबारा मौका दिया है। इस तरह भाजपा ने पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अपने उम्मीदवार तय कर दिए हैं।

सामाजिक समीकरण पर भी फोकस : प्रदेश संगठन के गठन के बाद भाजपा ने शिक्षक और स्नातक सीटों पर एमएलसी चुनाव में भी सामाजिक समीकरण पर खास फोकस किया है। इनमें भाजपा ने 11 सीटों में से सबसे अधिक पांच सीटों पर ब्राम्हण चेहरों को मौका दिया है। जबकि ओबीसी के तीन, राजपूत के दो और वैश्य जाति से एक प्रत्याशी को मैदान में उतारकर जातीय और क्षेत्रीय समीकरण को साधने का प्रयास किया गया है।

2027 से पहले अहम सियासी कवायद : विधान परिषद का यह चुनाव सामान्य विधानसभा चुनाव से अलग मतदाता समूह के बीच होता है। इसके बावजूद 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इसे भाजपा के लिए संगठनात्मक संपर्क और शिक्षक-स्नातक वर्ग के बीच पहुंच परखने के मौके के रूप में देखा जा रहा है। इन सीटों पर लंबे समय से अलग-अलग राजनीतिक दलों और शिक्षक संगठनों का प्रभाव रहा है। ऐसे में भाजपा के लिए चुनौती केवल अपने प्रत्याशियों को जिताने की नहीं, बल्कि इन निर्वाचन क्षेत्रों में संगठन और मतदाता नेटवर्क को प्रभावी बनाने की भी होगी।

23 अक्तूबर को मतदान, 27 को नतीजे : 11 सीटों के लिए 23 अक्तूबर को मतदान होगा और 27 अक्तूबर को मतगणना होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख छह अक्तूबर और नाम वापसी की अंतिम तारीख नौ अक्तूबर है। मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल छह दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

अब तक कई नौकरशाह आजमा चुके हैं राजनीति में अपनी किस्मत

लखनऊ, एजेंसी। पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल राजनीति में कदम रखने वाली पहली नौकरशाह नहीं हैं। उनसे पहले कई अधिकारी यूपी की सियासत में किस्मत आजमा चुके हैं। इनमें कई को तो ठीकठाक मुकाम हासिल हो गया लेकिन कई की सियासी पारी खत्म हो चुकी है।

सियासत में सफल होने वाले नौकरशाहों में पूर्व डीजीपी बृजलाल और कानपुर के पुलिस कमिश्नर रह चुके असीम अरुण शामिल हैं। ईडी के पूर्व संयुक्त निदेशक राजेश्वर सिंह भी वीआरएस लेकर राजनीति में आए और विधायक बने।

वहीं, पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन ने सेवानिवृत्ति के बाद सपा में पहचान तो बनाई लेकिन चुनाव नहीं जीत सके। वीआरएस लेने वाले आईएएस अभिषेक सिंह को भी राजनीति रास नहीं आई। सेवानिवृत्ति के बाद पूर्व डीजीपी विजय कुमार और पूर्व डीजी सूर्य कुमार शुक्ला भाजपा में शामिल हुए लेकिन दोनों को कोई पद नहीं मिला। पूर्व आईएएस अनीस अहमद अंसारी को कांग्रेस में कोई पद नहीं

मिला। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने अपनी पार्टी बनाई लेकिन अब तक पैर नहीं जमा सके हैं।

महिलाओं की संख्या कम : सियासी राह चुनने वाली महिला अफसरों की संख्या बेहद कम है। जनवरी 2026 में आईएएस अनामिका सिंह ने वीआरएस लिया लेकिन सियासी राह नहीं चुनी। बीते कुछ वर्षों में नौ आईएएस वीआरएस ले चुके हैं तो चार ने इस्तीफा दिया। इनमें आरपी सिंह, राजीव अग्रवाल, मो. मुस्तफा, रेणुका कुमार, जूथिका पाटणकर, विकास गोठलवाल, रिग्जियान सैंफिल, विद्या भूषण, एस मुथु शालिनी हैं।

आधार बनवाने के लिए लखनऊ से शुरू टोकन मैनेजमेंट सिस्टम देश भर में लागू

लखनऊ , एजेंसी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने नागरिकों को अधिक सुगम, व्यवस्थित एवं समयबद्ध आधार सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। लखनऊ स्थित आधार कार्यालय की ओर से शुरू किए गए टोकन मैनेजमेंट सिस्टम को 17वें आधार दिवस पर कोलकाता में हुए आधार संवाद कार्यक्रम के दौरान देशभर के कार्यालयों में लागू करने का निर्णय लिया गया है।

कार्यक्रम में प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ विजय, सदस्य प्रो. मौसम, मुख्यालय के उप महानिदेशक विवेक चंद्र वर्मा और क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ के उप महानिदेशक प्रशांत कुमार सिंह ने राष्ट्रव्यापी स्तर पर अपनाई जाने की पहल का शुभारंभ किया गया। बता दें, यह क्यूआर कोड आधारित ऑनलाइन अपॉइंटमेंट एवं डिजिटल टोकन प्रणाली है।

इसका उद्देश्य देश भर में स्थित यूआईडीएआई के क्षेत्रीय कार्यालयों में आधार संबंधी शिकायतों एवं सेवाओं के लिए आने वाले नागरिकों को सुविधाजनक सेवा देना है।

दरअसल क्षेत्रीय एवं राज्य कार्यालयों में रोजाना बड़ी संख्या में नागरिक आधार संबंधी शिकायतों के समाधान एवं अन्य सेवाओं के लिए पहुंचते हैं। अधिक भीड़ वाले दिनों में कुछ लोगों को बिना समाधान लौटना पड़ता था। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए लखनऊ कार्यालय ने यह प्रणाली विकसित की थी।

इस तरह लें अपॉइंटमेंट : नागरिक अपने मोबाइल फोन से क्यूआर कोड स्कैन कर लॉगिन कर ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक कर डिजिटल टोकन प्राप्त कर सकते हैं। अग्रिम अपॉइंटमेंट की सुविधा चौबीसों घंटे उपलब्ध है। यह पूरी सेवा निशुल्क है। यह खासकर दूर-दराज के जिलों से आने वाले नागरिकों, वॉक-इन उपयोगकर्ताओं तथा समयबद्ध एवं सुनिश्चित सेवा की आवश्यकता वाले लोगों के लिए उपयोगी है।

यूपी को पुरस्कार आधार संवाद के दौरान यूपी को देशभर में बच्चों के आधार में सबसे अधिक अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट करने वाले राज्य के रूप में पुरस्कृत किया गया है। पिछले 10 महीने में यूपी में 71 लाख बच्चों के आधार में अनिवार्य बायोमीट्रिक अपडेट किया गया है।

सुशांत गोल्फ सिटी की सड़कें बनाने के लिए अधिग्रहीत होगी जमीन,लैंडपूलिंग के विकल्प का बनाया जा रहा प्रस्ताव

लखनऊ, एजेंसी। नैमिष नगर और वरुण विहार योजना की तरह एलडीए शहीद पथ स्थित अंसल एपीआई की हाईटेक टाउनशिप सुशांत गोल्फ सिटी को भी मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत विकसित करेगा। शासन इसके लिए प्राधिकरण को बजट देगा। एलडीए की कार्ययोजना में इसका प्रावधान किया गया है। टाउनशिप की प्रमुख सड़कें बनाने के लिए जमीन का अधिग्रहण होगा।

सुशांत गोल्फ सिटी के पूर्ण, आंशिक रूप से विकसित व अविकसित क्षेत्रों को अलग-अलग चिह्नित करते हुए अधूरी सड़कों, सीवर, पानी, बिजली आदि सुविधाओं को पूरा कराया जाएगा। टाउनशिप के अंदर कुछ प्रमुख मार्गों का निर्माण जमीन उपलब्ध न होने के कारण पूरा नहीं हो पाया है। मेदांता अस्पताल तथा बेस्ट प्राइस के आसपास प्रमुख सड़कों का काम पूरा करने के लिए एलडीए अधिग्रहण करेगा।

टाउनशिप में एसटीपी, सीवर लाइन, विद्युत सब स्टेशन तथा रेलवे ओवरब्रिज सहित अवस्थापना के कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए जाने हैं। जरूरत पड़ने पर इनके लिए भी जमीन अधिग्रहित की जाएगी। टाउनशिप के अवस्थापना विकास के बचे कार्यों पर करीब 2216.91 करोड़ रुपये का खर्च आने का

अनुमान है।

नए मानचित्रों पर लगेगा टाउनशिप कंप्लीशन शुल्क : टाउनशिप को पूरा करने के लिए नए मानचित्रों की स्वीकृति मंजूरी, शमन मानचित्र अथवा टाउनशिप कंप्लीशन शुल्क लगाने का भी प्रस्ताव है। प्रारंभिक आकलन के आधार पर यह 1150 प्रति वर्गमीटर रखा जाना प्रस्तावित है। वास्तविक व्यय के आधार पर कुल आच्छादित क्षेत्रफल के अनुसार शुल्क का निर्धारण होगा। इसके लिए प्राधिकरण बोर्ड को अधिकृत करने का प्रस्ताव है। टाउनशिप कंप्लीशन शुल्क का उद्देश्य केवल परियोजना को पूर्ण कराना होगा। इसे प्राधिकरण की नियमित आय का स्रोत नहीं बनाया जाएगा। शुल्क से मिली रकम को डेडिकेटेड एस्क्रो खाते में रखते हुए केवल इसी योजना के विकास कार्यों पर खर्च किया जाएगा। ईडब्ल्यूएस और एलआईजी भवनों-भूखंडों पर यह शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि टाउनशिप में 800 बड़े भूखंडों को कंपनी की कंसोर्टियम की ओर से नियमों के विपरीत बेचने के मामले में रजिस्ट्री निरस्तीकरण से पहले लैंडपूलिंग का भी विकल्प रखा जाएगा। इसका प्रस्ताव बनाया जा रहा है। इसमें आवंटित भूखंड के बदले दो या उसके अधिक प्रतिशत जमीन दी जाएगी। हालांकि, यह तभी अमल में आएगा जब एनसीएलटी से एलडीए को टाउनशिप विकसित करने के लिए मिल जाएगी। अभी एनसीएलटी में नवंबर में तारीख है। बड़े भूखंडों की सूची बनाकर निबंधन कार्यालय से रजिस्ट्री भी निकलवाई जा रही हैं। कुछ रजिस्ट्री निकल भी आई है। हाईटेक टाउनशिप को व्यवस्थित तरीके से विकसित किया जाएगा। अधूरी सुविधाओं को पूरा किया जाएगा। इस पर विशेष ध्यान होगा कि खरीदारों के हित प्रभावित न हों। इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। यह तभी होगा जब एनसीएलटी से टाउनशिप टेकओवर कर ली जाएगी।

छह बार उजड़ी कोख, सातवीं बार में अच्छू को मिली मातृत्व की अनमोल खुशी

बरेली, एजेंसी। बरेली के संजय नगर की अच्छू ने छह बार गर्भस्थ शिशुओं को खोने के बाद आखिरकार एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया है। एक साल तक चले विशेष चिकित्सकीय इलाज और निगरानी के बाद यह संभव हो पाया। इस सफलता ने परिवार में छह बार के मातम के बाद खुशियां लौटाई हैं।

22 वर्षीय अच्छू की शादी कृष्णा से हुई थी। पहली गर्भावस्था में उन्हें तीन शिशुओं को खोना पड़ा। दूसरी बार जुड़वां बच्चों की भी मौत हो गई। इसके बाद भी कई बार गर्भधारण हुआ, लेकिन हर बार गर्भस्थ शिशुओं की मौत का सामना करना पड़ा। छह बार मां बनने का सपना टूटने से परिवार के लिए यह एक कठिन समय था।

दिसंबर 2025 में अच्छू ने जिला महिला अस्पताल की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ फरहाना से इलाज शुरू कराया। गर्भधारण के पहले ही माह से यह उपचार शुरू हुआ। करीब एक साल तक नियमित उपचार और कड़ी निगरानी में गर्भावस्था को आगे बढ़ाया गया। इस वर्ष 20 नवंबर को अच्छू ने निजी अस्पताल में सिजेरियन प्रसव से बच्ची को जन्म दिया। जिला महिला अस्पताल की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ फरहाना ने बताया कि बार-बार गर्भपात होने पर महिला को घबराने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे मामलों में समय पर जांच और उचित इलाज महत्वपूर्ण है। आयरन कैल्शियम की दवा के साथ खून को पतला करने वाली दवाएं भी दी जाती हैं।

दरअसल, खून गाढ़ा होने से गर्भधारण के दौरान थक्का बनने से गर्भपात की अधिक आशंका होती है। फरहाना के अनुसार, अच्छू ने समय पर उनसे संपर्क किया। उनकी खून की जरूरी जांचें कराई गईं और आवश्यक इलाज दिया गया।

अनंत है भगवान की कथा, कभी नहीं होती समाप्त : राजेंद्र दास

गोरखपुर , एजेंसी। कथा व्यास वृंदावन से पधारे जगद्गुरु स्वामी राजेंद्र दास देवाचार्य ने व्यास पीठ से श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम पर श्रद्धालुओं को कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान की कथा अनंत है, यह कभी समाप्त नहीं होती। भगवान की कथा सुनने से मनुष्य के भीतर भक्ति और श्रद्धा का भाव जागृत होता है।

ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 57वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा का मंगलवार को पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। कथावाचक ने कहा कि गोरखपुरवासियों के लिए यह भगवान की परम कृपा है कि भगवान की प्रेरणा से हनुमान प्रसाद पोद्दार, स्वामी रामसुखदास, राधा बाबा तथा जयदयाल गोयनका जैसे परम संतों ने गोरखपुर में साधना की। भगवत्कृपा से यहां गीता प्रेस और कल्याण जैसी पवित्र धार्मिक पत्रिका के माध्यम से सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति का महान कार्य हुआ।

उन्होंने कहा कि गोरखपुर साक्षात शिवावतार गुरु गोरखनाथ की तपस्थली है। इसलिए यह कोई सामान्य स्थान नहीं, बल्कि परम पवित्र तीर्थ है। संसार में ज्ञान से पवित्र कोई वस्तु नहीं है। उपनिषदों की श्रुति ज्ञान को साक्षात ब्रह्मस्वरूप बताती है। अखंड ज्ञान केवल भगवान में ही है और ज्ञान के बिना मुक्ति संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि तीर्थों में गंगासागर को श्रेष्ठ तीर्थ माना गया है और पुराणों में वहां 99 करोड़ तीर्थों के निवास का वर्णन मिलता है।

कथा वाचक ने कहा कि संपूर्ण ऐश्वर्य, धर्म, यश, श्रीज्ञान और वैराग्य इन छह प्रकार के ऐश्वर्य का पूर्ण स्वरूप भगवान में निवास करता है। भगवान हमारे शरण हैं और हम भगवान के शरणागत हैं, यह भाव दृढ़ता से हृदय में स्थापित कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्याकरण का अध्ययन आवश्यक है, किंतु

व्याकरण पढ़ा हुआ व्यक्ति यदि न्याय दर्शन का अध्ययन नहीं करता तो उसे बाल कहा जाता है। न्याय दर्शन के अध्ययन से बुद्धि तीक्ष्ण होती है। शब्द वायु रूप होते हैं, किंतु जब वही शब्द किसी संत के मुखारविंद से निकलते हैं तो वे केवल वायु रूप नहीं रहते, बल्कि भगवान के चरण कमलों की सुगंध से युक्त हो जाते हैं। इस सुगंध का अनुभव नाक से नहीं, बल्कि कानों के माध्यम से होता है। संतों की वाणी सुनने से श्रोता का हृदय भगवान के चरण कमलों की सुगंध से भर जाता है और वहां भगवान का निवास हो जाता है।

उन्होंने कहा कि जिस दिन हम हृदय से स्वीकार कर लेंगे कि यह तन-मन और यह संसार सब भगवान का है, उसी दिन से हम स्वयं भी कोई अनुचित कार्य नहीं कर सकेंगे। भगवान प्रेम के भूखे हैं और उन्हें अनन्य प्रेम से ही जीता जा सकता है। कथा वाचक ने कहा कि कल्याण का मूल उद्गम भक्ति है और भक्ति भागवत चरित्र के श्रवण से उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि शत्रुघ्न जी लक्ष्मण जी से छोटे हैं, किंतु भागवत धर्म में उनसे बड़े हैं, क्योंकि वे भगवान श्रीराम के साथ रहने के बजाय भगवान के परम भक्त भरत जी के साथ रहते हैं। भगवान के साथ रहना सरल है, किंतु भगवान के भक्त के साथ रहना कठिन है। श्रद्धा भगवान की कथा से उत्पन्न होती है। श्रद्धा से रति और रति से भक्ति उत्पन्न होती है। जब हमारा मन भगवान के अनुराग में डूब जाता है, तब सांसारिक भोग वमन के समान प्रतीत होने लगते हैं और इंद्रियां विषयों से हटकर भजन के लिए आतुर हो जाती हैं। गुरु ही साक्षात परम ब्रह्म हैं और गुरु के प्रति निष्ठा से ही भगवान की प्राप्ति होती है।

कथा का समापन आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। कथा की पूर्णाहुति के अवसर पर रोहतक, हरियाणा से पधारे महंत बालक दास, जगद्गुरु स्वामी राम दिनेशाचार्य, वाराणसी से पधारे जगद्गुरु स्वामी डॉ. रामकमलदास वेदांती, सिंचाई एवं जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, पुष्पदंत जैन, विधायक विपिन सिंह सहित अनेक संत-महात्मा एवं श्रद्धालु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्वामी राजेंद्र दास देवाचार्य ने कहा कि मनुष्य को यह भाव अपने हृदय में दृढ़ करना चाहिए कि भगवान ही उसके शरण हैं और वह भगवान का शरणागत है। जब यह भाव मन में स्थायी हो जाता है तो जीवन के प्रति दृष्टिकोण बदलने लगता है। उन्होंने कहा कि तन, मन और संसार में हमारा अपना कुछ भी नहीं है। जिस दिन मनुष्य इसे हृदय से स्वीकार कर लेता है, उसी दिन से अनुचित कार्यों से उसका मन हटने लगता है।

संक्षिप्त समाचार

फातिमा एज्जाहरा एल मंसूरी बनीं मोरक्को की पहली महिला प्रधानमंत्री

रबात। मोरक्को के राजा मोहम्मद छह ने मंगलवार को फातिमा एज्जाहरा एल मंसूरी को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त किया। उनकी पार्टी ऑथेंटिसिटी एंड मॉडर्निटी पार्टी (पीएएम) ने 23 सितंबर को हुए संसदीय चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीती हैं। शाही महल ने इसकी जानकारी दी। राजा ने एल मंसूरी को नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। पेशे से वकील एल मंसूरी पिछली सरकार में आवास मंत्री और माराकेश की मेयर रह चुकी हैं। अब उन्हें गठबंधन सरकार बनाने के लिए विभिन्न दलों से बातचीत करनी होगी और मंत्रियों की सूची राजा की मंजूरी के लिए पेश करनी होगी। चुनाव में पीएएम को 97 सीटें मिलीं। उसके बाद नेशनल रैली ऑफ इंडिपेंडेंट्स (आरएनआई) को 66 और इत्तिकलाल पार्टी को 65 सीटें मिलीं। पूर्व प्रधानमंत्री अब्देलिलाह बेनकिराने की जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी (पीजेडी) को 54 सीटें मिलीं। बेनकिराने ने कहा है कि उनकी पार्टी विपक्ष में रहेगी। एल मंसूरी के सामने नई सरकार के लिए गठबंधन तैयार करने के साथ युवाओं में बढ़ती असंतुष्टि से निपटने की चुनौती होगी। नई सरकार 2030 फुटबॉल विश्व कप की तैयारियों से जुड़े करीब 20 अरब डॉलर के निवेश कार्यक्रम के अंतिम चरण की भी निगरानी करेगी। मोरक्को इस विश्व कप की मेजबानी स्पेन और पुर्तगाल के साथ करेगा।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने प्रवासियों को तीसरे देशों में वापस भेजने की प्रक्रिया फिर शुरू करने की मंजूरी दी

वॉशिंगटन। सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिकी अधिकारियों को प्रवासियों को तीसरे देशों में वापस भेजने (डिपॉर्टेशन) की प्रक्रिया फिर शुरू करने की अस्थायी मंजूरी दे दी है। रिया नोवोस्ती के अनुसार, पिछले हफ़्ते अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने कहा था कि मैसाचुसेट्स के एक फ़ेडरल जज द्वारा अधिकारियों को अवैध प्रवासियों को उनके मूल देशों के अलावा अन्य देशों में भेजने से अस्थायी रूप से रोके जाने के बाद, न्याय विभाग सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगा। फ़ैसले में कहा गया, "जस्टिस जैक्सन के सामने पेश की गई और उनके द्वारा कोर्ट को भेजी गई स्टे (रोक) की अर्ज़ी मंज़ूर की जाती है। मैसाचुसेट्स ज़िले के लिए यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के 25 फ़रवरी, 2026 के आदेश और फ़ैसले पर रोक लगाई जाती है।" इस तरह, कोर्ट ने मैसाचुसेट्स फ़ेडरल कोर्ट के फ़ैसले से पहले लगाई गई पाबंदियों को अस्थायी रूप से हटा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी घोषणा की कि वह दिसंबर में ट्रंप प्रशासन की उस नीति की वैधता पर बहस का सत्र आयोजित करेगा, जिसमें प्रवासियों को तीसरे देशों में तेज़ी से वापस भेजने का प्रावधान है। साथ ही, दस्तावेज़ से पता चलता है कि तीन लिबरल जस्टिस - सोनिया सोटोमायोर, एलेना कगन और केतांज़ी जैक्सन - ने कोर्ट के फ़ैसले का विरोध किया। 47वें राष्ट्रपति के तौर पर अपने शपथ ग्रहण के दिन डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध आप्रवासन को रोकने और बड़े पैमाने पर लोगों को वापस भेजने (डिपॉर्टेशन) की प्रक्रिया शुरू करने का संकल्प लिया था। उन्होंने अमेरिकी सीमा संकट से निपटने के लिए देशव्यापी आपातकाल की घोषणा भी की थी।

नेपाल में महाकाली नदी में बाढ़ से एशिया के लंबे पैदल झूलापुल का बड़ा हिस्सा बहा

काठमांडू। नेपाल में महाकाली नदी में बाढ़ के कारण कंचनपुर जिले की भीमदत्त नगरपालिका और दोधारा-चांदनी को जोड़ने वाले प्रसिद्ध झूलापुल का बड़ा हिस्सा बह गया। पुल क्षतिग्रस्त होने से दोधारा-चांदनी के लोगों का जिला मुख्यालय से सीधा पैदल संपर्क टूट गया है। बुधवार सुबह करीब 8 बजे महाकाली नदी की तेज धारा के कारण नदी के बीच स्थित पुल का एक महत्वपूर्ण सपोर्ट पिलर ढह गया। इसके बाद पुल का बड़ा हिस्सा नदी में गिरकर तेज बहाव में बह गया। स्थानीय पुलिस के अनुसार, भीमदत्त नगरपालिका की ओर से छठे और दोधारा-चांदनी की ओर से तीसरे पिलर के आसपास नदी के तेज कटाव के कारण नींव कमजोर हो गई थी। इसके बाद पिलर नदी की धारा में बह गया और पुल का एक बड़ा स्पैन ढह गया। इस पुल को एशिया के सबसे लंबे मल्टी-स्पैन पैदल झूलापुलों में से एक माना जाता है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय लोगों के लिए आवागमन की बड़ी समस्या पैदा हो गई है। पुल के आसपास और नदी के संवेदनशील किनारों पर लगातार बाढ़ और कटाव के खतरे को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी किया है।

केरल में राष्ट्रवादी आंदोलन की पहचान बने वरिष्ठ प्रचारक 'एमए सर' का निधन, संघ ने जारी किया शोक संदेश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने केरल के वरिष्ठ प्रचारक एम.ए. कृष्णन के निधन की जानकारी दी है। उन्हें 'एम.ए. सर' के नाम से भी जाना जाता था। उन्होंने केरल में राष्ट्रवादी आंदोलन की प्रमुख पहचान बने 'बालगोकुलम' और 'तपस्या' की स्थापना की थी।

शोक संदेश में संघ की ओर से कहा गया है कि वे केरल संघ के शुरुआती स्तंभों में से एक थे और सबसे कठिन समय व चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में संगठन का काम खड़ा करने के लिए लगातार संघर्ष करते रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत एवं सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संयुक्त बयान में कहा कि एम.ए. कृष्णन के निधन से संघ ने न केवल केरल के एक पूर्ण समर्पित और निष्ठावान वरिष्ठ प्रचारक को खो दिया है बल्कि एक बहुमुखी प्रतिभा वाले व्यक्ति को भी खो दिया है। उन्होंने 'बालगोकुलम' और 'तपस्या' की स्थापना की थी। ये दोनों संगठन केरल में राष्ट्रवादी आंदोलन की पहचान बन गए। हम उनके परिवार के सदस्यों, अनगिनत प्रशंसकों और एम.ए. सर से प्रेरित लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। शोक संदेश में उन्होंने कहा, "केरलम संघ के शुरुआती स्तंभों में से एक होने के नाते, उन्होंने सबसे कठिन समय और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में कार्य को खड़ा करने के लिए लगातार संघर्ष किया। हम एम.ए. कृष्णन सर की स्मृति को सादर नमन करते हैं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें।"

कांकेर में जमीन के नीचे छिपाया नक्सली डम्प बरामद, हथियार-कारतूस समेत सामग्री मिली

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियान के दौरान नक्सली डम्प बरामद किया है। बांदे-छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर ग्राम दागुनटोला-पुसगट्टा के बीच जंगल-पहाड़ी इलाके में बुधवार को जिला बल, बीएसएफ और बीडीएस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा

बलों को जमीन के नीचे छिपाकर रखा गया नक्सली डम्प मिला। डम्प से 12 बोर की एक सिंगल बैरल रायफल, एक डबल बैरल रायफल, 11 कारतूस, दो प्रिंटर सहित अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्री को सुरक्षा बलों ने कब्जे में ले लिया है। कांकेर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) निखिल राखेचा ने बरामदगी की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि नक्सल प्रभावित रहे सीमावर्ती इलाकों में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कांकेर पुलिस और सुरक्षा बलों की ओर से लगातार संयुक्त सघन खोजी अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के दौरान टीम को यह सफलता मिली। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक बद्री नारायण मीणा के निर्देशन में तथा बीएसएफ के डीआईजी, भानुप्रतापपुर दीपक तिवारी, कांकेर एसपी निखिल राखेचा और 94वीं वाहिनी बीएसएफ बांदे के सेनानी रविन्द्र सिंह चंदेल के मार्गदर्शन में संचालित सर्चिंग अभियान के तहत की गई। अभियान में बीएसएफ की 94वीं वाहिनी के इंस्पेक्टर एचएन. शर्मा और हनुमान सहाय मीणा टीम कमांडर रहे। सुरक्षा बलों की ओर से सीमावर्ती जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में तलाशी अभियान आगे भी जारी रखने की बात कही गई है।

तमिलनाडु के धारापुरम विधानसभा उपचुनाव में प्रचार तेज

पेयजल संकट बना प्रमुख मुद्दा

एजेंसी, धारापुरम

तमिलनाडु में धारापुरम और मदुरांतकम विधानसभा क्षेत्रों में छह अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दलों का प्रचार अभियान तेज हो गया है। तिरुप्पुर जिले के धारापुरम (एससी आरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में प्रमुख दलों के उम्मीदवार लगातार मतदाताओं से संपर्क कर समर्थन मांग रहे हैं। धारापुरम में कुल 22 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष और राज्य के मुख्यमंत्री विजय आज धारापुरम में अपनी पार्टी की उम्मीदवार सत्याबामा के समर्थन में प्रचार करने वाले हैं। पार्टी की ओर से उनके कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निर्धारित संख्या में लोगों को क्यूआर कोड के आधार पर अनुमति दिए जाने की जानकारी दी गई है। कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की भी तैयारी की गई है।

दरअसल, धारापुरम सीट पर उपचुनाव पूर्व विधायक सत्याबामा के इस्तीफे के बाद हो रहा है। सत्याबामा ने पिछले विधानसभा चुनाव में अन्नाद्रमुक के टिकट पर जीत दर्ज की थी। बाद में उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा देकर

तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) का दामन थाम लिया। उपचुनाव में टीवीके ने उन्हें ही उम्मीदवार बनाया है।

धारापुरम में टीवीके, द्रमुक, अन्नाद्रमुक, भाकपा, माकपा और नाम तमिलर कच्ची सहित विभिन्न दलों के उम्मीदवार मैदान में हैं। नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यहां 22 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। उम्मीदवारों की संख्या अधिक होने के कारण मतदान के दौरान दो बैलेट यूनिट का इस्तेमाल किया जाएगा।

धारापुरम विधानसभा क्षेत्र में पेयजल की उपलब्धता, परम्बिकुलम-आलियार परियोजना से पानी की आपूर्ति और बुनियादी सुविधाएं प्रमुख स्थानीय मुद्दे बने हुए हैं। ग्रामीण इलाकों में सड़क, पेयजल और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी मांगें भी चुनाव प्रचार के दौरान प्रमुखता से उठाई जा रही हैं। सभी प्रमुख राजनीतिक दल अपने-अपने चुनावी वादों और स्थानीय मुद्दों को लेकर मतदाताओं के बीच पहुंच रहे हैं। इसी दौरान टीवीके और अन्नाद्रमुक कार्यकर्ताओं के बीच प्रचार के दौरान कथित झड़प की घटना भी सामने आई, जिसने चुनावी माहौल को और चर्चा में ला दिया है। धारापुरम का चुनावी इतिहास भी इसे महत्वपूर्ण बनाता है। पिछले कई चुनावों में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच मुकाबला रहा है और दोनों दलों को अलग-अलग चुनावों में सफलता मिलती रही है। ऐसे में मौजूदा उपचुनाव में स्थानीय मुद्दों, उम्मीदवारों की राजनीतिक पृष्ठभूमि, दलों के प्रचार अभियान और मतदाताओं की स्थानीय अपेक्षाओं पर विशेष ध्यान है। धारापुरम और मदुरांतकम दोनों विधानसभा क्षेत्रों में छह अक्टूबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना नौ अक्टूबर को की जाएगी।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर के बिष्णुपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर बुधवार को भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद करने के साथ ही एक वाहन को गिरफ्तार किया है। जबकि, एक महिला के खिलाफ अश्लील एवं अपमानजनक टिप्पणी करने वाले को भी गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार, खोरदक इलाके और उसके आस-पास हथियार और अन्य सामान छिपाकर रखे जाने की जानकारी मिलने पर, बिष्णुपुर जिला पुलिस और सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने आज घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान केइबुल लमजाओ पुलिस स्टेशन के तहत फॉरेस्ट बीट ऑफिस के पास खोरदक पैटन से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया। बरामद सामानों में मुख्य रूप से एक एमपी-5 हथियार मैगज़ीन के साथ (देसी), दो लाथोड गन (देसी), चार 36 हैंड ग्रेनेड, एक ड्रोन बम (देसी), छह आईईडी, अलग-अलग हथियारों

की पांच मैगज़ीन एवं अलग-अलग कैलिबर के कारतूस/राउंड और अन्य विविध सामान बरामद हुए। हालांकि, इस संबंध में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। एक अन्य अभियान में लिलोंग पुलिस स्टेशन की एक टीम ने लिलोंग चाओबाक मैरेनखुन के मोहम्मद मुस्तकीम नामक एक वाहन चोर को उसके घर से गिरफ़्तार किया। उसके पास से चोरी की गई एक एक्टिवा डीएलएक्स (नीले मैटेलिक रंग की, रजिस्ट्रेशन नंबर एमएन-01एएन-9328) भी बरामद की गई। यह गाड़ी नॉर्थ एओसी, इंफाल से चोरी हुई थी। इस बीच साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, मणिपुर ने फेसबुक पर एक महिला के खिलाफ अश्लील और अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान, आरोपी पाओनम धनेश्वर (58, इंफाल ईस्ट) को गिरफ़्तार कर लिया गया है।

बडगाम मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी मूसा मारा गया

एजेंसी, बडगाम

जम्मू-कश्मीर में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात बडगाम जिले के गुरवटकालान इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकवादी मारा गया। उसकी पहचान सुलेमान शाह उर्फ मूसा के रूप में हुई है।

एक वरिष्ठ पुलिस के अनुसार, इलाके में आतंकवादियों से होने की सूचना पर सुरक्षाबलों ने संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया। इलाके को घेर लिया गया है। अतिरिक्त सुरक्षाबलों को मौके पर भेजा गया है। हालांकि कश्मीर की चिनार कोर ने मारे गए आतंकवादी की पहचान नहीं बताई है लेकिन पुलिस अधिकारियों ने उसकी पहचान सुलेमान शाह उर्फ मूसा के रूप में की है। सेना ने एक्स पर जानकारी दी कि उन्होंने दूसरे सुरक्षाबलों के साथ मिलकर

सेंट्रल कश्मीर के कोराग, यूसमर्ग के जनरल इलाके में एक ऑपरेशन शुरू किया। चौकस सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी।

इसके बाद चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने गोलियां चलाईं जिसके बाद दोनों तरफ से जमकर गोलीबारी हुई, जिसमें एक आतंकवादी मारा गया। अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान मूसा को दूधपथरी के दूर के जंगल वाले इलाके में मार गिराया गया। अधिकारियों ने बताया कि मूसा पीर पंजाल रेंज के दोनों तरफ हुए कई हमलों में शामिल था। इस महीने की शुरुआत में यूसमर्ग पहाड़ियों में हुए एक एनकाउंटर से बच निकला था। उसका करीबी यासिर 5 सितंबर को उस एनकाउंटर में मारा गया था।

नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन और आनंद विहार स्टेशनों पर पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए विशेष अभियान

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर रेलवे का दिल्ली मंडल राजधानी के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चला रहा है। इस अभियान के तहत नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, दिल्ली जंक्शन और आनंद विहार टर्मिनल पर जलापूर्ति प्रणाली के व्यापक उन्नयन, जल गुणवत्ता निगरानी और जल भंडारण संरचनाओं के रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन तीनों स्टेशनों पर प्रतिदिन लगभग 6.5 लाख यात्रियों का आवागमन होता है।

उत्तर रेलवे के अनुसार, भारतीय रेल द्वारा जल अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने और सुरक्षा प्रबंधन से संबंधित जारी निर्देशों के अनुरूप यह पहल शुरू की गई है। अभियान का उद्देश्य केवल अंतिम स्तर पर जल की गुणवत्ता की जांच तक सीमित

नहीं है, बल्कि यात्रियों को लगातार स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यकर पेयजल उपलब्ध कराना है।

अभियान के तहत जल भंडारण टैंकों और फिल्ट्रेशन टैंकों की व्यापक सफाई की जा रही है। इसके साथ ही आवश्यक अवसंरचना उन्नयन कार्य भी किए जा रहे हैं। रेलवे यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी जल भंडारण टैंकों पर उपयुक्त ढक्कन और सुरक्षित वेंट लगाए जाएं, ताकि बाहरी स्रोतों से किसी प्रकार का प्रदूषण जलापूर्ति व्यवस्था में प्रवेश न कर सके।

जल वितरण नेटवर्क का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है ताकि किसी भी प्रकार के रिसाव का समय रहते पता लगाया जा सके। क्षतिग्रस्त पाइपों, नलों और वाल्वों की मरम्मत अथवा प्रतिस्थापन भी किया जा रहा है। इससे जल की बर्बादी कम होगी और आपूर्ति प्रणाली की कार्यक्षमता बढ़ेगी। रेलवे ने पेयजल और गैर-पेयजल उपयोग की पाइप लाइनों के बीच पूर्ण पृथक्करण सुनिश्चित करने की भी व्यवस्था की है। इसका उद्देश्य किसी भी प्रकार के आपसी संदूषण की संभावना को समाप्त करना है।

स्टेशन परिसरों में स्थापित वाटर कूलर और वॉटर वेंडिंग मशीनों से जुड़े आरओ संयंत्रों के फिल्टर कार्ट्रिज की नियमित सर्विसिंग, ओवरहॉलिंग और आवश्यकता अनुसार बदलाव किया जा रहा है। जल वितरण केंद्रों और वाटर कूलरों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि यात्रियों को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

रेलवे के चिकित्सा और इंजीनियरिंग विभाग की टीमें नियमित रूप से जल की गुणवत्ता की जांच कर रही हैं। इसके अलावा निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप अवशिष्ट क्लोरीन के स्तर की भी लगातार निगरानी की जा रही है, जिससे पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। उत्तर रेलवे ने कहा कि यात्रियों को सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना दिल्ली मंडल की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसी उद्देश्य से यह व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

कारों के लिए नए ईंधन दक्षता मानक अधिसूचित, 2032 तक 16.7 प्रतिशत सुधार का लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने यात्री वाहनों के लिए नए कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकोनॉमी (कैफे) मानकों को अधिसूचित कर दिया है। एक अप्रैल 2027 से लागू होने वाले ये नियम 31 मार्च 2032 तक प्रभावी रहेंगे। नए मानकों के तहत अगले पांच वर्षों में कारों की ईंधन दक्षता में 16.7 प्रतिशत सुधार लाने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के अनुसार, नए कैफे मानक भारत में बिक्री के लिए निर्मित या आयातित नए यात्री वाहनों पर लागू होंगे। इसके तहत ईंधन खपत का मानक 2027-28 में 3.996 लीटर प्रति 100 किलोमीटर से घटाकर 2031-32 तक 3.3273 लीटर प्रति 100 किलोमीटर किया जाएगा।

मंत्रालय ने बताया कि नया ढांचा वाहन निर्माताओं को स्वच्छ प्रौद्योगिकियां, वैकल्पिक ईंधन और नवाचार अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों, हाइब्रिड वाहनों, फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों और अन्य उन्नत तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। नए मानकों के तहत वाहन निर्माताओं को

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल, जैव ईंधन और संपीड़ित जैव गैस जैसे कम-कार्बन ईंधनों के उपयोग को बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहन मिलेगा। इसके लिए 'कार्बन न्यूट्रैलिटी फैक्टर' की व्यवस्था की गई है, जिससे कंपनियां अपने समग्र प्रदर्शन में सुधार दर्ज करा सकेंगी।

सरकार ने ईंधन बचाने वाली मान्य प्रौद्योगिकियों की संख्या भी चार से बढ़ाकर 12 कर दी है। इनमें सौर विकिरण परावर्तक पेंट, उन्नत ग्लेजिंग सिस्टम, उच्च दक्षता वाले एयर कंडीशनिंग सिस्टम और अन्य ऊर्जा बचत तकनीकें शामिल हैं। प्रत्येक पात्र तकनीक के लिए उत्सर्जन गणना में निर्धारित छूट मिलेगी। बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक वाहन, रेंज एक्सटेंडेड इलेक्ट्रिक वाहन, प्लग-इन हाइब्रिड, स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड और फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों को अतिरिक्त प्रोत्साहन देने के लिए 'सुपर क्रेडिट' व्यवस्था भी लागू की जाएगी। इससे वाहन निर्माताओं को स्वच्छ और उन्नत प्रौद्योगिकी वाले वाहनों की बिक्री बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मंत्रालय के अनुसार, नए मानक उद्योग को लचीलापन भी प्रदान करते हैं। यदि कोई कंपनी निर्धारित लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन करती है तो उसे क्रेडिट मिलेगा, जिसे वह आगे उपयोग कर सकेगी या अन्य निर्माताओं के साथ विनिमय कर सकेगी। आवश्यकता पड़ने पर ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी के माध्यम से क्रेडिट खरीदने का विकल्प भी उपलब्ध होगा।

नए कैफे मानकों के तहत रिपोर्टिंग संशोधित भारतीय ड्राइविंग चक्र और वैश्विक स्तर पर उपयोग किए जाने वाले परीक्षण मानक दोनों के आधार पर की जाएगी। इससे भारत को अंतरराष्ट्रीय वाहन परीक्षण प्रणाली के अनुरूप ढलने में सहायता मिलेगी। सरकार ने बताया कि जिन वाहन निर्माताओं की वार्षिक बिक्री 1,000 इकाइयों से कम है, उन्हें इन मानकों के तहत निर्धारित औसत बेड़े संबंधी दायित्वों से छूट मिलेगी।

हल्द्वानी के कथित 'शुद्धिकरण यज्ञ' के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाएगी कांग्रेस : सांसद

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उत्तराखंड के हल्द्वानी में जनसभा के बाद रामलीला मैदान के कथित 'शुद्धिकरण यज्ञ' मामले को कांग्रेस ने समस्त दलित और आदिवासी समाज के आत्मसम्मान पर सीधा आघात करार दिया है। इसके विरोध में कांग्रेस के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) फोरम के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजधानी के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब स्थित मावलंकर हॉल में 'दलित-आदिवासी स्वाभिमान बैठक' आयोजित कर देशव्यापी आंदोलन की शुरु करने का दावा किया गया है।

इस अभियान का नेतृत्व कर रहे तेलंगाना के नागरकुरनूल से कांग्रेस सांसद डॉ. मल्लू रवि ने बताया कि आज कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के मावलंकर हॉल में आयोजित 'दलित-आदिवासी स्वाभिमान बैठक' में देशभर से एक हजार से

अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। इसमें हमारे वर्तमान सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, कांग्रेस शासित राज्यों के मंत्री सहित तमाम नेता मौजूद रहे। आज की बैठक में आगे का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। इसके बाद नवंबर के अंतिम सप्ताह में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में एक बड़ा राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे शामिल होंगे।

कांग्रेस सांसद डॉ. मल्लू रवि ने बताया कि लोकसभा और राज्यसभा के एससी-एसटी सांसदों ने 7 सितंबर को बैठक कर मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम के बाद हुए शुद्धिकरण के कृत्य पर गहन चर्चा की थी।

ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के तीसरे चरण को मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III योजना को मंजूरी दी है। योजना बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के साथ राज्यों के बीच बिजली सप्लाई प्रणाली का विकास करेगी। यह योजना 135 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा निकासी और 50 गीगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण में सहायक होगी। परियोजना पर 1,86,405 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें 54,082 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता शामिल है। योजना को वित्त वर्ष 2032-33 तक स्थापित करने का लक्ष्य है। यह सहायता राज्य के भीतर पारेषण शुल्क को कम करने और बिजली की लागत को नियंत्रित करने में भी सहायक होगी।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। मंत्री के अनुसार इससे राज्य के भीतर

नवीकरणीय ऊर्जा का एकीकरण और बिजली निकासी सुगम होगी। अंतरराज्यीय पारेषण को मजबूती मिलेगी। योजना साल 2035 तक 900 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता स्थापित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगी। बताया कि इससे अनियमित बिजली आपूर्ति, ग्रिड में भीड़भाड़ और अधिक मांग के समय में बिजली कटौती को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। साथ ही गैर-सौर ऊर्जा वाले समय की मांग को भी पूरा किया जा सकेगा। जीईसी-III भारत के 2035 तक 900 गीगावाट स्थापित गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगी। यह दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देगी, कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगी और बिजली, विनिर्माण, निर्माण और ऊर्जा भंडारण क्षेत्रों में रोजगार सृजित करेगी।

खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटने से मिलेगी राहत, लेकिन आत्मनिर्भरता के लिए आधुनिक बीज तकनीक जरूरी: एनईएफआई

एजेंसी, नई दिल्ली

खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों के बीच केंद्र सरकार की ओर से आयात शुल्क में कटौती के फैसले का नेशनल फार्मर्स एम्पावरमेंट इनिशिएटिव (एनईएफआई) ने स्वागत किया है। संगठन ने कहा कि शुल्क में कमी से उपभोक्ताओं को तत्काल राहत मिल सकती है, लेकिन खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए किसानों को आधुनिक कृषि एवं बीज तकनीक उपलब्ध कराना जरूरी है। संगठन ने जीएम फसलों के मुद्दे पर भी समयबद्ध और विज्ञान आधारित निर्णय लेने की मांग की है।

सरकार ने 24 सितंबर को कच्चे सूरजमुखी तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी 10 प्रतिशत से घटाकर शून्य तथा कच्चे सोयाबीन और पाम ऑयल पर इसे 10 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया है। एनइएफआई ने कहा कि पिछले एक वर्ष में खाद्य तेलों की कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में देश ने 160.72 लाख टन खाद्य तेल का आयात किया, जिससे देश की करीब दो-तिहाई जरूरत आयात के जरिए पूरी हुई। इस पर लगभग 1.61 लाख

करोड़ रुपये खर्च हुए, जो केंद्रीय कृषि बजट से भी अधिक है। एनइएफआई के राष्ट्रीय संयोजक किशोर जायसवाल ने कहा कि आयात शुल्क में कटौती से उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, लेकिन यह समस्या के कारण का समाधान नहीं है। जब भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ती हैं, उसका असर देश के परिवारों के बजट के साथ-साथ हमारे विदेशी मुद्रा भंडार पर भी पड़ता है। इसका स्थायी समाधान हमारे खेतों में है और इसके लिए किसानों को उपलब्ध सर्वोत्तम बीज तकनीक का विकल्प मिलना चाहिए।

एनइएफआई ने कृषि क्षेत्र में तकनीक के प्रभाव का उदाहरण देते हुए बीटी कपास की सफलता का उल्लेख किया। संगठन के अनुसार, वर्ष 2002 में बीटी कपास को मंजूरी मिलने से

◆ बीटी कपास की सफलता का दिया उदाहरण, जीएम सरसों पर समयबद्ध निर्णय की मांग

पहले देश में कपास का उत्पादन लंबे समय तक 1.5-1.7 करोड़ गांठ के आसपास ठहरा हुआ था और उत्पादकता 300 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से कम थी। वर्ष 2013-14 तक कपास का उत्पादन करीब 4 करोड़ गांठ पहुंच गया। उत्पादकता में भी लगभग दोगुनी वृद्धि हुई और भारत दुनिया का सबसे बड़ा कपास उत्पादक तथा प्रमुख निर्यातक देशों में शामिल हुआ। महाराष्ट्र के अकोला के प्रगतिशील किसान गणेश नानोटे (लंबे समय से जीएम कपास की खेती कर रहे हैं) ने कहा, "बीटी कपास आने से पहले हर साल गुलाबी सुंडी और अन्य कीट हमारी फसल को नुकसान पहुंचाते थे और कीटनाशकों पर काफी खर्च होता था। इस तकनीक ने खेती का तरीका बदल दिया। उपज बढ़ी, छिड़काव कम हुआ और किसान परिवारों को बच्चों की शिक्षा तथा खेत में निवेश करने का अवसर मिला।

एशियाई खेलों के समीफाइनल में आज होगा भारत-पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीमों के बीच मुकाबला

एजेंसी, टोक्यो

एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम गुरुवार को सेमीफाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला करेगी। इस मुकाबले में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूल-ए में शीर्ष स्थान बनाया है, जबकि पाकिस्तान ने पूल-बी में दूसरा स्थान हासिल कर अंतिम चार में प्रवेश किया है। भारतीय टीम ने जिस प्रकार से ग्रुप चरण में अपना दबदबा बनाते हुए अंतिम आखिरी लीग मैच में बांग्लादेश को 10-0 के बड़े अंतर से हराकर दिखा दिया है कि वह आक्रामक अंदाज में खेलती रहेगी। इस एकतरफा जीत के साथ ही, भारतीय टीम ने पूल-ए में अपने सभी पांचों मुकाबले जीते और 15 अंकों के साथ शीर्ष पर अपनी पकड़ बना ली है। पूरे टूर्नामेंट में टीम की आक्रमण और रक्षापंक्ति ने अच्छा समन्वय दिखाया है जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। वहीं पूल-बी में पाकिस्तान ने भी चार मुकाबले जीतकर 12 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की है।

एशियाई खेलों में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा से ही रोमांचक होता आया है इस मैच में दोनो ही टीमों पर दबाव रहता है जिससे मैच के दौरान वही टीम जीतती है जो बेहतर रणनीति से उतरती है। एशियाई खेलों के हॉकी इतिहास में भारत और पाकिस्तान का एक गौरवशाली रिकॉर्ड रहा है। पाकिस्तान ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में आठ बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया है, जबकि भारत ने चार बार यह खिताब जीता है। पिछले एशियाई खेलों में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जापान को 5-1 से करारी शिकस्त देकर स्वर्ण पदक जीता था, जिससे वे इस बार अपने खिताब का बचाव करने की प्रबल दावेदार हैं। मौजूदा चैंपियंस होने के नाते, भारत पर थोड़ा अतिरिक्त दबाव भी होगा, लेकिन टीम अपने लक्ष्य को लेकर पूरी तरह केंद्रित है।

प्रज्ञान ओझा बन सकते हैं बीसीसीआई चयन समिति के नये अध्यक्ष

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये मुख्य चयनकर्ता बन सकते हैं। वर्तमान मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाल 4 अक्टूबर तक का ही है। ऐसे में चार अक्टूबर को होने वाली बीसीसीआई की सालाना बैठक में प्रज्ञान के नाम की घोषणा होना तय है। अभी ओझा चार सदस्यीय चयन समिति के अंतरिम प्रमुख की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। गत दिवस गुवाहाटी में बोर्ड की एक अहम बैठक में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ ही ओझा, शिव सुंदर दास, अजय रात्रा और आरपी सिंह बैठक में उपस्थित थे। वहीं अगरकर इस बैठक में शामिल नहीं थे जिससे बाद से ही ये साफ हो गया कि अब उनका कार्यकाल आगे नहीं बढ़ेगा। यह बैठक मुख्य रूप से भारतीय टीम के आगामी न्यूजीलैंड दौरे के लिए खिलाड़ियों के चयन और टीम संयोजन के लिए बुलायी गयी थी। गौरतलब है कि भारतीय टीम को न्यूजीलैंड में 22 अक्टूबर से पांच टी20 मैचों के साथ ही 4 नवंबर से पांच एकदिवसीय और 19 नवंबर से दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इसके अतिरिक्त भारतीय ए टीम को भी न्यूजीलैंड दौरे पर तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। ओझा का लंबा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव उन्हें इस पद के लिए एक मजबूत दावेदार बनाता है। उन्होंने टीम इंडिया के लिए 24 टेस्ट, 18 एकदिवसयी और 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। बाएं हाथ के स्पिनर के रूप में उनकी गहरी क्रिकेट समझ को ही अंतरिम तौर पर चयन समिति की कमान सौंपे जाने का मुख्य कारण माना जा रहा है। मौजूदा चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर का बीसीसीआई के साथ मौजूदा कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त होना है, और उन्होंने बोर्ड को पहले ही सूचित कर दिया था कि वे इस पद पर आगे जारी नहीं रहेंगे। आने वाले समय में भारतीय चयनकर्ताओं के सामने कई महत्वपूर्ण फैसले होंगे। न्यूजीलैंड दौरे के अलावा, 2027 एकदिवसीय विश्वप कप की तैयारियों को भी ध्यान में रखना होगा। ऐसे में खिलाड़ियों के वर्कलोड प्रबंधन, उनकी उपलब्धता और अलग-अलग फॉर्मेट के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम संयोजन पर गहन विचार-विमर्श करना होगा। फिलहाल प्रज्ञान ओझा को केवल अंतरिम जिम्मेदारी मिली है, लेकिन रिपोर्टों के अनुसार, उन्हें स्थायी रूप से भी इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया जा सकता है।

एशियन गेम्स 2026: भारतीय क्रिकेट टीम का सेमीफाइनल 1 अक्टूबर को श्रीलंका से

एजेंसी, नई दिल्ली

जापान के निशिन में चल रहे एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सेमीफाइनल मुकाबले की तस्वीर अब साफ हो गई है। पिछली बार की गोल्ड मेडलिस्ट भारतीय टीम 1 अक्टूबर को सेमीफाइनल में श्रीलंका का सामना करेगी। श्रीलंका ने नेपाल के खिलाफ अपना क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद बेहतर टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग के आधार पर अंतिम चार में जगह बनाई है। यह मुकाबला जापान के निशिन में खेला जाएगा।

एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट नॉकआउट चरण पर लगातार बारिश का गहरा असर देखने को मिल रहा है। श्रीलंका और नेपाल के बीच क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ने वाला यह लगातार तीसरा मैच था। नेपाल ने टूर्नामेंट के पिछले चरण में अफगानिस्तान जैसी मजबूत टीम को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन बारिश के कारण मैच रद्द होने और श्रीलंका की बेहतर रैंकिंग के चलते उसका सफर यहीं समाप्त हो गया। मैच रद्द होने की स्थिति में बेहतर रैंक वाली टीम को अगले दौर में भेजने के नियम के तहत श्रीलंका ने अंतिम चार में जगह बनाई है। अब श्रीलंका का सामना भारत से होगा। भारत पिछली एशियन गेम्स का गोल्ड मेडलिस्ट है और इस बार भी टीम खिताब की दौड़ में बनी हुई है। इसी तरह, साहिबजादा फरहान की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम ने भी हांगकांग, चीन के खिलाफ बारिश से प्रभावित क्वार्टरफाइनल के बाद सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की है।

महिला प्रीमियर लीग: 63 खिलाड़ी बरकरार, 27 स्लॉट खाली, नीलामी में यूपी वॉरियर्स का पर्स सबसे बड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली । महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सीज़न के लिए टीमों की बिसात बिछनी शुरू हो गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा निर्धारित खिलाड़ी रिटेंशन की समयसीमा समाप्त होने के साथ ही, सभी पांचों फ्रेंचाइजी ने अपने रिटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों की अंतिम सूची जारी कर दी है। इस प्रक्रिया में कई अप्रत्याशित और चौंकाने वाले फैसले सामने आए हैं, जिनमें सबसे बड़ा नाम गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) द्वारा ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक बल्लेबाज ग्रेस हैरिस को रिलीज करना है। 28 अक्टूबर को कोच्चि में होने वाली 2027 डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले, पांचों टीमों ने कुल 63 खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रखा है, जिनमें 23 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। बीसीसीआई के अनुसार, नीलामी से पहले कुल 27 स्थान खाली हैं, जिनमें 7 विदेशी खिलाड़ियों के लिए जगह बची हुई है। इन खाली स्थानों को भरने के लिए टीमें एड़ी-चोटी का जोर लगाती नजर आएंगी। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपनी कोर टीम को मजबूत बनाए रखने पर ध्यान दिया है। टीम के लिए सबसे बड़ी और राहत की खबर ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी की उपलब्धता है। पेरी, जो पिछले सत्र में आरसीबी के खिताबी अभियान का हिस्सा नहीं बन सकी थीं, उन्होंने अगले सत्र के लिए खुद को उपलब्ध कराया है।

विराट कोहली 35 की उम्र के बाद हुए और खूंखार, 27 पारियों में जड़े 1555 रन और सात वनडे शतक

एजेंसी, नई दिल्ली

क्रिकेट की दुनिया में जहां उम्र बढ़ने के साथ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में अक्सर गिरावट देखी जाती है, वहीं विराट कोहली जैसे कुछ महामानव हैं जो इस धारणा को चुनौती देते हैं। 37 साल के हो चुके विराट कोहली अंग्रेजी कहावत एजिंग लाइक अ फाइन वाइन को पूरी तरह से चरितार्थ कर रहे हैं। उनके आंकड़े बताते हैं कि 35 साल की उम्र पार करने के बाद से उन्होंने वनडे क्रिकेट में एक नया अध्याय लिखा है। इस अवधि में उन्होंने 27 पारियों में अविश्वसनीय 70.68 की औसत और 100.51 के स्ट्राइक रेट से कुल 1555 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से सात

शानदार शतक और नौ अर्धशतक निकले हैं, जो उनकी बढ़ती रनों की भूख को दर्शाता है। वह गेंदबाजों पर पहले से भी ज्यादा कहर बनकर टूट रहे हैं। हाल ही में, उन्होंने एक और मील का पत्थर पार करते हुए सचिन तेंदुलकर के 15 हजार वनडे रन बनाने के रिकॉर्ड को भी तोड़ा। विराट ने यह उपलब्धि सचिन से 74 कम पारियों में हासिल की, जिससे वह सबसे तेज 15 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। सचिन ने जहां 17528 गेंदों में यह आंकड़ा छुआ था, वहीं कोहली ने 15950 गेंदों का सामना किया। यह उपलब्धि उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर की शाम को हासिल की। वर्तमान में, कोहली के नाम 55 वनडे शतक दर्ज हैं और उनके प्रशंसकों को उम्मीद है कि यह संख्या अभी और बढ़ेगी। हालांकि, सचिन तेंदुलकर के 18,426 रनों के कुल आंकड़े को पार करना, खासकर वनडे मैचों की संख्या में कमी को देखते हुए, एक कठिन चुनौती प्रतीत होता है। यह सवाल अक्सर उठता है कि क्या विराट कोहली वनडे क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर से बड़े खिलाड़ी हैं।

एशियन खेल 2026: सुनील ने जीता कांस्य, ग्रीको-रोमन कुश्ती में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय

एजेंसी, नागोया

भारतीय पहलवान सुनील कुमार ने एशियन खेल 2026 में पुरुषों के ग्रीको-रोमन 87 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीत लिया है। सुनील ने बुधवार को कांस्य पदक मुकाबले में फिलीपींस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 9-0 से हराया।

नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में हुए मुकाबले में सुनील ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने 9-0 की बढ़त हासिल की और मुकाबला खत्म होने में करीब तीन मिनट बाकी रहते ही तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ सुनील कुमार एशियन खेल में ग्रीको-रोमन कुश्ती में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान बन गए हैं। उन्होंने इससे पहले 2023 हांगझोऊ एशियन खेल में भी कांस्य पदक जीता था। सुनील ने हांगझोऊ में अपने अभियान की शुरुआत ताजिकिस्तान के मुहम्मद सुल्तोनज़ोदा को 9-0 से हराकर की थी। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें

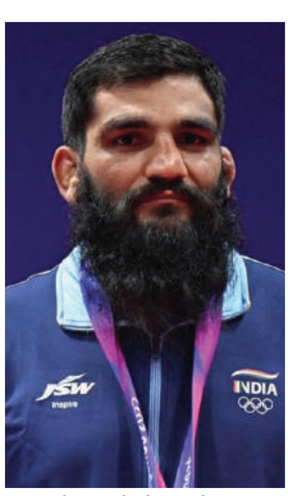

जापान के ताइजो योशिदा के खिलाफ 0-11 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने कांस्य पदक मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए रॉबर्ट्स को एकतरफा अंदाज में हराया। सुनील का यह प्रदर्शन एशियन खेल में भारतीय कुश्ती के लिए भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि उन्होंने ग्रीको-रोमन शैली में देश के लिए लगातार दूसरे एशियन खेल में पदक सुनिश्चित किया है।

एशियन खेल 2026: ज्योति, चिकिता, पृथिका ने रचा इतिहास, भारत ने जीता कंपाउंड तीरंदाजी का स्वर्ण

एजेंसी, आइची-नागोया

भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने एशियन खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को स्वर्ण पदक जीत लिया। ज्योति सुरेखा वेन्नम, पृथिका प्रदीप और तनीपर्थी चिकिता की भारतीय टीम ने बुधवार को फाइनल में चीन को 238-234 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने महिलाओं की कंपाउंड टीम स्पर्धा में अपना एशियन खेल खिताब बरकरार रखा। भारतीय टीम ने मुकाबले में शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और अंत तक अपनी बढ़त कायम रखी। भारत ने पहले चरण के बाद 60-58 की बढ़त बनाई, जो दूसरे चरण के बाद 119-116 और तीसरे चरण के बाद 178-175 हो गई। अंतिम चरण में भारतीय तीरंदाजों ने लगातार सटीक निशाने लगाकर चीन को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। फाइनल के आखिरी दौर में चिकिता, पृथिका और ज्योति ने लगातार 10-10 अंक हासिल किए। चीन ने भी अंतिम चरण में तीन 10 लगाए, लेकिन भारतीय टीम की

बढ़त इतनी मजबूत थी कि वह स्वर्ण पदक अपने नाम करने में सफल रही। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम ने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की। भारत ने उस रिकॉर्ड की बराबरी की, जो दक्षिण कोरिया ने 2014 इंचियोन एशियन खेल में बनाया था। भारत ने इस स्पर्धा में इससे पहले 2018 में रजत और 2014 में कांस्य पदक जीता था। अब लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतकर भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने एशियन खेल में अपना दबदबा कायम किया है। भारतीय टीम की सबसे अनुभवी सदस्य ज्योति सुरेखा वेन्नम लंबे समय से देश की प्रमुख कंपाउंड तीरंदाजों में शामिल हैं। उन्होंने 2011 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। ज्योति ने 2023 एशियन गेम्स में व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीते थे। इसके अलावा उन्होंने 2023 विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में टीम स्वर्ण और विश्व कप चरणों में 11 स्वर्ण पदक जीते हैं। एशियाई आउटडोर चैंपियनशिप में भी उनके नाम सात स्वर्ण पदक हैं। उनके शानदार करियर को देखते हुए उन्हें 2017 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तनीपर्थी चिकिता ने कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना ली है। तेलंगाना की इस तीरंदाज ने 2025 विश्व तीरंदाजी युवा चैंपियनशिप में अंडर-21 महिला व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस प्रतियोगिता में व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। किसान परिवार से आने वाली चिकिता ने अपने पिता की प्रेरणा से दूसरी कक्षा में तीरंदाजी शुरू की थी। वर्ष 2018 में उन्होंने इसे गंभीरता से अपनाया और 2021 में पेशेवर स्तर पर कदम रखा। वह 2025 और 2026 विश्व कप में टीम स्पर्धा के दो रजत पदक सहित एशियन ग्रां प्री में भी कई पदक जीत चुकी हैं। पृथिका प्रदीप भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी की उभरती हुई प्रतिभा हैं। उन्होंने पांचवीं कक्षा में शौक के तौर पर तीरंदाजी शुरू की और छठी कक्षा से पेशेवर प्रशिक्षण लेना शुरू किया। 2025 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद वह अब तक सात अंतरराष्ट्रीय पदक—एक स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य जीत चुकी हैं। उनकी उपलब्धियों में 2025 विश्व तीरंदाजी युवा चैंपियनशिप के दो रजत, 2025 और 2026 विश्व कप के दो रजत और एक कांस्य तथा 2025 एशियाई आउटडोर चैंपियनशिप का एक स्वर्ण और एक रजत पदक शामिल हैं।

एशियन खेल 2026: भारतीय पुरुष स्क्वैश टीम ने पदक पक्का किया, सेमीफाइनल में मलेशिया से मुकाबला

एजेंसी, आइची-नागोया

भारतीय पुरुष स्क्वैश टीम ने एशियन खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को कुवैत को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली और देश के लिए एक और पदक पक्का कर दिया। गत चैंपियन भारत अब अंतिम चार में मलेशिया से भिड़ेगा। कुवैत के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में भारत की ओर से वीर चोत्रानी ने पहले मुकाबले में बादर अलमोगरेबी को 3-1 से हराया। वीर ने यह मुकाबला 12-10, 8-11, 11-0, 11-5 से अपने नाम किया।

इसके बाद अभय सिंह ने अम्मार अल-तमिमी को सीधे गेमों में 3-0 से शिकस्त देकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अभय ने मुकाबला 11-3, 11-4, 11-8 से जीता। इससे पहले भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने भी एशियन खेल में पदक पक्का किया था। भारतीय टीम ने मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर को 2-0 से हराया था। भारत की ओर से तन्वी खन्ना ने वाई लिन औ योंग को 3-1 से हराकर शुरुआत की। तन्वी ने 11-6, 5-11, 15-13,

11-1 से मुकाबला जीता। इसके बाद अनाहत सिंह ने वाई यान औ योंग को 3-0 से हराकर भारत की जीत पक्की कर दी। अनाहत ने 11-7, 11-3, 11-4 से मुकाबला अपने नाम किया। महिला टीम के सेमीफाइनल में भारत के सामने कौन होगा, यह अभी तय नहीं हुआ है। एशियन खेल 2026 में स्क्वैश में भारत का प्रदर्शन पहले ही प्रभावशाली रहा है। अनाहत सिंह ने महिला एकल में रजत पदक जीता था। उन्हें फाइनल में मलेशिया की सिवासंगरी सुब्रमण्यम ने 3-0 से हराया था। वहीं, अभय सिंह ने पुरुष एकल में रजत पदक अपने नाम किया। उन्हें फाइनल में मलेशिया के एनग इयान यो ने 9-11, 5-11, 5-11 से हराया था। अब भारतीय पुरुष और महिला टीमों के पास टीम स्पर्धा में पदक का रंग बदलने का मौका है।

बांग्लादेश, न्यूजीलैंड सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, सोफी मोलिन्यू होंगी कप्तान

एजेंसी, मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए अपनी महिला टीम घोषित कर दी है। दोनों सीरीज के लिए सोफी मोलिन्यू को कप्तान बनाया गया है। हालांकि, कूल्हे की चोट से उबर रही मोलिन्यू की उपलब्धता पर लगातार नजर रखी जाएगी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि मोलिन्यू टीम में शामिल हैं, लेकिन चोट से पूरी तरह उबरने के बाद ही उनकी सीरीज में भागीदारी पर अंतिम फैसला होगा। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि मोलिन्यू कूल्हे की चोट का प्रबंधन कर रही हैं और आने वाले दिनों में उनकी स्थिति का आकलन

किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने दोनों सीरीज के लिए 14 सदस्यीय टीम चुनी है। तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर हैं, जबकि लूसी हैमिल्टन बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में क्वाड स्ट्रेन के कारण उपलब्ध नहीं रहेंगी। हालांकि, उनके न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज तक फिट होने की उम्मीद है। ग्रेस हैरिस को टीम में जगह नहीं मिली है। चयनकर्ता फ्लेगलर ने स्पष्ट किया कि वह भविष्य की योजनाओं में बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि टी20 टीम का आकार छोटा होने और विश्व कप के दौरान सीमित अवसरों के कारण हैरिस चयन से चूक गईं। बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज 9 अक्टूबर से शुरू होगी। तीनों मुकाबले ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में खेले जाएंगे। पहला वनडे 9 अक्टूबर, दूसरा 11 अक्टूबर और तीसरा 14 अक्टूबर को होगा। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी। पहला मैच 18 अक्टूबर, दूसरा 20 अक्टूबर और तीसरा 22 अक्टूबर को सिडनी के नॉर्थ सिडनी ओवल में खेला जाएगा। फ्लेगलर ने कहा कि विश्व कप के बाद होने वाले ये छह मुकाबले ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए चुनौतीपूर्ण होंगे और बांग्लादेश तथा न्यूजीलैंड दोनों अलग-अलग तरह की चुनौती पेश करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया टीम: निकोला कैरी, एश गार्डनर, किम गर्थ, लूसी हैमिल्टन*, एलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैक्ग्रा (उपकप्तान), सोफी मोलिन्यू (कप्तान), बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल और जॉर्जिया वेयरहैम। लूसी हैमिल्टन बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी।

एशियन खेल 2026: नीरू धांडा और किनान चेनाई ने ट्रैप मिश्रित टीम में जीता स्वर्ण

एजेंसी, आइची-नागोया

भारत की नीरू धांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने एशियन खेल 2026 में ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 40 में से 34 निशाने साधे और नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। कतर ने 32 अंक के साथ रजत पदक जीता, जबकि चीन को 23 अंकों के साथ कांस्य पदक मिला। यह एशियन खेल की ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। नीरू के लिए यह एशियन खेल 2026 में दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले उन्होंने महिलाओं की व्यक्तिगत ट्रैप स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास

रचा था। वह इस स्पर्धा में एशियन खेल का व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। नीरू ने व्यक्तिगत फाइनल में 28 निशाने लगाकर एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। नीरू ने 2026 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इटली के लोनाटो में आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस स्पर्धा में व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। इसके अलावा उन्होंने 2025 एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता। वहीं, किनान दारियस चेनाई भारत के अनुभवी ट्रैप निशानेबाजों में शामिल हैं। हैदराबाद में जन्मे किनान ने 2003 में निशानेबाजी शुरू की थी। उनके पिता डेरियस चेनाई भी राष्ट्रीय स्तर के ट्रैप निशानेबाज रहे हैं। किनान ने चार बार के ओलंपियन और प्रसिद्ध कोच मंशेर सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लिया। किनान ने 2008 राष्ट्रमंडल युवा खेलों में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। उन्होंने 2016 में भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल किया और रियो ओलंपिक में पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 2022 हांगझोऊ एशियन खेल में भी किनान ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पुरुषों की ट्रैप टीम स्पर्धा में स्वर्ण और व्यक्तिगत ट्रैप स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

जॉब सिक्योरिटी युवाओं को एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है

अगर आप सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जॉब्स के बारे में जानते ही होंगे। इन जॉब्स की कुछ खासियतें इन्हें बेहद आकर्षक बनाती हैं। जानते हैं इन्हीं खासियतों के बारे में।

केंद्र सरकार की नौकरी

परंपरागत रूप से भारत में सरकारी नौकरी को प्रतिष्ठा के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। एसएससी जॉब्स सरकारी नौकरियों में काफी ऊंचा दर्जा रखती हैं, सो इनके साथ भी यह प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। अधिकांश एसएससी जॉब्स उच्च पे-बैंड के तहत आती हैं और इनमें अच्छी-खासी सैलरी मिलती है। इसके अलावा, टैक्स ऑडिटर्स, इंस्पेक्टर्स, असिस्टेंट्स आदि को कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं, जैसे मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, दिल्ली व अन्य प्रमुख नगरों में आवास, अनेक प्रकार के भत्ते आदि।

जॉब सिक्योरिटी

किसी भी फील्ड में लोगों को आकर्षित करने का एक बड़ा कारक होता है जॉब सिक्योरिटी। यूं तो सभी सरकारी नौकरियों में जॉब सिक्योरिटी होती है मगर उच्च श्रेणी का अफसर होने के नाते यह सुरक्षा और भी बढ़ जाती है। प्राइवेट सेक्टर में उच्च पदों पर कार्यरत अफसरों को भी विपरीत परिस्थितियों में पिंक स्लिप थमाए जाने का खतरा रहता है मगर सरकारी क्षेत्र में ऐसा कभी नहीं होता। यह सुरक्षा युवाओं को प्रतिष्ठापूर्ण एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है।

कई तरह के पद

अनेक युवा यह सोचकर एसएससी जॉब्स से दूर भागते हैं कि यहां तो निम्न श्रेणी के ही पद उपलब्ध होते हैं। उनकी यह सोच गलत है। एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, एन्फोर्समेंट ऑफिसर, मिनिस्टीरियल असिस्टेंट आदि जैसे उच्च श्रेणी के पदों पर भी नियुक्तियां की जाती हैं। कुल मिलाकर यहां कई तरह के पदों पर काम किया जा सकता है, जिनमें अच्छे-खासे प्रशासनिक अधिकार भी होते हैं और समाज में सम्मान भी।

प्रिंट, टीवी और रेडियो को अपने अंदर समेटे है वेब पत्रकारिता

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है।

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। सूचना और संचार क्रांति के दौर में आज प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच वेब पत्रकारिता का चलन तेजी से बढ़ा है और अपनी पहचान बना ली है। अखबारों की तरह बेव पत्र और पत्रिकाओं का जाल, अंतरजाल पर पूरी तरह बिछ चुका है। छोटे-बड़े हर शहर से अमूमन बेव पत्रकारिता संचालित हो रही है। छोटे-बड़े सभी शहरों के प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया भी वेब पर हैं। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में थोड़े ही समय में इसने बड़ा मुकाम पा लिया है। हालांकि समर अभी शेष है और भविष्य उज्जवल।

वेब पत्रकारिता को पेशा बनाने वालों के लिए ध्यान रखने योग्य बातें

- हिंदी इनस्क्रिप्ट की बोर्ड की जानकारी हो।
- यूनिकोड फॉंट तकनीकि पर काम करें।
- वेब पत्रकारिता के समाचार सूचनापरक होना चाहिए, वाक्य छोटे होने चाहिए।
- सर्च इंजन का की-वर्ड समाचार में कम से कम दो-तीन बार जरूर लायें।
- कुछ की-वर्ड समाचार के हेड-लाईन में भी जरूर लायें।
- समय का ख्याल रखें- आज, कल और परसो से बचें ।
- संस्था का नाम भी समाचार में जरूर लायें।
- तीसरे या चौथे पेराग्राफ के बाद समाचार का बैक-ग्राउंड दें ।
- तस्वीरें और ग्राफिक से पेज को सजायें।
- संदर्भ और स्रोत का भरपूर उपयोग करें।

क्या होती है वेब पत्रकारिता

जिस प्रकार अखबारों, पत्रिकाओं में खबरों के चयन, संपादन या लेखन होते हैं। यही कार्य यदि इंटरनेट पर किया जाता है तो वेब पत्रकारिता कहलाता है।

खुबियाँ

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। पहले जहां इंटरनेट कम्प्यूटर तक सीमित था, वहीं नई तकनीकों से लैस मोबाइलों, स्मार्ट फोन और टैब में भी इंटरनेट का चलन बढ़ता जा रहा। किसी भी जगह कहीं भी इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह वेब पत्रकारिता का ही कमाल है कि आप दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर किसी भी भाषा में, किसी भी दिन और किसी भी देश का अखबार या खबरें पढ़ सकते हैं। यह ख़बरों का तीर्व्र माध्यम के रूप में भी स्वीकारा गया है।

चुनौती और समस्या

पहली बड़ी चुनौती कम्प्यूटर साक्षरता दर की है। दूसरी चुनौती भारत में अभी भी वेब पत्रकारिता की पहुंच अगली पंक्ति में खड़े लोगों तक ही सीमित है। इधर के दिनों में यह मध्यम वर्ग तक भी आया है। जहां तक अंतिम कतार में खड़े लोगों तक पहुंचने की बात है तो अभी यह कोसों दूर है। हालांकि अंतरजाल मुहैया कराने वाली कंपनियों ने मोबाइल फोन और ग्रामीण क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान दिया है और इंटरनेट अब गांवों तक पहुंच गया है। तीसरी चुनौती पत्रकारों के समक्ष तकनीकी ज्ञान की है। अन्य चुनौती के रूप में वेब पत्रकारिता में सबसे बड़ा सवाल विश्वसनीयता को लेकर भी है। आज लोगों को इतनी जगहों से समाचार मिल रहे हैं कि लोगों के लिए समाचारों की विश्वसनीयता एक बड़ा मुद्दा है। यह वेब पत्रकारिता के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

भविष्य

आज वेब-संस्करण चलाने बाली समाचार-पत्र और पत्रिकाओं की संख्या कम है। भविष्य में हर पत्र-पत्रिका ऑन-लाईन होगी। साथ ही साथ स्वतंत्र न्यूज पोर्टल की संख्या में भी वृद्धि होगी। यह आसार लगाया जा रहा है कि समाचार-पत्र घाटे से बचने के लिए प्रिंट संस्करण बंद कर ऑन-लाईन से अपनी सेवा जारी रखेगा। बात स्पष्ट है कि जिस पत्र का लक्षित समूह उच्च वर्ग है और जिनके पास इंटरनेट आसानी से उपलब्ध है, वह धीरे-धीरे प्रिंट संस्करण बंद कर पूर्ण रूप से ऑन-लाईन हो जायेगा।

विस्तृत दायरा

वेब पत्रकारिता की पहुंच एक निश्चित भौगोलिक सीमा तक नहीं है अपितु इसकी पहुंच वैश्विक है। वेब पत्रकारिता करने वालों का दायरा बहुत बड़ा हो जाता है। उनकी ख़बर एक पल में सारी दुनिया में पहुँच जाती है जो कि अन्य समाचार माध्यमों में संभव नहीं है।

एमबीए के सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस

जब पैकेज की बात आती है, तो एमबीए सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक के रूप में सामने आता है। तेज गति से हो रहे विकास और आर्थिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों को देखते हुए ऐसे पाठ्यक्रमों की जरूरत महसूस हो रही है, जो विद्यार्थियों को इन बदलते हालात के अनुसार तैयार कर सकें। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस जैसे कोर्स सामने आए हैं। यदि कोई विद्यार्थी मैनेजमेंट में रुचि रखता है और दुनिया भर में घूमने का इरादा भी रखता है, तो उसके लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है।

क्या है एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस?

बढ़ते भूमंडलीकरण और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए इंटरनेशनल बिजनेस से जुड़े पाठ्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। अनेक कंपनियां, जो विदेशों में अपना व्यवसाय फैलाना चाहती हैं, ऐसे उम्मीदवारों की तलाश में रहती हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिजनेस संभालने में कुशल हों और साथ ही किसी बिजनेस के लिए उपयोगी सिद्धांतों व अवधारणाओं से अवगत हों। विदेशों में व्यवसाय फैलाने में कई तरह के जोखिम होते हैं। इसलिए कंपनियां ऐसे उम्मीदवारों को ही पसंद करती हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल बिजनेस पढ़ा है। यह कोर्स ग्लोबल स्तर पर मौजूद संसाधनों की समझ विकसित करता है। इसमें यह सिखाया जाता है कि अंतरराष्ट्रीय फर्मों की क्या जरूरतें होती हैं और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जाए। करियर के लिहाज से इसमें उपलब्ध अवसर और एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस की डिग्री वाले उम्मीदवारों को मिलने वाला पैकेज इस फील्ड को बेहद आकर्षक बना देता है। साथ ही इसमें दुनिया के विभिन्न देशों में घूमने और जहां भी अच्छा ऑफर मिले, वहां बस जाने का मौका मिल सकता है। इंटरनेशनल बिजनेस में एमबीए करने के बाद आपके लिए विश्व की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों हेतु काम करने के द्वार खुल जाते हैं। आपको अंतरराष्ट्रीय बाजार और आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी तमाम जानकारी प्राप्त हो सकती है।

यहां से करें कोर्स

यह कोर्स कराने वाले प्रमुख भारतीय संस्थान हैं – इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, जेके बिजनेस स्कूल, एशियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, एशिया-पैसिफिक स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट आदि। इन भारतीय संस्थानों में प्रवेश पाने के लिए प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है। इसके अलावा यह डिग्री कराने वाले प्रमुख विदेशी संस्थान इस प्रकार है – आईएनएसईएडी (सिंगापुर), हारवर्ड बिजनेस स्कूल (अमेरिका), व्हार्टन स्कूल यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिलवेनिया (अमेरिका), लंदन बिजनेस स्कूल (ब्रिटेन) आदि।

कहां मिलेगी जॉब?

एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस कर चुके उम्मीदवारों को जॉब देने के मामले में अग्रणी भारतीय कंपनियां इस प्रकार है – कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी, विप्रो, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस आदि। विदेशी संस्थानों की बात करें तो यहां आपको अच्छे ऑफर मिल सकते हैं- यूएस डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट, इंटरनेशनल ट्रेड कमिशन, बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, वॉलमार्ट, जेपी मॉर्गन, मर्क आदि।

क्या सिविल सर्विसेस आपका पैशन है?

यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जाम एक ऐसी परीक्षा है, जिसके माध्यम से आईएएस और आईपीएस अधिकारी चुने जाते हैं। लगभग हर विद्यार्थी के मन में यह विचार जरूर आता है कि वह आईएएस अफसर बने। बहुत-से लोग इसकी तैयारी भी करते हैं, लेकिन चुने जाते हैं कुछ ही।

दुनिया के किसी भी काम को करने के लिए परिश्रम की जरूरत होती है, लेकिन इससे भी पहले एक और चीज की जरूरत पड़ती है और वह है आपका पैशन, आपका जुनून। इसीलिए एक बात का बहुत खयाल रखना होगा कि यदि आपमें वह जज्बा नहीं है, यदि आप किसी के कहने मात्र से इस परीक्षा की तैयारी करने जा रहे हैं, तो आप इस परीक्षा के लायक नहीं हैं। कारण यह कि आईएएस परीक्षा की तैयारी बिना पैशन के हो ही नहीं सकती। बेहतर होगा कि आप कोई और फील्ड चुन लें क्योंकि समय बहुत कीमती है और इसे किसी ऐसी जगह नहीं लगाना चाहिए, जहां आपका पैशन न हो।

क्या आप फोकस्ड हैं?

कोई भी कार्य एकाग्रता की मांग करता है। यदि आपमें फोकस्ड होने की क्षमता नहीं है या आपका मन भटकता है, तो आपके लिए इस परीक्षा का चुनाव गलत साबित हो सकता है। अक्सर लोग ऑप्शन लेकर चलते हैं कि अगर आईएएस नहीं तो कोई और एग्जाम सही। इस प्रकार दो नावों पर पैर रखने से अक्सर लोग गिर जाते हैं। इसलिए अच्छा यही होगा कि आप या तो पूरी तरह फोकस्ड होकर यह परीक्षा दें या फिर अपना टारगेट बदल दें।

क्या परिस्थितियां पढ़ाई के अनुकूल हैं?

कहते हैं, पढ़ने वाला कहीं भी पढ़ लेता है, फिर चाहे कितना भी शोर हो या कोई समस्या हो। यह बात सच है। लेकिन अगर टारगेट आईएएस हो, तो आपको समस्या हो सकती है। कारण यह कि इसकी तैयारी के लिए आपको शांत माहौल मिलना चाहिए, जिससे आपका मन न भटके। साथ ही, आपकी परिस्थितियां ऐसी होनी चाहिए जो आपको तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराए।

क्या आप न्यूनतम योग्यता रखते हैं?

आईएएस की परीक्षा के लिए आपके पास न्यूनतम योग्यता होनी ही चाहिए। यानी आपको ग्रेजुएट तो होना ही चाहिए, साथ ही आपमें आईएएस के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। यहां न्यूनतम योग्यता से मतलब केवल ग्रेजुएट होना ही नहीं है, बल्कि इसके अलावा भविष्य के एक आईएएस अफसर से जो उम्मीद की जाती है, वह योग्यता भी आपमें होनी चाहिए।

क्या आपको डीप स्टडी में रुचि है?

अगर आप बहुत ज्यादा गहराई से पढ़ाई नहीं कर सकते, तो मान लें कि यह परीक्षा आपके लिए नहीं है। सिविल सर्विसेज एग्जाम में आप कुछ चुनिंदा विषयों और ऊपरी स्तर पर पढ़कर पास हो ही नहीं सकते। आपमें ज्ञान की भूख होनी चाहिए। आप हर विषय को उसकी गहराई में जाकर समझें। ऐसा करने की आपमें इच्छा होनी चाहिए।

क्या आप त्वरित व सही निर्णय लेते हैं?

एक आईएएस ऑफिसर को जिन परिस्थितियों में काम करना होता है, उनमें कई बार त्वरित मगर सही निर्णय लेने होते हैं। यह एक जरूरी गुण है, जो हर आईएएस अधिकारी में होना ही चाहिए। इसलिए पेपर हल करते समय भी सही निर्णय का टेस्ट लिया जाता है। कई सवाल ऐसे होते हैं, जो आपकी इसी क्षमता को परखते हैं। इसीलिए डिसीजन मेकर बनें और जीवन के हर पहलू पर चर्चा करें। लोगों की समस्याएं सुनें और फिर अपनी राय देने की आदत डालें।

क्या आपकी पब्लिक सर्विस में रुचि है?

अगर आप सिर्फ पावर, पैसे या पोस्ट के लिए यह परीक्षा देने जा रहें हैं, तो आपको इस बारे में एक बार फिर सोचना चाहिए। आपमें जनता की सेवा का जज्बा होना चाहिए। एक आईएएस अधिकारी से जनता मदद की उम्मीद करती है और उसकी नियुक्ति भी इसलिए की जाती है, ताकि वह जनता की मदद कर सके। उसे जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा सके और जरूरत पड़ने पर उसकी बात भी सुने, उसकी परेशानी को समझे।

क्या आपमें धैर्य है?

धैर्य न होना छोटी-सी बात लगती है लेकिन यह बहुत बड़ी बात है। हमारी निजी जिंदगी में तो अक्सर हम धैर्य टूट जाने पर एक-दूसरे को लड़ते-झगड़ते देखते हैं। जहां परीक्षा की तैयारी के लिए धैर्य की जरूरत होती है, वहीं भविष्य के आईएएस अधिकारी से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोए और धैर्य के साथ ही काम करे और निर्णय ले, ताकि उसके सही होने की संभावना भी ज्यादा हो।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
बोकारो, गुरुवार, 01 अक्टूबर, 2026

अपकमिंग फिल्म 'सोहला' से बातौर प्रेजेंटर जुड़ी हैं सोनाली बेंद्रे

सोनाली बेंद्रे लंबे अरसे के बाद 2013 में फिल्मों में वापस लौटी थीं। इसके बाद से वह फिल्मों और सीरीज में काम करती रही हैं। अब वह अपकमिंग फिल्म 'सोहला' से बातौर प्रेजेंटर जुड़ी हैं। यह फिल्म परिवार, सपनों और उन फैसलों के बारे में है, जो हमारी जिंदगी को आकार देते हैं। इसकी कहानी 13 साल की जोशीले लड़के 'पश्या' के इर्द-गिर्द घूमती है।

फिल्म का नाम 'सोहला' है। इसका मतलब है जश्न। यह एक ऐसी रस्म है जो किसी लड़के के बड़े होने के सफर में बहुत अहमियत रखती है। यह रस्म परिवार और करीबी लोगों के साथ मनाई जाती है और इसमें लड़का पहली बार अपने पिता की चप्पलें पहनता है। यह काम उसके बचपन से जवानी की ओर बढ़ने का प्रतीक है। पश्या के लिए, यह रस्म एक खास मौका है, जिसका उसे बेसब्री से इंतजार रहता है। इस मौके पर नए कपड़े, आशीर्वाद, मिठाइयां, हंसी-मजाक और परिवार के साथ गांव के मंदिर जाने का मौका मिलता है। पहली बार अपने पिता की चप्पलें पहनना उसके जीवन का एक अहम पल होता है। हालांकि, उसके तैयार होने से पहले ही हालात कुछ ऐसे हो जाते हैं कि उसे कुछ ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं, जो आगे की कहानी तय करते हैं।

'सोहला' की प्रेजेंटर बनने के बारे में सोनाली बेंद्रे ने कहा, 'यह कोई ऐसी फिल्म नहीं है जिसे मैंने देखा और भूल गई। यह एक ऐसी फिल्म है जो मेरे साथ वैसे ही जुड़ी रही, जैसे कोई किताब जो चुपचाप आपको बदल देती है, आपके साथ रहती है। मैं 'सोहला' को एक अभिनेत्री के तौर पर प्रेजेंट नहीं कर रही हूं। मैं इसे एक ऐसी इंसान के तौर पर प्रेजेंट कर रही हूं, जो इस फिल्म और सैकत की बनाई कहानी में यकीन रखती है।'

इस फिल्म के निर्देशक सैकत बागबान हैं। इसे रोज ऑडियो विजुअल्स के बैनर तले गोल्डी बहल ने प्रोड्यूस किया है।

फातिमा सना शेख ने क्यों की सलमान खान की तारीफ

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने 'बिग बॉस 20' के हालिया एपिसोड में ट्रोलर्स को जवाब देने के सलमान खान के तरीके की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में सलमान की जो जगह है, उसे देखते हुए उनका यह कदम बहुत अहम है। हाल ही में फातिमा सना शेख अपनी फिल्म 'हुंकार' के प्रमोशन के लिए 'बिग बॉस 20' में आईं थीं। सलमान के इस रवैये पर बात करते हुए फातिमा ने कहा 'जिस तरह से आपने इस बार ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है, वह बहुत बड़ी बात है। जब आपकी जैसी बड़ी हस्ती किसी मुद्दे पर बात करती है या स्टैंड लेती है, तो लोगों पर इसका बहुत गहरा असर पड़ता है।' फातिमा ने बताया कि कैसे मशहूर हस्तियों के मुद्दों पर आवाज उठाने से दर्शकों पर व्यापक असर पड़ सकता है। उन्होंने खास तौर पर सलमान के उस फैसले का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने अपनी बड़ी हैसियत के बावजूद ऑनलाइन ट्रोलर्स को जवाब दिया और मुद्दों पर बात की।

ट्रोलिंग पर बोले सलमान

शो 'बिग बॉस 20' के 'वीकेंड का वार' में सलमान ने उन ट्रोलर्स को जवाब दिया जो उनके वजन बढ़ने और लुक को लेकर उन्हें निशाना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों को दूसरों के लुक को लेकर उनकी आलोचना करना बंद कर देना चाहिए। सलमान अपने वजन के बारे में की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए दिखे। आलोचना का जवाब देते हुए सलमान ने कहा, 'कर लो ट्रोल, ये लो,' और फिर अपनी टोपी और जैकेट उतार दी। सोशल मुद्दों पर खुलकर बात करने के लिए पहचाने जाने वाले इस अभिनेता ने बॉडी-शेमिंग, उम्र से जुड़ी ट्रोलिंग और लोगों के निजी लुक की आलोचना के खिलाफ भी बात की।

सलमान ने कटरीना का किया बचाव

सलमान खान अपनी दोस्त और एक्ट्रेस कैटरीना कैफ का बचाव करते हुए भी दिखे। हाल ही में कटरीना अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी समारोह में शामिल हुईं। उन्हें बच्चे के जन्म के बाद बढ़े वज़न को लेकर ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। सलमान ने कटरीना का नाम लिए बिना कहा, 'आप किसी ऐसे व्यक्ति को ट्रोल क्यों करते हैं, जो गर्भवती हो जाती है? गर्भवती होने के बाद हर किसी का वजन बढ़ जाता है। जब वह पिक्चरों में वापस आएंगी तो वो फिट होकर आएंगी। वह अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहती हैं।'

अपनी उम्र पर बोले सलमान

सलमान ने अपनी उम्र के बारे में हो रही टिप्पणियों पर कहा 'बेशक, मैं 60 साल का हूं। आप हर समय मैंने प्यार किया जैसे नहीं रह सकते। यह युग अचानक (एक विषय) बन गया है (लोग कहते हैं) वो बुड्ढा हो गया है। आप क्या ट्रोल करना चाहते हैं। मुझे पता है मुझे कौन ट्रोल करता है। हम रिएक्ट नहीं करते। हमारे फैन क्लब इतने सारे हैं। हमको क्या फर्क पड़ता है। बोलने दो इनको।' सलमान ने गुस्सा करते हुए अपना मेकअप मिटा दिया और ट्रोल्स को चुनौती दी कि वे अब उनका मजाक उड़ाएं।

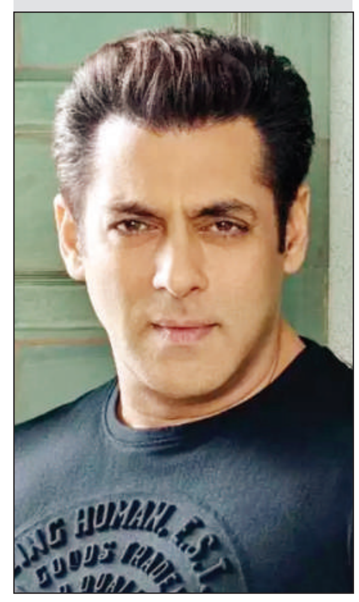

उज्ज्वल निकम का रोल निभाने पर बोले राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव और वामिका गब्बी आगामी फिल्म 'प्रहार: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में नजर आएंगे। दोनों कलाकारों सरकारी वकील उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव) और पत्नी ज्योति निकम (वामिका गब्बी) का किरदार निभाने को लेकर अपनी शुरुआती घबराहट के बारे में बताया। दोनों कलाकार उज्ज्वल निकम के साथ 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में पहुंचे। इस दौरान शो के होस्ट और बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने असल जिंदगी के किरदारों को पर्दे पर निभाने की मुश्किलों का जिक्र किया। राजकुमार ने बताया कि जब निर्देशक अविनाश अरुण ने उन्हें उज्ज्वल निकम के रोल के लिए संपर्क किया था, तो वे शुरू में काफी नर्वस थे, खासकर उम्र, शारीरिक बनावट और आवाज में अंतर की वजह से। अभिनेता राजकुमार ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा, 'सर, जब फिल्म के डायरेक्टर ने बताया कि ये फिल्म बन रही है, तो मैं डर गया कि मैं उज्ज्वल जी का किरदार कैसे निभाऊंगा क्योंकि उम्र का फर्क है, शारीरिक बनावट का फर्क है और आवाज का फर्क है। पर मैं ऐसा मानता हूं कि जिस चीज से डर लगता है, उसे जरूर करना चाहिए, तभी आप खुद को आगे बढ़ाते हो, नहीं तो एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा अपने कम्फर्ट जोन में ही रहोगे। राजकुमार ने बताया कि उन्होंने उज्ज्वल निकम के हावभाव और आवाज को समझने के लिए घंटों तक उनके वीडियो देखे। इस किरदार के लिए उन्होंने अपना वजन भी बढ़ाया ताकि वे सरकारी वकील जैसे दिख सकें। उन्होंने कहा, 'तो मैंने हमारे निर्देशक अविनाश अरुण से कहा कि फिल्म करते हैं, पर मैं उज्ज्वल जी से नहीं मिल पाया क्योंकि वो काफी बिजी रहते हैं, पर मैंने यूट्यूब पर घंटों-घंटों तक उनके वीडियो देखे। उज्ज्वल जी की आवाज को पकड़ना बहुत मुश्किल था और फिर मैंने शारीरिक बनावट के लिए वजन बढ़ाया।' वहीं वामिका गब्बी ने बताया कि वह भी ज्योति निकम का किरदार निभाने से पहले हिचकिचा रही थीं। उन्होंने कहा, 'सर, इनकी तरह मैं भी डर गई थी और मैंने तो पहले फिल्म के लिए मना कर दिया था, क्योंकि एक तो मुझे 50 साल की महिला का किरदार निभाना था और मेरी तो अभी तक शादी भी नहीं हुई और वहां तो 22-23 साल के बच्चे हैं।

'ये प्रेम मोल लिया' में महत्वपूर्ण निभाती नजर आएंगी सौम्या टंडन

अभिनेत्री सौम्या टंडन बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में एक महत्वपूर्ण निभाती नजर आएंगी। शनिवार को अभिनेत्री ने फिल्ममेकर सूरज बड़जात्या के लिए आभार जताते हुए कहा कि उनसे डायरेक्शन लेना हर एक्टर का सपना होता है। सौम्या टंडन ने लिखा, 'किसी भी एक्टर के लिए सूरज बड़जात्या सर से डायरेक्शन लेना एक सपना होता है। मैंने 'ये प्रेम मोल लिया' के सेट पर बिताया हर एक पल दिल से संजोकर रखा है। फिल्म निर्माताओं ने सौम्या टंडन के विशिष्ट किरदार के नाम और विवरण को अभी गुप्त रखा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका यह रोल फिल्म की कहानी में गहराई और वजन जोड़ने वाला एक दमदार सह-कलाकार का है।

एक्टिंग में डार्क साइड किरदार निभाना आसान नहीं

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को दर्शकों का अच्छा रेस्पॉन्स मिल रहा है। इस बीच अभिनेता ने बताया कि उन्हें अभिनय के पेशे में सबसे ज्यादा क्या आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि सिनेमा और थिएटर दोनों में अभिनय की सबसे खास बात अलग-अलग किरदारों को जीने और उनकी भावनाओं को पर्दे पर सच्चाई के साथ पेश करने का मौका मिलना है। यही चीज उन्हें इस पेशे से सबसे ज्यादा जुड़ाव महसूस कराती है। उन्होंने कहा कि अभिनय केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह लोगों की कहानियों और भावनाओं को दर्शकों तक पहुंचाने का एक प्रभावशाली तरीका भी है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह प्रोफेशन इसलिए पसंद है, क्योंकि यह एक्टर्स को अपने डार्क साइड को अपनाने का मौका देता है। उन्होंने कहा, 'हो सकता है वे आपको न बताएं कि हम आपको अपने डार्क साइड के बारे में क्यों बताएं? यह बहुत प्राइवेट बात है। यह बहुत पर्सनल बात है। ये सभी रोल, जिनमें इतने सारे ग्रे शेड्स हैं, इतनी सारी परतें हैं, उन्हें निभाना आसान नहीं है। अगर मैं खुद को समझने या जानने की प्रक्रिया में नहीं हूं, तो मैं उस किरदार को नहीं समझ सकता जिसे मैं निभा रहा हूं।'

इमरान हाशमी से बॉबी देओल तक विलेन बनकर छाए कलाकार

बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री का बहुत पहले से नाता रहा है। साउथ के कई कलाकारों ने बॉलीवुड में काम किया है। वहीं बॉलीवुड के कई ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने साउथ इंडस्ट्री से अपने अभिनय की शुरुआत की है। साउथ के कई निर्देशकों ने बॉलीवुड की कई बेहतरीन फिल्में बनाई हैं। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि वह कौन से कलाकार हैं, जिन्होंने हाल ही में साउथ की फिल्मों में अभिनय किया है।

राघव जुयाल

राघव जुयाल ने साल 2014 में रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्म 'सोनाली केबल' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। हाल ही में वह फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में नजर आए। अब वह साउथ की फिल्म 'द पैराडाइज' का हिस्सा होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह इस फिल्म में मुख्य खलनायक विक्रम मालिक का खूंखार किरदार निभाने वाले हैं। नानी की अदाकारी वाली यह फिल्म 24 सितंबर 2026 को रिलीज होने वाली है।

जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ को बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों में गिना जाता है। उन्होंने साल 1983 में फिल्म 'हीरो' से बतौर लीड एक्टर बॉलीवुड में कदम रखा। वह साउथ की फिल्मों में विलेन के किरदार में नजर आए। उन्होंने 'जेलर' (2023) में खलनायक वर्मन का किरदार निभाया। वहीं 'साहो' (2019) में वह खलनायक रॉय बनकर सामने आए।

बॉबी देओल

बॉबी देओल बॉलीवुड फिल्मों के बड़े अभिनेता हैं। वह विजय की फिल्म 'जन नायगन' (2026) में विलेन महादेव के किरदार में नजर आए। इससे पहले वह नवंबर 2024 में रिलीज हुई सूर्या की फिल्म 'कंगुवा' में भी विलेन के रोल में नजर आए थे। इसमें उन्होंने उधीरन का किरदार निभाया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी।

संजय दत्त

अभिनेता संजय ने बॉलीवुड में फिल्म 'रॉकी' (1981) से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह कई बड़ी फिल्मों में नजर आए। उन्होंने साउथ में कई फिल्मों में अभिनय किया है। यश की अदाकारी वाली फिल्म 'केजीएफ: चैप्टर 2' (2022) में उन्होंने खलनायक अदिकार का किरदार निभाया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

इमरान हाशमी

इमरान हाशमी बॉलीवुड इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों में गिने जाते हैं। उन्होंने साल 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी' में बतौर विलेन अभिनय किया। इसमें उन्होंने खलनायक ओमी भाई का किरदार निभाया था। पवन कल्याण की अदाकारी वाली यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी।

सैफ अली खान

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान लगातार कई फिल्मों से प्रशंसकों का दिल जीतते आए हैं। साउथ की फिल्म 'देवरा पार्ट 1' में वह खलनायक बनकर आए। इस रोल से उन्होंने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। सैफ ने 'देवरा' (2027) में विलेन भैरा का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की। सैफ के अलावा फिल्म में जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर की जोड़ी नजर आई थी।